बुनियादी स्वरूप विकास

छात्र पुस्तिका+ व्यावहारिक पुस्तिका

कक्षा–**XII**

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

शिक्षा केंद्र 2 समुदाय केंद्र,
प्रीत विहार, दिल्ली–110301

बुनियादी स्वरूप विकास

छात्र पुस्तिका + व्यावहारिक पुस्तिका

कक्षा–**XII**

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

सहयोगकर्ता

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान

बुनियादी स्वरूप विकास

छात्र पुस्तिका + व्यावहारिक पुस्तिका कक्षा– **XII**

मूल्यः : 140/–

प्रथम संस्करण : जून, 2014 सीबीएसई

प्रतियों की संख्या : 1000 प्रतियां

प्रयुक्त कागज : 80 जीएसएमसीबीएसई वाटरमार्कसफेद मैपलिथो

इस पुस्तक अथवा इसके भाग का किसी व्यक्ति अथवा एजेंसी द्वारा किसी भी रूप में दोहराया **जाना** नहीं **चाहिए**

प्रकाशक :सचिव, **केन्द्रीय** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,
शिक्षा **केन्द्र**, 2 समुदाय **केन्द्र**, प्रीत विहार, दिल्ली–110301

डिजाइन, लेआउट : मल्टी ग्राफिक्स,8ए, 101, डब्ल्यूईए,करोलबाग, नई दिल्ली – 110 005
फोन नं. 011– 25783846

मुद्रक अक्षदीप प्रिन्टर्स, 20 अंसारी रोड दरियागंज नई दिल्ली 110002

आमुख

वस्त्र एवं फैशन उद्योग द्वारा भारतीय निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। कृषि के **बाद यह** दूसरा सबसे बडा घरेलू रोजगारन्मुख क्षेत्र है। परिधान उद्योग को संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में बांटा जा सकता है जो विविध उपभोक्ता वर्गों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। असंगठित क्षेत्र में बने बनाए वस्त्रों की बड़ी दुकानें, स्वतंत्र ढांचे एवं दर्जी की दुकानें, लद्यु उद्योग शामिल है, जबकि संगठित क्षेत्रों में अकेले या बहुत सारे ब्रॉन्डों की फुटकर दुकानें, डिजाइनर **बुटी**क इत्यादि शामिल हैं जो विशि**ष्ट** वर्ग के उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं देते हैं। संगठित एवं ब्रॉन्डेड सेगमेंट में उच्च स्तर की वृद्धि के कारण सीएजीआर के अनुसार घरेलू वस्त्र बाजार मार्केट में 11 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना व्यक्त की गयी है। जबकि 2011 में भारतीय कपड़ा व वस्त्र उद्योग का व्यापार 662 अरब अमरीकी डॉलर रहने की संभावना है और 2021 तक सीएजीआर के अनुसार यह 5 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। भारतीय कपड़ा उद्योग एवं वस्त्र उद्योग में लगभग 45 मिलियन लोगों को रोजगार मिला है, साथ ही इसके सहायक उद्योग में 60 मिलियन लोगों को भी रोजगार प्राप्त हुआ है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों की **व्यावसायिक** पाठ्यक्रम की ओर बढ़ती हुई रूचि को देखते हुए इन पाठ्यक्रमों के विकास हेतु पहल की है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फैशन डिजाइन गारमेंट तकनीक (एफडीजीटी) पर आधारित पेशेवर पाठ्यक्रम को कक्षा XI व XII के छात्रों को एक विकल्प प्रस्तुत किया है कि वे या तो उच्च शिक्षा के लिये आगे सतत् शिक्षा प्राप्त करते रहें या अपनी माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर फैशन उद्योग में एक उद्यमी के रूप में प्रवेश कर सकें इस पाठ्यक्रम में न सिर्फ किताबी ज्ञान को शामिल किया है अपितु उससे संबंधित कौशल पर भी ध्यान दिया है जो उक्त विशि**ष्ट** उद्यम की मांग है। एफडीजीटी द्वारा संचालित पेशेवर पाठ्यक्रम में न केवल सैद्धांतिक विषय को शामिल किया है वरन् यह छात्रों को परिधान प्रौद्योगिकी और फैशन डिजाईनिंग के क्षेत्र में पेशेवर दक्षता हासिल करने में **समर्थता** भी प्रदान करता हैं।

सीबीएसई के अधिकारियों व शिक्षकों, वरिष्ठ एनआईएफटी **संकाय** सदस्यों व छात्रों, **तथा** इस क्षेत्र के प्रसिद्ध उद्यमियों व निर्यातकों के मध्य विचार विमर्श के द्वारा ही इस विषय की विषय– वस्तु को तैयार किया गया है।

बोर्ड इस संबंध में श्री पी.के़ गेरा, आईएएस, महानिदेशक, एनआईएफटी व वरिष्ठ डॉ० प्रोफेसर **बानी** झा, प्रोफेसर डॉ० वंदना नारंग– प्रोजेक्ट एंकर, प्रो. अनिता मेबल मनोहर एवं सुश्री नयनिका ठाकुर मेहता, निफ्ट के एसोसिएट प्रोफेसर्स का कक्षा XI के छात्रों के लिये सीबीएसई पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में मूल्यवान समय व सहयोग का आभारी **है**। डॉ **बिस्वजीत** साहा, एसोसिएट प्रोफेसर व कार्यक्रम अधिकारी, **व्यावसायिक** शिक्षण प्रकोष्ठ, सीबीएसईऔर सुश्री स्वाति गुप्ता, सहायक प्रोफेसर व सहायक कार्यक्रम अधिकारी, **व्यावसायिक** शिक्षण प्रकोष्ठ, सीबीएसईऔर उसके अन्य सदस्यों के अथक प्रयासों के प्रति आभारी है।

पुस्तक के संदर्भ में पाठकों से किसी भी प्रकार के सुझावों और प्रतिक्रियाओं का सहर्ष स्वागत है ताकि उसे भविष्य के संस्करणों में समायोजित किया जा सके ।

अध्यक्ष सीबीएसई

भूमिका

फैशन गतिशील और सदैव परिवर्तनीय है। हमारे जीवन में यह अति सशक्त ताकतों में से एक हैं। यह एक विशेष समयाविधि में हमारी जीवन शैली के प्रत्येक फलक को प्रभावित करता है जैसे कि हम जो परिधान पहनते है, हम जो संगीत सुनते है, हम जो भोजन खाते है, हम जहां अवकाश–भ्रमण के लिए जाते है अथवा हम जो कार चलाते है इत्यादिं।

व्यावसायिक सक्षमता शिक्षण के व्यापक रूप में फैशन डिजाईन और परिधान प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को फैशन डिजाईन और परिधान निर्माण के मूलभूत सिद्धांतों से अवगत कराना है, एक व्यवसाय के रूप में, फैशन में डिजाईनिंग और फाईबर व धागे से फैशन परिधान निर्माण स्तर से तैयार उत्पाद बनाने की प्रक्रियाएं निहित हैं। पाठ्यक्रम विषय फैशन डिजाईन का एक परिदृश्य प्रदान करेगें और डिजाईन के तत्वों, फैशन के इतिहास, कपड़े और शरीर की बोधगम्यता, पैटर्न विकास और परिधान निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्या की गई है।

परिधान उद्योग विजातीय अस्तित्व है जहां फैशन कार्यकलापों के डिजाईन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन को वृहत उत्पाद, सीमित मात्रा, उन्नत फैशन पहनावे, शिल्प, निर्यात और अन्य संगत खंडों में उकेरा जाता है। यह विषय या फैशन में उच्च अध्ययन करने के इच्छुक और फैशन व्यवसायी के रूप में आजीविका की इच्छा रखने वाले छात्रों को वैकल्पिक दिशा भी प्रदान करता है।

सीबीएसई

श्री विनीत जोशी, आईएएस, अध्यक्ष
डॉ. बिस्वजीत साहा ('एसोसिएट प्रोफेसर एवं कार्यक्रम अधिकारी')
सुश्री स्वाती गुप्ता ('सहायक प्रोफेसर एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी')

निफ्ट

सारदा मुरलीधरन, आईएएस

एंकर

प्रो. डॉ वंदना नारंग

हिन्दी संपादन

वरिष्ठ प्रो. डॉ बानी झा

योगदानकर्ता

बुनियादी स्वरूप विकासडॉ वंदना नारंग, प्रोफेसर, निफ्ट, अमीत राजक व सृष्टि गुप्ता रायॅ, निफ्ट द्वारा

विषय – सूची

अध्याय 1: स्वरूप (पैटर्न) निर्माण से परिचय 1
1.1 परिचय 1
1.2 शरीर और इसके माप की समझ 1
1.3 शरीर और पोशाक रूप को मापने के तरीके 3
1.3.1 एक पोशाक की आकृति को मापने की विधि 3
1.3.2 माप 4
1.3.3 शरीर का माप लेते समय ध्यान में रखने वाली बातें 9
सारांश 10
अभ्यास 10
अध्याय – 2: माप लेने के तरीके 11
2.1 आकार और माप का संबंध 11
2.1.1 आसानी (सुविधा) 12
2.2 महिलाओं की पोशाकों के लिए मानक माप चार्ट 12
सारांश 13
अभ्यास 13
अध्याय – 3: उपकरण और स्वरूप (पैटर्न) निर्माण की शब्दावली 15
3.1 स्वरूप (पैटर्न) निर्माण के उपकरण 15
3.2 स्वरूप (पैटर्न) निर्माण के अन्य सहायक (ऐड) 17
3.3 शब्दावली (पारिभाषिक शब्द) 17
3.4 चिह्न और संकेताक्षर 23
सारांश 23
अभ्यास 23

अध्याय – 4: परिधान विवरण 25

4.1 डार्ट्स, प्लीट्स, गेदर्स और टक्स के प्रकार 25
4.1.1 डार्ट्स 25
4.1.2 प्लीट्स 25
4.1.3 गेदर्स 26
4.1. 4 टक्स 27
4.2 कॉलर, गले की रेखा (नेक रेखा) और किनारों के प्रकार 27
4.2.1 कॉलर 27
4.2.2 फेसिंग 28
4.3 जेब (स्थिति) 29
4. 4 आस्तीन 29
सारांश 30
अभ्यास 31
अध्याय 5: भारतीय पोशाकों का स्वरूप (पैटर्न) निर्माण 32
5.1 भारतीय परिधान 32
5.2 साड़ी ब्लाउज के विभिन्न प्रकार 33
5.2.1 ब्लाउज का ब्यौरा 33
5.3 नेक रेखा और इसकी विविधताएं 34
5.3.1 नेक रेखा के विकास के लिए ध्यान में रखे जाने वाले बिंदु 35
5.4. नेक रेखा में विविध संभावनाएं 35
5.5 नेक रेखा का समापन (परिष्करण) 36

सारांश 36
अभ्यास 36
5.6. चोली ब्लाउज 37
5.7. सलवार कमीज 39
5.7.1 सलवार 39
5.7.2 चूड़ीदार पायजामा 40
5.8 शरीर के ऊपरी वस्त्र 41
5.8.1 कमीज 41
5.8.2 कलीदार कुर्ता 41
सारांश 43
अभ्यास 43
अध्याय –6: कपड़े और माप से स्वरूप (पैटर्न) का विकास 45
6.1 कपड़े और माप से स्वरूप (पैटर्न) का विकास 45
6.2 स्वरूप (पैटर्न) का विकास 45
6.2.1 फ्लैट पैटर्न विधि 46
6.2.2 प्रत्यक्ष ड्राफ्टिंग विधि 46
6.2.3 ड्रेपिंग 46
सारांश 47
अभ्यास 47
अध्याय 7: परिधान की फिटिंग 48
7.1 पैटर्न विकास 48
7.2. परिधान की फिटिंग 48
7.2.1 फिटिंग से परिचय 48
7.3 फिटिंग के तत्व 49
7.4 फिटिंग का मूल्यांकन 50
7.4.1 कंधे 50
7.4.2 वक्ष (छाती) 50
7.4.3 गला रेखा 51
7.4.4 कॉलर 51
7.4.5 मोहरा (आर्मसाइक) 51
7.4.6 आस्तीन 51
7.4.7 कमर 51
7.4.8 कूल्हे 52
7.4.9जोड़ (क्राच)/सीट 52
7.5 फिट में अन्य कारक 52
7.6 फिटिंग के तरीके 53
सारांश 54
अभ्यास 54
शब्दावली 57

अध्याय –1: स्वरूप (पैटर्न) निर्माण का परिचय

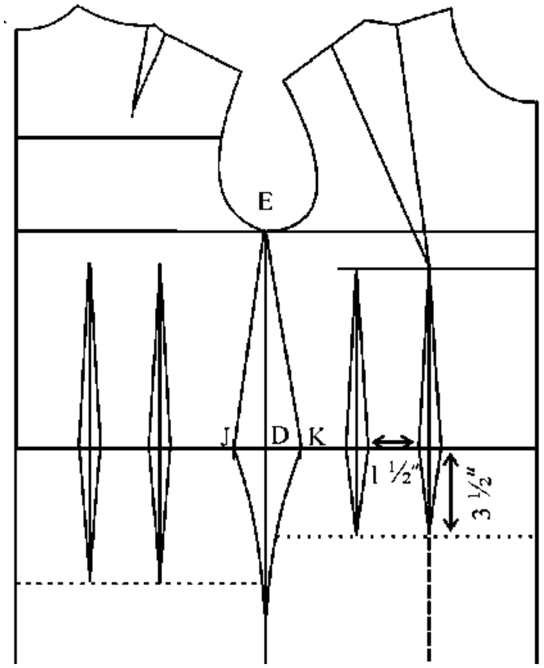

1.1 परिचय

मनुष्य की आकृति जटिल ज्यामितीय आकारों का एक यौगिक है और आकार निर्माण में समस्याएं प्रस्तुत करता है। किसी भी स्वरूप को बनाने की विधि की सटीकता काफी हद तक प्रासंगिक और सही माप पर निर्भर करती है। परीक्षण और गलती से स्वरूप निर्माण सीखना कान से संगीत बजाना सीखने जैसा है। स्वरूप बनाने को आगे दो अन्य उप–शीर्षकों में विभाजित किया जा सकता है अर्थात् शरीर या पोशाक के आकार को सही और उपयुक्त ढंग से मापना और उन तकनीकों का ज्ञान जिनका एक अच्छा स्वरूप प्राप्त करने के लिए इन मापों को लेने में व्यवहार किया जाता है।

कोई भी दो मनुष्य समान नही होते हैं, इसलिए स्वरूप बनाना एक जटिल कार्य है। (पैटर्न) स्वरूप निर्माताओं ने आम तौर पर एक आदर्श व्यवस्था खोजने की कोशिश की है और इस बात को महसूस नहीं करते कि एक विधि द्वारा निर्धारित प्रणाली अन्य मानव आकृतियों की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा नहीं कर सकती है। आनुपातिक प्रणालियां इस सिद्धांत पर काम करती हैं कि पूरे शरीर की लंबाई आठ हिस्सों में विभाजित है और परिधि माप एक दूसरे के अनुपात में हैं। दूसरी तरफ आनुपातिक प्रणाली अविश्वसनीय या गलत माप की समस्या के लिए एक तैयार समाधान की पेशकश करती प्रतीत होती है।

स्वरूप बनाने की प्रणाली काफी हद अपनी अवधि की स्वीकृत शैली पर आधारित और उनसे प्रभावित होती है। सीवन की नियुक्ति और दबाव ड्राफ्टिंग का एक अभिन्न हिस्सा है जो परिधान के संतुलन को अव्यवस्थित किए बिना डिजाइन में बदलाव की अनुमति नहीं देती है।

1.2 शरीर और इसके माप को समझना

माप लेने के लिए आगे बढ़ने से पहले शरीर और शरीर के विभिन्न भागों को समझना महत्वपूर्ण है। शरीर के विभिन्न निशानों की पहचान करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

हम सिर के साथ शुरू करते हैं – सिर का माप केवल तब लिया जाता है जब आप टोपी या हैट जैसा कोई सिर का वस्त्र बना रहे हों। आप सिर की लंबाई को माथे से गर्दन के पीछे तक और चौड़ाई को सिर के पीछे से एक कान से दूसरे कान के ऊपर तक मापते हैं।

गर्दनःकॉलर और गला बनाने के लिए गर्दन की माप ली जाती है। आप गोल गला बनाने के लिए मापने के फीते को बिना खींचे या मोड़े गले की सीध में रखते हुए गले के सामने के केंद्र से सामने के केंद्र तक मापते हैं।

कंधेःकंधे को दो अलग–अलग तरीकों से मापा जाता है, एक कंधे की लंबाई को कंधे के उच्च बिंदु या गले के बिंदु से हाथ के सिरे वाले कंधे के बिंदु तक मापा जाता है। पारंपरिक स्वरूप बनाने की विधियों के लिए पीठ के हिस्से को मापने की आवश्यकता होती है और इसे पीठ की तरफ से कंधे के एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक मापा जाता है।

बाँह (आर्म होल) :आस्तीन बनाने के लिए बाँह के छेद (आर्म होल) की माप ली जाती है। आप हाथ के गड्ढे की माप लेने के लिए मापने के फीते को कंधे के बिंदु से शुरू करके बाँह के नीचे से लेते हुए फिर से उसी बिंदु तक लाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि मापने का फीता खिंचा या मुड़ा हुआ नहीं है।

वक्ष (छाती):शर्ट, ब्लाउज, जैकेट, कुर्ता, कमीज और शरीर के ऊपरी हिस्से के अन्य सभी वस्त्र बनाने के लिए छाती की माप ली जाती है। आप स्तन का माप लेने के लिए छाती के बीच से आरंभ कर फीते को वक्ष के सबसे ऊँचे स्थान से गुजारते हुए वापस उसी स्थान पर लाते हैं, यह भी सुनिश्चित करें कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न पड़े और आपकी दो उंगलियां फीते के अंदर हैं।

शीर्ष (एपेक्स) या वक्ष बिंदुःवक्ष का उच्चतम बिंदु या स्तन का छोर है, चोली में डार्ट्स बनाने के लिए स्तन के शीर्ष की माप ली जाती है। लंबाई की माप के लिए गर्दन पर कंधे के उच्च बिंदु से शीर्ष तक मापा जाता है और शीर्ष के दो सर्वोच्च बिंदुओं के बीच की दूरी को मापने के द्वारा चौड़ाई मापी जाती है।

सामने का केंद्र (सेंटर फ्रंट):वह रेखा है जो शरीर के सामने के भाग को दो बराबर हिस्सों में बांटती है। सामने के केंद्र की माप गर्दन की गहराई निर्धारित करने के लिए ली जाती है। इसमें गर्दन के गड्ढे से कमर के अगले हिस्से के केंद्र तक की माप ली जाती है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो।

पीछे का केंद्र (सेंटर बैक):वह रेखा है जो शरीर के पिछले भाग को दो बराबर हिस्सों में बांटती है। पीछे के केंद्र की माप गर्दन की गहराई निर्धारित करने के लिए ली जाती है। इसमें पीछे से गर्दन के गड्ढे से कमर के पिछले हिस्से के केंद्र तक की माप ली जाती है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो।

बगल की सीवनःएक काल्पनिक रेखा है जो शरीर दो भागों अर्थात आगे और पीछे में बांटती है। बगल की सीवन की माप बाँह के छेद (आर्म होल) की गहराई निर्धारित करने के लिए ली जाती है। इसमें बाँह के गढ्ढे के नीचे से कमर के पिछले हिस्से के केंद्र तक की माप ली जाती है और यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो।

कमरःकमर की माप उन सभी वस्त्रों के लिए ली जाती है, जो कमर को ढकते हैं, जैसे कि शर्ट, ब्लाउज, जैकेट, कुर्ता, कमीज, स्कर्ट, पैंट और अन्य। कमर शरीर का सबसे संकरा हिस्सा है, डोरी का एक फंदा बना कर उसे धड़ के सबसे छोटे हिस्से पर डालने के द्वारा प्राकृतिक कमर को स्थापित किया जा सकता है। आप मापने के फीते को कमर के सामने के केंद्र से शुरू कर पूरी गोलाई में घुमाते हुए दुबारा उसी बिंदु पर लाकर कमर की गोलाई माप सकते हैं, यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो, आसानी से साँस लेने के लिए कमर और शरीर के बीच अपनी दो अंगुलियां डाल कर माप लें। यह भी जरूरी है कि व्यक्ति के पेट और सांस को अंदर खींचे बिना अपनी स्वाभाविक मुद्रा में खड़ा रहे।

कूल्हाःकूल्हे को ढकने वाले सभी वस्त्रों अर्थात् शर्ट, जैकेट, कुर्ता, कमीज, स्कर्ट, पैंट और अन्य के लिए कूल्हे की माप ली जाती है। कूल्हे की माप लेने के लिए आप मापने के फीते के एक छोर को सामने के केंद्र पर रखकर कूल्हे के सर्वाधिक पुष्ट स्थान के ऊपर से गुजारते हुए फिर से उसी बिंदु पर ले आएं, यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो, आसानी से साँस लेने के लिए कमर और शरीर के बीच अपनी दो अंगुलियां डाल कर माप लें।

प्रिंसेस लाइनःएक काल्पनिक रेखा है जो कंधे से शीर्ष से पोशाक की पूरी लंबाई तक जाती है। यह एक अच्छी फिटिंग देने के लिए दबाव को ग्रहण करता है।

बांह की लंबाईःआस्तीन की माप आस्तीनें बनाने के लिए ली जाती है। इसमें आपको बाँह के ऊपर कंधे के बिंदु से कलाई या जहाँ तक वांछित हो, आस्तीन की लंबाई मापनी होगी, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो।

बाइसेप्स (डोले) :आस्तीनें बनाने के लिए डोलों की माप ली जाती है। आपको मापने के फीते को बाँह के नीचे से ले जाकर बाँह के सबसे अधिक पुष्ट भाग के चारों ओर घुमाना होगा, साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ न हो।

कोहनीःकोहनी की माप आस्तीनें बनाने के लिए ली जाती है। आपको फीते को कोहनी के चारों ओर घुमाकर, मुड़ी कोहनी की गोलाई मापनी होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है।

कलाईःकलाई की माप आस्तीन बनाने के लिए ली जाती है। आपको मापने के फीते को कलाई के चारो और घुमाकर कलाई की गोलाई मापनी होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है।

जांघःपतलून, चूड़ीदार पायजामा आदि बनाने के लिए जांघ की माप ली जाती है। आपको मापने के फीते को जांघ के सबसे पुष्ट भाग के चारों ओर से घुमाकर जांघ की गोलाई मापनी होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है।

घुटनाःघुटने की माप पतलून, चूड़ीदार पायजामा आदि बनाने के लिए ली जाती है। आपको मापने के फीते को घुटने के सबसे पुष्ट भाग के चारों ओर से घुमाकर मुड़े हुए घुटने की गोलाई मापनी होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है।

टखनाःटखने की माप पतलून, चूड़ीदार पायजामा आदि बनाने के लिए ली जाती है। आपको मापने के फीते को पैर की एड़ी को ढकते हुए टखने के सबसे पुष्ट हिस्से के चारों ओर से घुमाकर टखने की गोलाई मापनी होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है।

1.3 शरीर और पोशाक के आकार को मापने के तरीके

मानव शरीर या पोशाक के आकार का मापना कपड़ों के विकास और उनके शरीर में अच्छी तरह से फिट होने की दिशा में पहला कदम है। ठीक से और सही तरीके से माप लेना स्वरूप (पैटर्न) बनाना सीखने के लिए पहला कदम है। एक अच्छी फिटिंग प्राप्त करने के लिए सही माप लेने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पोशाक के आकार की माप लेना शुरू करने से पहले पोशाक के आकार को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए शरीर को ध्यान से देखना चाहिए, यह कहां खोखला है, कंधे के ढलान कैसे हैं आदि। इसके साथ ही स्वरूप (पैटर्न) निर्माता को शरीर के विभिन्न कार्यों और शरीर की विभिन्न गतिविधियों या दैनिक कार्यों का प्रदर्शन करते हुए प्रत्येक अंग के संचालन के स्थान और तरीके को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है

1.3.1 पोशाक का आकार मापने की एक विधि

शरीर के विभिन्न भागों की पहचानः शरीर के मानक माप में विभिन्न कंपनियों के विभिन्न आकार, स्वरूप, आकृति, रंग, लंबाई आदि के विभिन्न सामग्रियों से बने परिधान उपलब्ध हैं। वे एक देश के मानक माप में तैयार स्थिति में उपलब्ध हैं और उन्हें ग्राहक प्रोफाइल या कंपनी के लक्षित बाजार के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। एक अमेरिका आधारित कंपनी द्वारा तैयार की गई आकार 8 चिह्नित पोशाक अमेरिका के मानक 8 आकार के अनुसार बनाई जाती है। हालांकि, मातृत्व के समय के पहनावों पर काम करने वाली कंपनी को एक निर्धारित पोशाक आकार की आवश्यकता होगी।

एक पोशाक का आकार मापना सीखने के लिए पहला कदम है पोशाक के आकार को जानना। नीचे दिए गए चित्र एक मानक पोशाक स्वरूप शरीर के आगे और पीछे के विभिन्न भागों की पहचान कराते हैं।

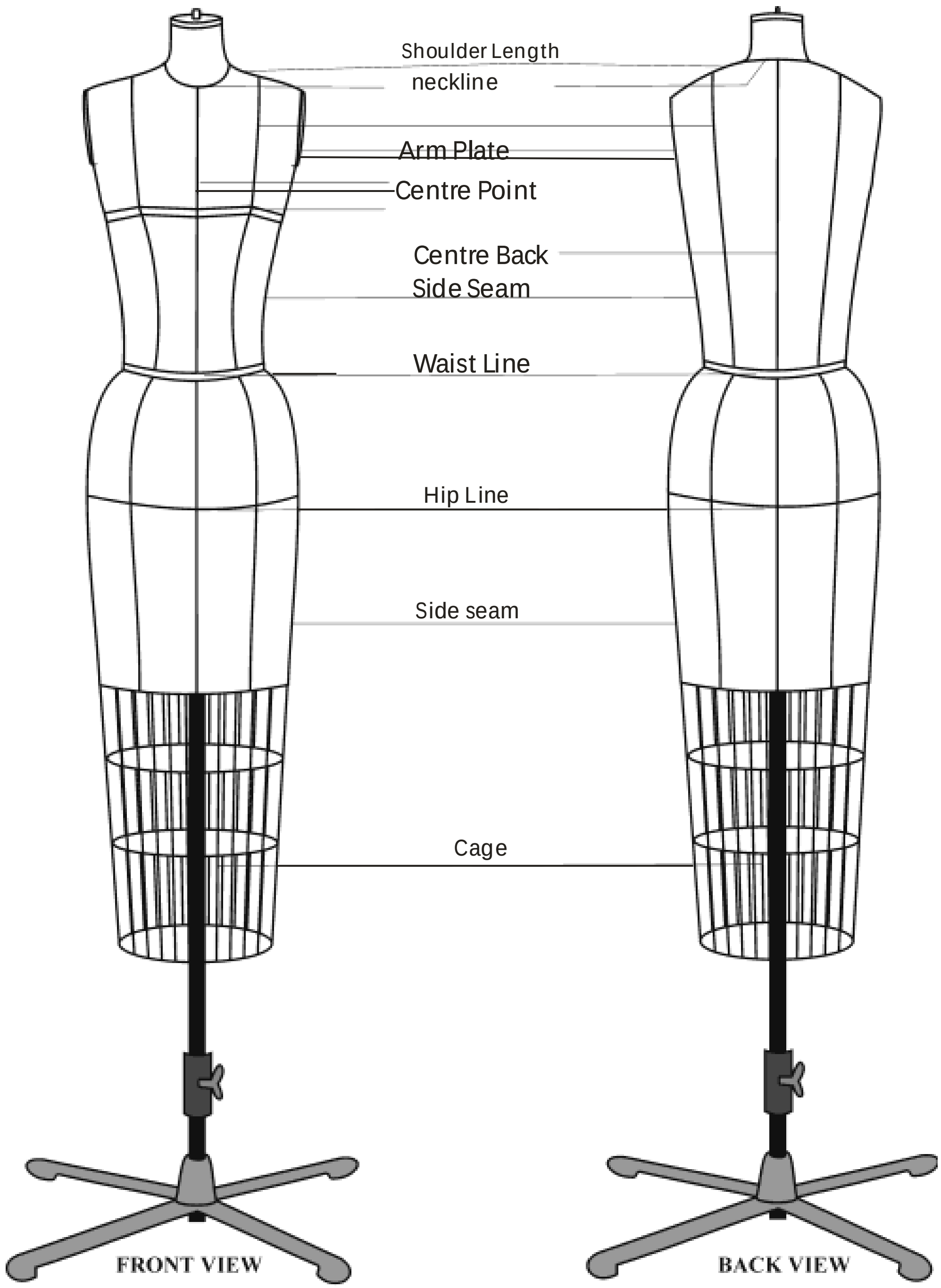
Shoulder Length
neckline
Arm Plate
Centre Point
Centre Back
Side Seam
Waist Line
Hip Line
Side seam
Cage
FRONT VIEW
BACK VIEW

DRESS FORM

सभी क्षैतिज स्तरों के साथ पोशाक का स्वरूप

कंधे तक लंबाई,(शोल्डर लेंथ)

गला (गला लाइन)

आर्म प्लेट,

केन्द्र बिंदु, (सेंटर प्वाइंट)

पीछे का केंद्र, (सेंटर बैक)

बगल की सीवन, (साइड सीम)

कमर (वेस्ट लाइन),

कूल्हे (हिप लाइन),

बगल की सीवन (साइड सीम)

(केज)

सामने का दृश्य (फ्रंट व्यू)

पीछे का दृश्य (बैक व्यू)

पोशाक के स्वरूप **(पैटर्न)**

सभी माप संख्या के हिसाब से दिए गए हैं, जैसे 1. – सामने की लंबाई, चित्र में दिए गए पोशाक के स्वरूप के आंकड़े 1 की पहचान से मेल खाती है।

1.3.2 माप

1.सामने की लंबाईः गर्दन की संधि से लगे कंधे की ऊँचाई से वक्ष से ऊपर से होते हुए कमर तक माप लें, वक्ष के नीचे की माप लेने के लिए एक हाथ वक्ष के नीचे रख कर माप लें।

2. सामने के केंद्र की लंबाईः सामने के केंद्र के गर्दन की संधि से बिना किसी खिंचाव के कमर की संधि तक मापें।

3. कमर से कंधे तकः कंधे की नोक से बगल की सिलाई के ऊपर से कमर की संधि तक माप लें (बाँह के छेद (आर्म होल) के लिए आसानी के रूप में एक इंच का 3/4 जोड़ें)।

4. बाँह के नीचे की सिलाईः बाँह के छेद (आर्म होल) के प्लेट के नीचे के एक बिंदु को एक्स के रूप में चिह्नित करें। एक्स बिंदु से नीचे बगल की सीवन पर कमर के जोड़ तक मापें ।

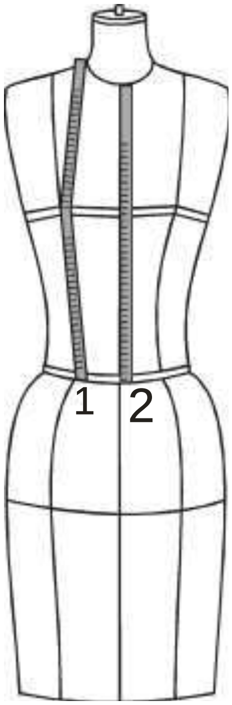

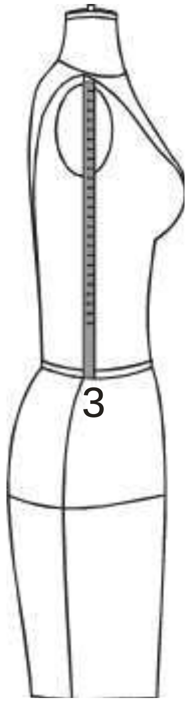

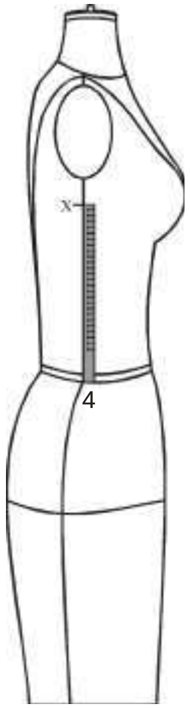

5. कंधे की लंबाईः गर्दन और कंधे की संधि से प्रिंसेस लाइन तक और फिर प्रिंसेस लाइन से कंधे के नोक की माप लें।

6. वक्ष की चौड़ाईः सामने के केंद्र से वक्ष के ऊपर बगल की सीवन पर स्थित एक्स बिंदु तक माप लें (केवल सीवन के ऊपर तक)।

7. कमर के आगे का भागः सामने के केंद्र कमर की संधि से बगल की सीवन पर कमर की संधि तक।

8. सामने की हिप लाइनः एक पिन की मदद से सामने के केंद्र पर एक बिंदु चिह्नित करें, जो कमर से 7 इंच नीचे होगा। इस बिंदु का उपयोग करते हुए फर्श से ऊपर मापें, इस माप को पोशाक पर क्षैतिज रूप से चिह्नित करें जो सामने के केंद्र से आरंभ होकर पीछे के केंद्र तक जाएगा (इसे एक समान रखते हुए)। संदर्भ के लिए एक स्टाइल टेप लगाएं और इसे कूल्हे की रेखा के रूप में अंकित करें। इस रेखा पर, सामने के केंद्र से आरंभ कर बगल की सीवन के जोड़ तक मापें (केवल सीवन से ऊपर तक)।

9. शीर्ष का मापनः टेप को फर्श के समानांतर रखते हुए सामने के केंद्र से वक्ष की ऊँचाई तक मापें।

10. सामने के केंद्र से प्रिंसेस लाइनः कमर पर सामने के केंद्र की संधि से प्रिंसेस लाइन की संधि तक मापें।

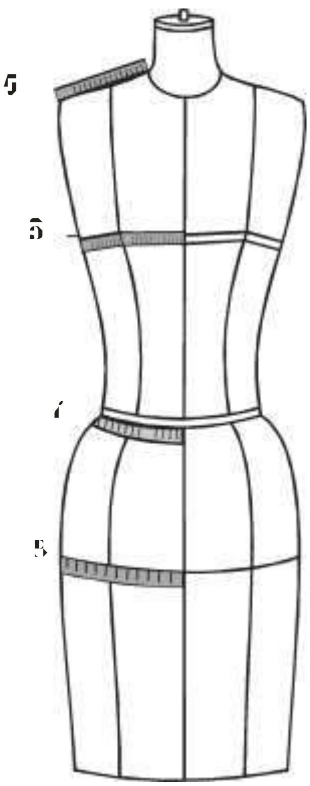

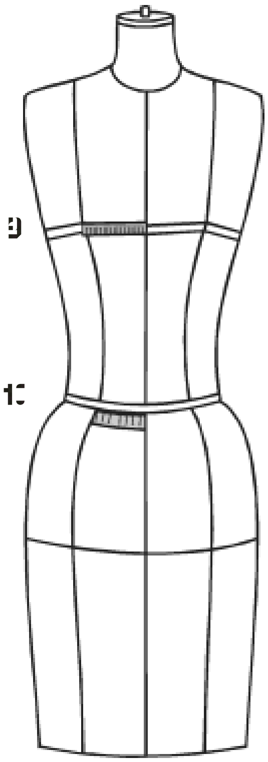

11. कंधे की हड्डी (ब्लेड)ः पीछे के केंद्र पर एक बिंदु वाई इस तरह बनाएं कि, वह पीछे के केंद्र की संधि से वाई बिंदु तक पीछे के केंद्र की लंबाई का एक चौथाई (¼) हो। कंधे के ब्लेड की माप लेने के लिए फीते को फर्श के समानांतर रखते हुए वाई बिंदु से बाँह के छेद (आर्म होल) के किनारे तक मापा जाता है।

12. पीछे की चौड़ाईः फीते को फर्श के समानांतर रखते हुए बगल की सिलाई पर एक्स बिंदु से पीछे के केंद्र तक मापें।

13. पीछे की कमरः पीछे के केंद्र पर कमर की संधि से बगल की सिलाई पर कमर की संधि तक मापें।

14. कूल्हे की पिछली रेखाः पीछे के केंद्र की संधि से पहले से चिह्नित कूल्हे की रेखा पर बगल की सिलाई की संधि तक मापें।

15. पीछे के केंद्र की लंबाईः बिना किसी खिंचाव के पीछे के केंद्र पर गले की संधि से सामने के केंद्र पर कमर की संधि तक माप लें।

16. पीछे के केंद्र से प्रिंसेस लाइनः कमर पर पीछे के केंद्र की संधि से प्रिंसेस लाइन की संधि तक माप लें।

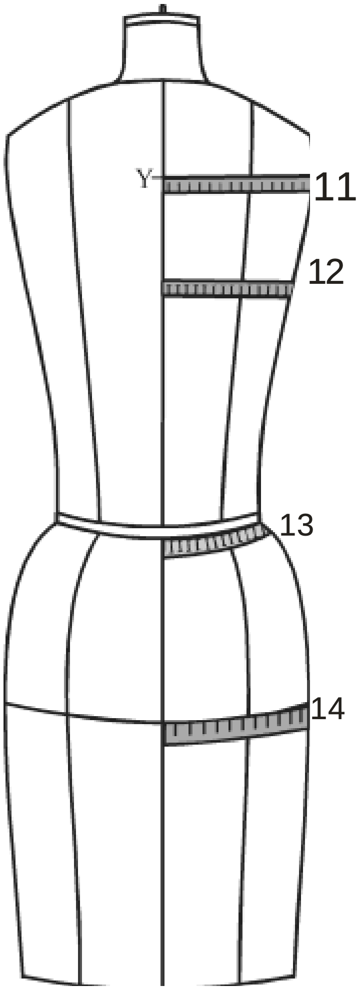

Y
11
12
13
14

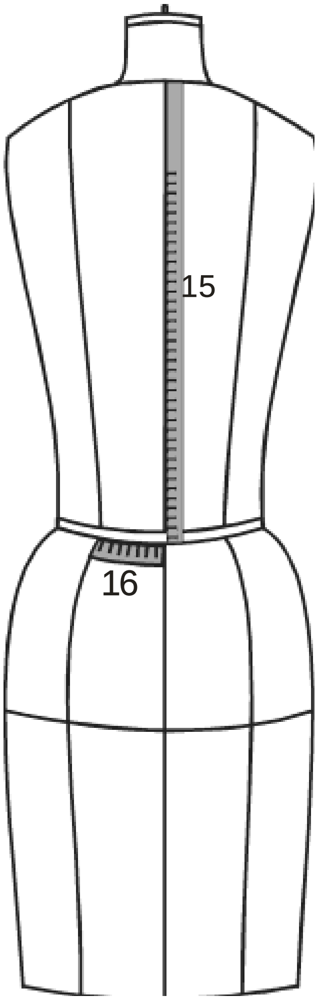

15
16

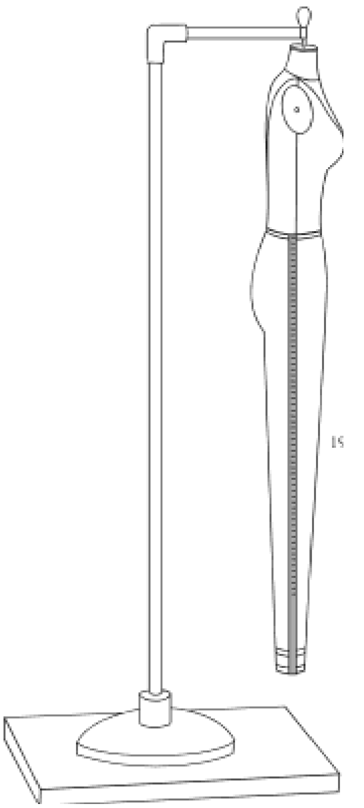

17. नीचे के परिधान के लिए सामने के केंद्र की लंबाईः यह सुनिश्चित करते हुए कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है, कमर पर सामने के केंद्र की संधि से इच्छित लंबाई तक माप लें।

18. नीचे के परिधान के लिए पीछे के केंद्र की लंबाईः सामने के केंद्र की तरह यह सुनिश्चित करते हुए कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है, कमर पर पीछे के केंद्र की संधि से इच्छित लंबाई तक माप लें।

19. बगल की सीवन की लंबाईः यह सुनिश्चित करते हुए कि मापने के फीते में कोई खिंचाव या मोड़ नहीं है कूल्हे पर बगल की सीवन में कमर की संधि से माप लें।

20. क्राच (जांघ और धड़ के जोड़) की गहराई

(क) पोशाक के आकार पर**:** आकार के पैरों के बीच एक एल–स्क्वायर रखें और कमर पर माप को लिख लें। इस माप में आसानी के लिए 11/4'' शामिल हैं क्योंकि आम तौर पर एल–स्क्वायर 11/4'' चौड़े होते हैं।

(ख) शरीर परः ग्राहक को एक सपाट सतह पर बैठाएं, सुनिश्चित करें कि ग्राहक बिल्कुल सीधा बैठा है।. बैठने की इस स्थिति में, बगल की सीवन में कमर की संधि से कुर्सी की सीट के ऊपर से माप ली जाती है। (यहाँ आसानी के लिए जोड़ने की जरूरत है।)

21. घुटने की परिधिः हड्डी पर घुटने की सबसे पुष्ट हिस्से की गोलाई की माप लें। एक पूर्ण माप के लिए शरीर पर, इसे एक मुड़े हुए घुटने पर मापा जाना चाहिए।

22. टखने की परिधिः टखने की हड्डी के ऊपर से गोलाई की माप ली जाती है। एक पूर्ण माप के लिए, शरीर पर इसे टखने और एड़ी पर मापा जाना चाहिए।

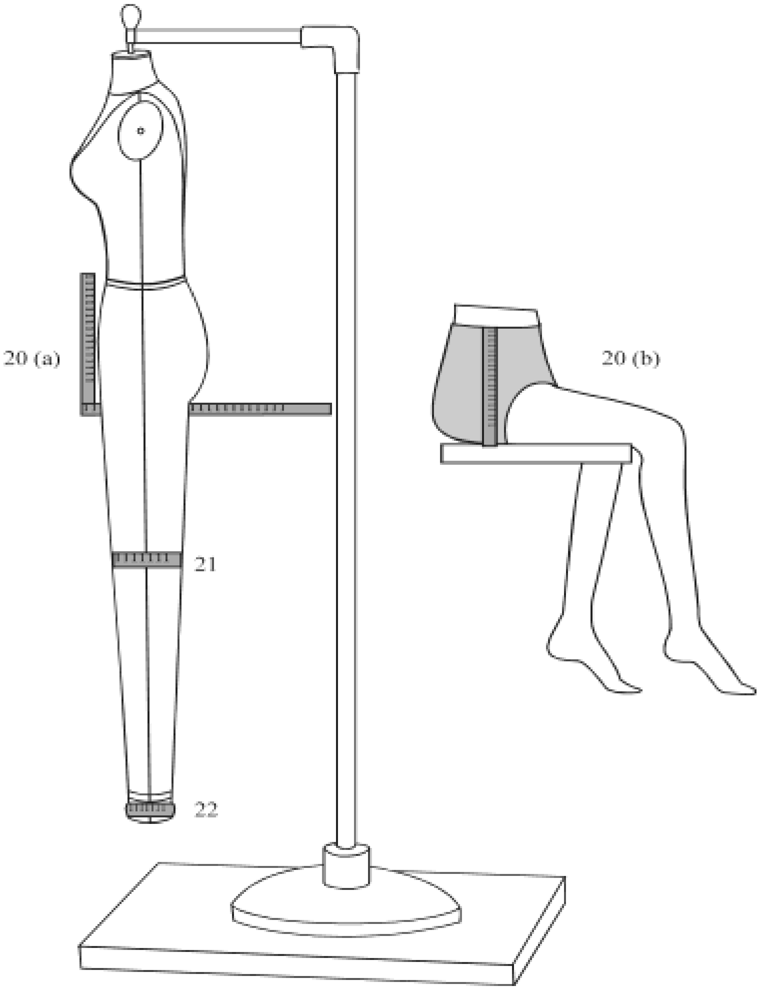

23. कैप की ऊचाईः बगल के करीब बांह के डोलों के चारों ओर एक फीता बाँधे। कैप की ऊँचाई कंधे की संधि से फीते की चोटी पर मापी जानी चाहिए।

24. आस्तीन की लंबाईः कंधे की संधि से मुड़ी हुई कोहनी के ऊपर से होते हुए कलाई तक मापें।

25. डोलों की परिधिः हाथ के सबसे पुष्ट हिस्से पर गोलाई की माप लें।

26. कोहनी की परिधिः कोहनी के ऊपर से गोलाई में माप लें। शरीर पर, यह एक पूर्ण माप के लिए इसे एक मुड़ी कोहनी पर मापा जाना चाहिए।

27. कलाई की परिधिः कलाई की हड्डी पर गोलाई की माप लें।

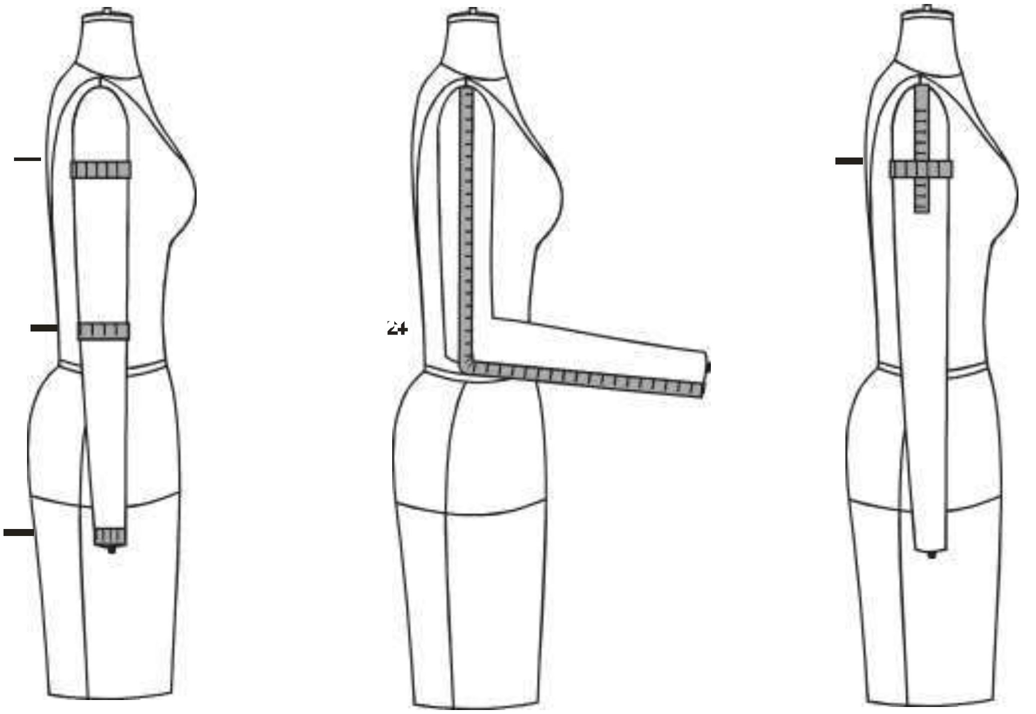

1.3.3 शरीर की माप लेते समय ध्यान में रखने वाली बातें

♦ गोलाई की माप/परिधि की माप शरीर और मापने के फीते के बीच दो अंगुलियों के साथ शरीर के सबसे चौड़े बिंदु को मापकर ली जानी चाहिए, यह सुनिश्चित करेगा कि शरीर को दबाया या सिकोड़ा नहीं जा रहा है।

ध्यान दें: याद रखें कि मापने के फीते को शरीर में दबाया नहीं जाना चाहिए अन्यथा यह सही माप नहीं लेगा।

लंबाई की माप के लिए, यह सुनिश्चित करें कि ग्राहक एक स्वाभाविक मुद्रा में खड़ा है।

♦लंबाई की माप: जब लंबाई मापी जा रही हो एक हाथ वक्ष के नीचे रखा जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लंबाई मापते समय वक्ष को मापा गया है। अन्यथा परिधान की लंबाई कम पड़ जाएगी।

♦ कंधे/क्रॉस बैक माप कंधे की एक हड्डी से दूसरी हड्डी तक ली जाती है।

♦ शीर्ष को चित्र में दिखाये गए रूप में मापा जाता ळे

Apex measurement

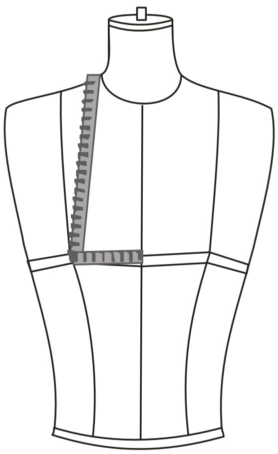

शीर्ष (एपेक्स) की माप

♦ आस्तीन की लंबाई कंधे की हड्डी से आवश्यक लंबाई तक ली जाती है।

Sleeve length

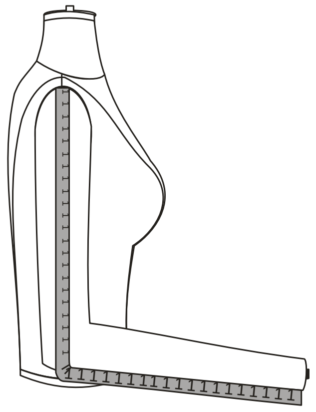

बांह की लंबाई

♦ सलवार की पूरी लंबाई को मापने के लिए कमर से फर्श तक मापें और यह सुनिश्चित करें कि व्यक्ति सीधे खड़ा है।

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया है:

1. स्वरूप (पैटर्न) बनाने की परिभाषा, यह परिधान का एक ब्लू प्रिंट है, पैटर्न बनाना वह गतिविधि है, जिसके द्वारा डिजाइन को अंकम करने के चरण से एक वास्तविक भौतिक वस्तु में परिवर्तित किया जाता है। एक स्वरूप (पैटर्न) निर्माता पैटर्न के टुकड़ों का ड्राफ्ट तैयार करने के माध्यम से डिजाइनरों के स्केच की व्याख्या करता है।

2. शरीर के अंगों की पहचान और मापने के लिए क्यों और कैसे के संदर्भ में उनमें से प्रत्येक को मापने की विधि।

3. मानव शरीर और पोशाक के आकार को मापने के विभिन्न तरीके।

4. पोशाक के आकार पर शरीर के प्रत्येक अंग की दृश्य पहचान और इसे मापने की विधि।

5. वक्ष, पूर्ण लंबाई जैसे शरीर के अहम क्षेत्रों को मापने के समय ध्यान में रखी जाने वाली बातें।

अभ्यास

1. महिलाओं के परिधानों की तस्वीरों का संग्रह करें। एक फोल्डर या स्टाइल फाइल बनाएँ और परिधान में इस्तेमाल किए जाने वाले डार्ट्स के प्रकारों को पहचानें। यह विभिन्न शैलियों पर आप के लिए एक निर्देशिका बन जाएगी।

2. पोशाक के आकार और शरीर को मापें और इस्तेमाल किए जाने वाले मापने के तरीके में अंतर पर ध्यान दें।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

क. स्वरूप (पैटर्न) ....विधियों द्वारा काटा जा सकता है और वे .... और .... तरीके हैं।

ख. स्वरूप (पैटर्न) एक परिधान का .... है।

ग. फिलिप द्वारा लिखित पुस्तक को .... कहा जाता है ।

घ. एक डार्ट ....वेज है जो .... के समतल टुकड़े को......... देता है ।

ङ ....विधि स्वरूप (पैटर्न) बनाने की सबसे पुरानी विधि है और इसे .... के रूप में जाना जाता है।

च. सामने का केंद्र वह रेखा है जो आगे .... को दो .... में विभाजित करती है।

छ. टखने को ....के आसपास मापा जाना चाहिए।

ज. आस्तीन की सही लंबाई ....के ऊपर से मापी जाती है।

झ. चोली की लंबाई गर्दन......... से शीर्ष और कमर तक .... के ऊपर रख कर मापी जाती है।

ञ. एक शरीर पर क्रॉच की गहराई को ...... एक .... सतह पर बैठा कर मापी जाती है और इसे .... से .... तक मापा जाता है।

ट. शीर्ष को कंधे से .... तक की माप लेने के द्वारा मापा जाता है।

ठ. शीर्ष और केंद्र के बीच दूरी को .... से .... बिंदुओं की दूरी में मापी जाती है ।

ड. कंधे की हड्डी (ब्लेड) के स्तर को ....पर मापा जाता है।

अध्याय – 2: मापने के तरीके

2.1 आकार और माप के बीच संबंध

शरीर और पोशाक के आकार को मापने के तरीके सीखने के बाद मन में उठने वाला अगला प्रश्न है कि एक व्यक्ति या पोशाक की ली गई माप के अनुसार परिधान का आकार क्या होगा और दूसरा यह कि पोशाक का आकार क्या बनाया जाए कि यह व्यक्ति को ठीक से फिट हो सके।

क्षेत्र या देश के लिए कपड़ों के उत्पादन की प्रणाली के लिए एक सामान्य आकार आदर्श रूप से आबादी के विभिन्न वर्गों के शारीरिक माप पर आधारित होता है।

पहले के समय में हर व्यक्ति अपनी माप के बने कपड़े पाने के लिए एक दर्जी के पास जाता था, लेकिन आधुनिक समय में बदलती अर्थव्यवस्था समाज और पहनने के लिए तैयार परिधान के लिए लगातार बढ़ती वैश्विक मांग या आरटीडब्ल्यू ने स्वरूपों और आकारों की प्रणालियों को बहुत महत्वपूर्ण बना दिया है।

आकार की प्रणालियां आम तौर पर सरकार या मानकीकरण संगठन द्वारा विकसित की जाती हैं जिसके लिए देश के लिए मानक आकार पर काम करने की जरूरत है। देश के लिए मानकीकृत आकार प्रणाली स्थापित करने के लिए आबादी के विभिन्न वर्गों के एक बड़े अनुभाग को मापा जाता है। उदाहरण के लिए ब्रिटिश मानक बीएस3666 है, जिसने ब्रिटिश मानकों के साथ, ब्रिटिश वस्त्र उद्योग के लिए आकार प्रणाली की स्थापना की है। ब्रिटेन की वस्त्रों की बिक्री करने वाली सभी दुकानें या बाजार के लिए वस्त्र निर्माता बीएस3666 का पालन करते हैं। एस या टी से युक्त आकार का अर्थ है कि पोशाक एक छोटे व्यक्ति के लिए है या एक लंबे व्यक्ति के लिए। ब्रिटेन में **खरीदार**, अगर इस संबंध में निश्चित हैं कि कौन सा आकार उन्हें फिट होगा तो आसानी से अपने आकार के कपड़े खरीद सकते हैं, क्योंकि आम तौर पर उस विशेष आकार के सभी वस्त्र उस व्यक्ति को फिट होंगे।

महिलाओं के आकारों और आकृतियों में भिन्नता होती है और आकारों में इतनी विविधता है कि कुल्हों की समान परिधि वाली दो महिलाओं के वक्षों के माप में 12 इंच से अधिक का अंतर हो सकता है। दूसरी ओर, वक्ष की समान परिधि वाली दो महिलाओं का आकार पूरी तरह से अलग हो सकता है। महिलाओं के लिए अधिकांश आकार प्रणालियां वक्ष के माप पर आधारित होती हैं।

एक अच्छी आकार प्रणाली में देश की जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम होने के लिए आंकड़ों की भिन्नता शामिल की जाती है।

वक्ष और कूल्हे परिधि की भिन्नता के अलावा, लंबाई या उच्चता या आकार को प्रभावित करने वाला एक अन्य पहलू है। अधिकांश छोटे निर्माता ऊंचाई में अंतर की उपेक्षा करते हैं और औसत ऊंचाई से ऊपर की महिलाओं के लिए कपड़ों का उत्पादन करते हैं **ता क** छोटे कद की महिलाएं लंबाई को वांछित रूप में कम कर सकती हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसा देश है जहां बाजार में सबसे अधिक आकार भिन्नता उपलब्ध है। एक आकार प्रणाली में आकार की संख्या जनसंख्या की शारीरिक संरचना पर निर्भर करती है। भारत और अमेरिका जैसे देशों में, जहां के विभिन्न भागों में लोगों (भारत में) और विभिन्न जातीय समूहों (अमेरिका में) में शरीर के आकार की इतनी विविधता है कि आकार प्रणाली में आकारों की संख्या के तीन सामान्य – छोटा (एस), मध्यम (एम) और बड़े (एल) से बहुत अधिक होने की जरूरत है। कुछ देश अतिरिक्त छोटे (एक्स एस) और अतिरिक्त बड़े (एक्स्ट्रा लार्ज) और कभी–कभी भी डबल एक्स्ट्रा लार्ज (XXL) के साथ काम करते हैं, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश में महिलाओं की पोशाकों का आकार 2,4,6,8,10,12,14,16,18, 20,22,24,26 आदि से आरंभ होता है। इन आकारों के अलावा वहाँ बाजार में 'मिसेस' और 'पेटिट' उपलब्ध हैं जो मध्यम और छोटी महिलाओं के और 'लंबा और बड़ा' लम्बी और बड़े आकार की महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए हैं।

भारत में अभी तक कोई भी मानक माप तालिका उपलब्ध नहीं है। कई एजेंसियां आकार और माप पर काम करने की कोशिश कर रही हैं। अलग–अलग कंपनियां या कारोबार अपने ग्राहकों पर या अपना सामान **बेचने** वाली दुकानों की मांग के आधार पर अपनी स्वयं की माप तालिकाओं पर काम करते हैं। इससे कभी–कभी ग्राहकों के दिमाग में भ्रम उत्पन्न होता है कि उन्हें किस आकार को खरीदना है।

2.1.1 आराम

एक आकार (पैटर्न) में आराम या सहनीयता का मतलब है स्वीकार्य बढ़त, लेकिन आकार (पैटर्न[1]) या 'आराम की सुविधा' में अंतर होता है और प्रत्येक परिधान एक उद्देश्य के लिए बनाया जाता है, एक ऊपरी कपड़े में, अधिक बढ़त की जरूरत होती है क्योंकि इसे अन्य वस्त्रों पर पहना जाता है जबकि एक ब्रा जैसे आधार या भीतरी परिधान को शरीर पर एक दूसरे त्वचा की तरह फिट होने की जरूरत होती है इसलिए इन दोनों के कपड़ों के पैटर्न में जोड़ी जाने वाली बढ़त में काफी भिन्नता होती है।

आकार वक्ष और कूल्हे के माप पर निर्भर होता है, असामान्य रूप से बड़े कूल्हे वाली महिला को ऐसे **आकार** की जरूरत होती है **जो** एक बड़े माप को व्यवस्थित कर सके और उन्हें परिधान के अन्य हिस्सों में बदलाव की आवश्यकता पड़ती है, उदाहरण के लिए 36'' वक्ष और 48'' के कूल्हे वाली महिला को एक ऐसे आकार की आवश्यकता होगी जो 48'' के कूल्हे पर फिट बैठता है या ए–लाइन, फैलाव या घुमाव वाली एक ऐसी आकृति की आवश्यकता होगी।

2.2 महिलाओं के परिधानों के लिए मानक माप तालिका

(इंच में)

आकार	32	34	36	38	40	42	44
सामने की लंबाई	17 1/4	17 1/2	17 3/4	18	18 1/4	18 1/2	18 3/4
वक्ष की चौड़ाई (बाँह की प्लेट के नीचे 1'' इसमें आसानी के लिए ½''भी शामिल है)	9 1/2	10	10 1/2	11	11 1/2	12	12 1/2
सामने केंद्र की लंबाई	14 3/8	14 1/2	14 5/8	14 3/4	14 7/8	15	15 1/8
शीर्ष	3 5/8	3 3/4	3 7/8	4	4 1/8	4 1/4	4 3/8
बाँह के नीचे की सीवन	7 7/8	8	8 1/8	8 1/4	8 3/8	8 1/2	8 5/8
कमर के आगे का हिस्सा (आसानी के लिए 1/4'' भी शामिल है)	6 3/8	6 3/4	7 1/8	7 1/2	7 7/8	8 1/4	8 5/8
कमर से कंधा (आसानी के लिए 3/4'' भी शामिल है)	14 3/4	14 7/8	15	15 1/8	15 1/4	15 3/8	15 1/2
कंधे की लंबाई	4 7/8	5	5 1/8	5 1/4	15 3/8	5 1/2	5 5/8
सामने के केंद्र से प्रिंसेस रेखा	2 5/8	2 3/4	2 7/8	3	3 1/8	3 1/4	3 3/8
पीछे की चौड़ाई (बाँह की प्लेट के नीचे 1'' इसमें आसानी के लिए ½ ''भी शामिल है)	8 1/2	9	9 1/2	10	10 1/2	11	11 1/2''
पीछे के केंद्र की लंबाई	16 1/2	16 3/4	17	17 1/4	17 1/2	17 3/4	18
कमर का पीछे का हिस्सा (आसानी के लिए ¼''भी शामिल है)	5 5/8	6	6 3/8	6 3/4	7 1/8	7 1/2	7 7/8
कंधे का सिरा (ब्लेड)	6 7/8	7	7 1/8	7 1/4	7 3/8′	7 1/2	7 5/8
पीछे के केंद्र से प्रिंसेस रेखा तक	2 1/8	2 5/8	2 3/4	2 7/8	3	3 1/8	3 1/4
कूल्हे की आगे की रेखा (कमर से 7'' नीचे) (आसानी के लिए ¼'' भी शामिल है)	9 1/8	9 3/8	9 5/8	9 7/8	10 1/8	10 3/8	10 5/8
कूल्हे की पीछे की रेखा (कमर से 7'' नीचे) (आसानी के लिए ¼''भी शामिल है)	9 1/8	9 3/8	9 5/8	9 7/8	10 1/8	10 3/8	10 5/8
टोपी की ऊँचाई	6	6	6	6	6 1/8	6 1/8	6 1/8
छोटी आस्तीन की लंबाई	9	9 1/4	9 1/2	9 3/4	10	10 1/2	10 3/4
आस्तीन की लंबाई	23	23 1/2	24	24 1/2	24 1/2''	25	25

सारांशः

अध्याय के इस भाग में निम्न विषयों को शामिल किया गया हैः

1. आकार और माप के बीच का संबंध
2. आराम की अवधारणा
3. मानक शरीर के आकार के लिए माप तालिका।

अभ्यास

1. बाजार जाएं और विभिन्न ब्रांडों के महिलाओं के विभिन्न परिधान के आकारों की जाँच करें, जिन्हें आप पहचान सकते हैं। अलग–अलग ब्रांडों के एक ही आकार के विभिन्न शैलियों और ब्रांडों में कपड़ों को आजमाने की कोशिश करें कि उनमें क्या अंतर है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करेंः

क. मानक माप एक .... तालिका में दिए गए हैं।
ख. जिस देश में सबसे विस्तृत .... है, वह............. है।
ग आकार प्रणालियां .... हैं जो एक देश की............. या मानकीकरण संगठन द्वारा ....तैयार किए जाते हैं।

घ. देश के लिए मानक आकारों को .... के विविध वर्गों .... द्वारा स्थापित किया जाता है।
ङ. ब्रिटेन में ब्रिटिश मानकों को .... द्वारा .... उद्योग के लिए स्थापित किया गया था।
च. ब्रिटेन के बाजार में सभी वस्त्र निर्माता .... का पालन करते हैं।
छ. एस द्वारा चिह्नित आकार का अर्थ कि वस्त्र .... के लिए और टी एक .... .व्यक्ति के लिए है।
ज. देशों के अलग–अलग आकार और .... होते हैं।
झ. कूल्हों की .... परिधि वाली दो महिलाओं के......... की माप में का अंतर हो सकता है।
ञ. आम तौर पर महिलाओं के लिए........... प्रणालियां .... के माप पर आधारित होती हैं।

अध्याय – 3: नमूना (पैटर्न) बनाने के उपकरण और शब्दावली

3.1 नमूना (पैटर्न) बनाने के उपकरण

उपकरण का नाम		उपकरण का नाम
उपकरण बॉक्स		आपके उपकरणों को ठीक से रखने के लिए एक बक्सा
कूल्हों का वक्र (हिप कर्व)		महिलाओं की पोशाकों की घुमावदार रेखाओं को खींचने के लिए। एक घुमावदार रूलर
ग्रेडिंग रूलर		इंचों और इंच के अंशों (या मिलीमीटर) से अंकित पारदर्शी प्लास्टिक का 2'' X 18'' का सीधा रूलर। सीधी रेखाओं को मापने और चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

फ्रेंच वक्र		महिलाओं के वस्त्रों में आस्तीन के छेदों (आर्महोल) और गले की घुमावदार रेखाओं को अंकित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक घुमावदार रूलर।
पैर का वक्र		पुरुषों के वस्त्र में घुमावदार रेखाओं को अंकित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक घुमावदार रूलर।
कैंची		8'' से 12'' के आकार में उपलब्ध एक काटने का उपकरण है, जिसमें दो तेज धार वाले सीधे ब्लेड होते हैं। पेपर के नमूने और कपड़े को काटने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
ट्रेसिंग व्हील		हत्थे के एक छोर पर लगाया हुआ छोटा दाँतेदार या सुई बिंदु पहिया युक्त एक उपकरण। नमूने के चिह्नों को कागज से मलमल पर स्थानांतरित करने के लिए प्रयुक्त।
लचीले रूलर		आस्तीन के छेद (आर्महोल) और गले की रेखाओं को मापने के लिए एक लचीला रूलर।
नॉचर		सीवन की केंद्र रेखाओं, आराम और डार्ट की सुविधा को संकेतित करने के लिए एक संकीर्ण यू आकार में काटता है।
मापने का फीता		धातु के छोर वाला संकीर्ण, मजबूती से बुने हुए कपड़े या प्लास्टिक का आमतौर पर 60'' (150 सेमी) लंबा इंच और सेंटीमीटर दोनों के साथ चिह्नित दोहरा फीता।
कटर		सीधी रेखाओं को काटने के लिए काटने का एक तेज उपकरण
बोर्ड की पिनें		ड्रम के आकार का 1/2'' लंबा पी'' बिंदुओं को घुमाने (पिवटिंग) और स्थानांतरित करता है, कपड़े के नमूने के टुकड़ों को मेज पर जकड़ कर रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है,

सेलो टेप		नमूने (पैटर्न) को पकड़ कर रखने और कागज की लंबाई और चौड़ाई बढ़ाने के लिए पारदर्शी टेप

3.2 नमूनों के अन्य सहायक (अदर पैटर्न **ऐड**)

आल **पन्स**: अच्छी, लंबी, जंग रहित पिनें। उनका ड्रेपिंग में मलमल के टुकड़ों को एक साथ संलग्न करने और फिटिंग की जाँच के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

चुंबकीय पिन धारक/पिन कुशनः पिन रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

मलमलः प्रक्षालित या प्रक्षालित धागे से बने एक सादी बुनाई का कपड़ा है, जिसकी वजन और बनावट में भिन्नता होती है। प्रयोग और डिजाइन अवधारणाओं को विकसित करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

12''/24'' स्केलः धातु या प्लास्टिक का 12''/24'' लंबा रुलर।

पेंसिलः मलमल, स्वरूप या स्लॉपर को विकसित करने में रेखाएं खींचने के लिए उपयोग किया जाता है।

एल–स्क्वायरः सम कोण पर जुड़े प्लास्टिक या धातु के अलग–अलग लंबाई आमतौर पर 12'' और 24'' के दो रुलरों वाला रूलर। सीधी और समानांतर रेखाएं बनाने और संदर्भ बिंदु को चिह्नित करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।

पोशाक के रूपः एक मनुष्य के रूप में एक मानकीकृत अनुकरण, कपास के गद्देयुक्त और कैनवास से ढका, एक घुमने वाला, हल्का समायोज्य स्टैंड और दबाने योग्य कंधे और स्लॉपर पर स्थापित किया जाता है। इसका उपयोग माप लेने, नमूनों के विकास, परिधान के नमूनों की फिटिंग, वस्त्रों में बदलाव करने और परिधान के लिए शैली रेखाओं की स्थापना करने के लिए किया जाता है।

पैटर्न कागजः विविध वजन और चौड़ाई में उपलब्ध मजबूत सफेद कागज है।

अखबारी कागजः रफ ड्राफ्ट के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

भूरे रंग का मोटा कागजः तैयार पैटर्न के लिए भूरे रंग का मजबूत कागज। पैटर्न का प्रारंभिक मसौदा तैयार करने और अंतिम पैटर्न के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

स्लॉपर/मास्टर/ब्लॉक/बुनियादी पैटर्न बनानाः निर्धारित आकार के पोशाक रूपों के लिए, स्टाइल रेखाओं, विशिष्ट माप के लिए बिना सीवन बढ़त, से विकसित किये गये एक पोशाक का नमूना। मूल शैलियों के विकास की सुविधा के लिए उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिससे विभिन्न चोलियों, स्कर्ट, कपड़े, पैंट, आस्तीन के डिजाइनों को विकसित किया जा सकता है।

चुंबकः पिनों और सुइयों को उठाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

पिन कुशनः विभिन्न आकृति और आकारों का एक छोटा सा मजबूत भरा हुआ तकिया। इसका पिन, सुइयों को रखने और आसानी से निकालने के लिए प्रयोग किया जाता है।

3.3 पारिभाषिक शब्द (शब्दावली)

ब्लॉक/स्लॉपरः स्लॉपर शब्द का उपयोग पैटर्न की किसी भी शैली के लिए पैटर्न बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टुकड़ों के एक बहुत ही बुनियादी सेट के लिए किया जाता है। यह बुनियादी चोली, स्कर्ट, बांह या इस तरह के किसी भी बुनियादी स्वरूप के लिए काटे गए कागज के लिए किया जाता है, जिससे सभी अन्य डिजाइन विकसित किए जाते हैं। ब्लॉक शब्द सामान्य रूप से एक विशिष्ट रूप या चित्रों के आयाम का प्रतिनिधित्व करता है। शरीर की आकृति पर फिट होने के लिए डार्ट्स होते हैं लेकिन कोई अन्य डिजाइन विशेषताएं नहीं होती हैं। यह एक बुनियाद है, जिसका एक डिजाइन का पैटर्न बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है और कोई सिलाई बढ़त नहीं होती है।

यह महत्वपूर्ण है कि सही ब्लॉक डिजाइन का चुनाव किया जाय **इसमें** अनुकूलन के दौरान समय की बचत होने के साथ ही ये अंतिम आकार को भी प्रभावित कर सकते हैं। तालिका में सूचीबद्ध मानक माप की बजाय अलग–अलग माप का उपयोग करके अलग–अलग आकारों में फिट करने के लिए बुनियादी ब्लॉक आकारों का मसौदा तैयार किया जा सकता है।

ब्लॉक में **निम्न ल खत** जानकारी होनी चाहिएः–

♦ ब्लॉक के नाम जैसे स्कर्ट का सामने का हिस्सा, चोली के पीछे का भाग आदि

♦ दाने (ग्रेन) **की** रेखा नमूने के प्रत्येक टुकड़े पर एक छोर से दूसरे छोर तक खींची गई जो यह **संकेत** करती है कि नमूने को कपड़े की लंबाई के दानों के लिहाज से किस तरह व्यवस्थित किया जाना चाहिए।

♦ आकार– उदाहरण –32,34,36 या एस,एम, एल

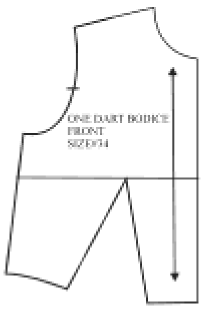

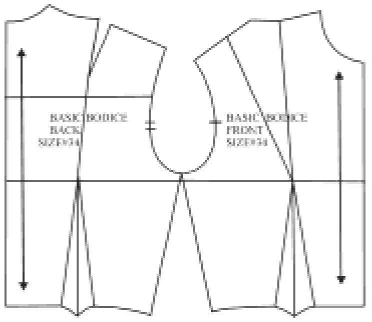

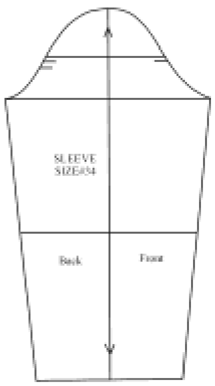

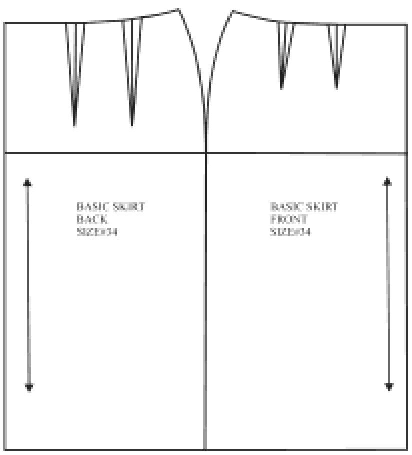

एक डार्ट चोली (बोडिस)

सामने का भाग

आकार #34
बुनियादी चोली (बोडिस)
पीछे का भाग
आकार #34
बुनियादी चोली (बोडिस)
पीछे का भाग
आकार #34
आस्तीन
आकार #34
पीछे
सामने
बुनियादी स्कर्ट पीछे आकार #:34
बुनियादी स्कर्ट सामने आकार #:34

नमूना (पैटर्न): नमूने को ब्लॉक से विकसित किया जाता है जिसमें काटने और सीवन की जगह सहित परिधान तैयार करने के लिए आवश्यक सभी जानकारी शामिल होती है।

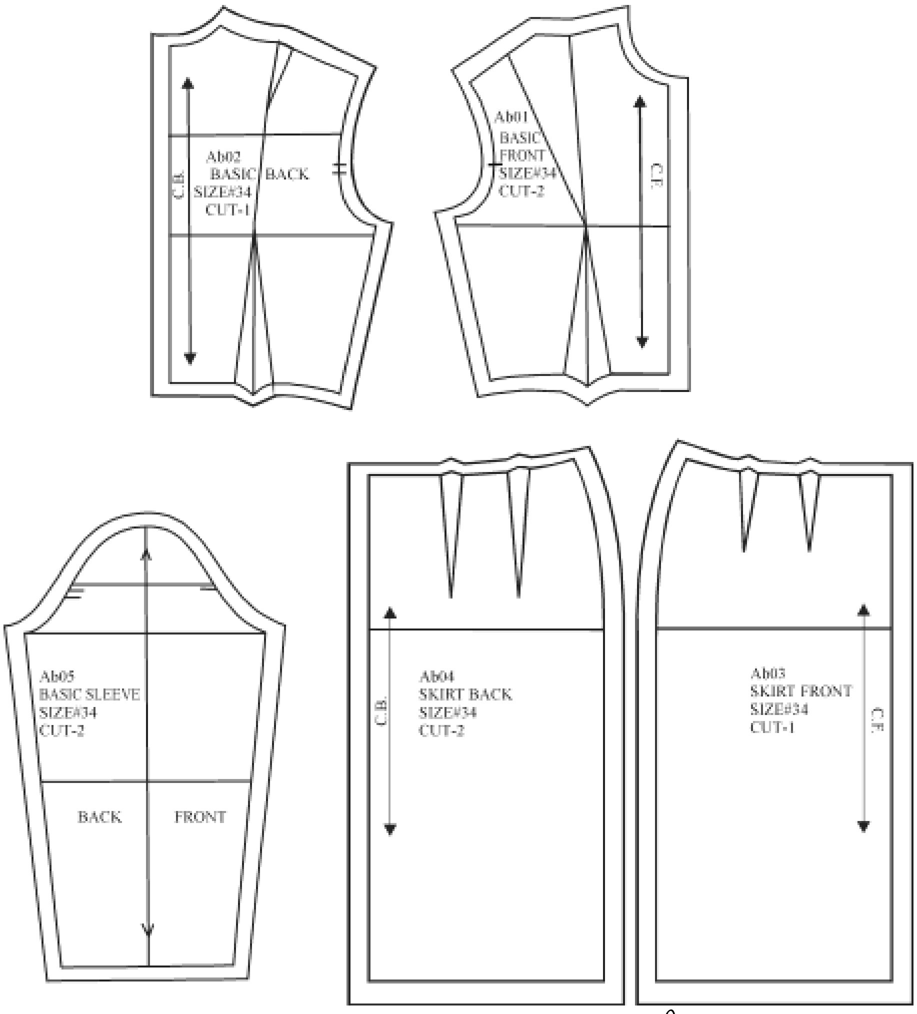

एबी 02
बुनियादी
पीछे का भाग
आकार #34
कट–1

एबी 01
बुनियादी
सामने का भाग
आकार #34
कट–1

एबी 05
बुनियादी आस्तीन
आकार #34
कट–2
पीछे का भाग– सामने का भाग

एबी 04
स्कर्ट का पीछे का भाग
आकार #34
कट–2

एबी 04
स्कर्ट का सामने का भाग
आकार #34
कट–2

एक नमूने (पैटर्न) में शामिल की जाने वाली चीजें हैंः –

♦ दानों की रेखा (ग्रेन लाइन)

♦ सामने का केंद्र या पीछे का केंद्र

♦ नमूने के सेट का स्टाइल नंबर या कोड संख्या विकसित की जा सकती है, जैसे एबी 01, यहां एबी परिधान के प्रकार की पहचान कराता है और 01 पूरा सेट के टुकड़े की संख्या बताता है। अगर एक परिधान में नमूने के 5 टुकड़े हैं, तो टुकड़ों को एबी 01, एबी 02, एबी 03, एबी 04 और एबी 05 के रूप में संख्याएं दी जाएंगी।

♦ नमूने का टुकड़ा जैसे स्कर्ट के सामने का भाग, स्कर्ट के पीछे का भाग, पक्ष सामना आदि

♦ आकारः जैसे कि 32, 34, 36 या एस, एम, एल आदि

♦ काटने से संबंधित जानकारी – स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि कितने टुकड़े काटने होंगे उदाहरण– काट 1, काट 2, मोड़ पर कटाव।

♦काटने का निशान (नॉचेज) – वे निशान जो परिधान को वर्गों को इकट्ठा करने में मदद करते हैं।

♦दिशात्मक कपड़े – ऐसे कपड़े जिनमें एक तरफ फूलों के छापे, धारियां, लोई, मखमल, फर आदि के साथ डिजाइन किया गया है। नमूनों पर ''एक तरफ से काटें'' या (?) जैसा एक प्रतीक अंकित किया जाता है।

♦तारीख – एक संदर्भ बिंदु के रूप में संकेतित ।

♦सीवन की व्यवस्था।

सीवन की व्यवस्थाः स्थान और अंतिम उद्देश्य के आधार पर प्रत्येक सीवन रेखा के लिए आवश्यक सीवन बढ़त का परिमाण भिन्न हो सकता है। आम तौर पर उद्योग में प्रयुक्त सीवन बढ़त इस प्रकार हैं–

1/4''– गहरे (तीखे) कटावों के लिए

½"– गले, बाँह के छेद (आर्म होल), कमर, स्टाइल रेखा, आदि जैसे चिकने वक्रों के लिए

1''– बगल की सिलाई, मध्य रेखा, कंधे, जेबों, आदि की सीधी सिलाई रेखा के लिए

2''– पोशाकों, स्कर्ट, आदि में किनारी की रेखा के लिए

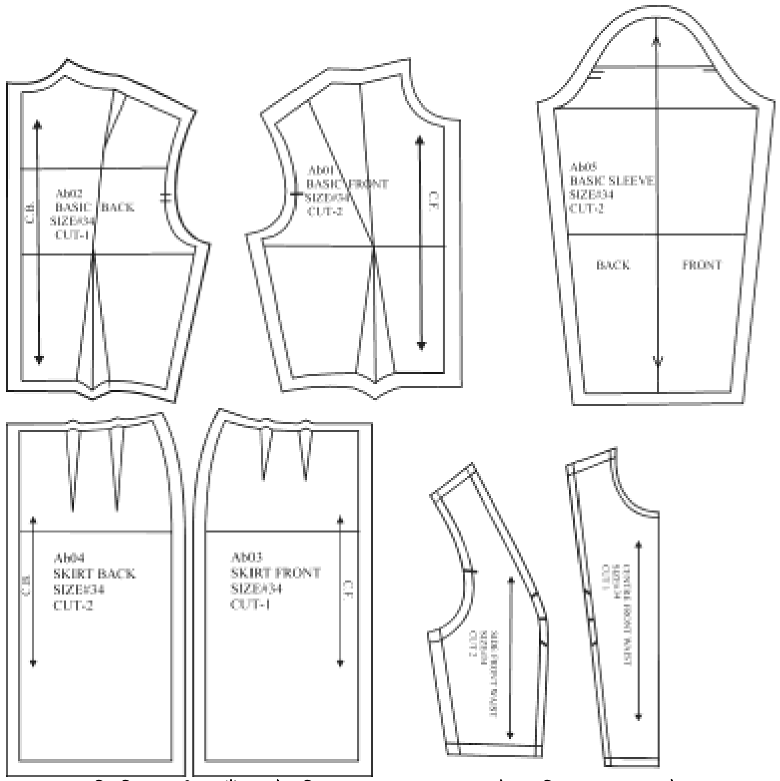

मलमलः फिटिंग की जाँच के लिए मलमल का प्रयोग किया जाता है। यह मूल रूप से सादी बुनाई का एक अप्रक्षालित सूती कपड़ा है। यह हल्के, मध्यम और भारी वजन में उपलब्ध है। मध्यम गुणवत्ता के मलमल का फिटिंग की जाँच और ड्रेपिंग के लिए प्रयोग किया जाता है।

दानों की रेखा (ग्रेन लाइन): दानों की रेखा प्रत्येक नमूने (पैटर्न) के टुकड़े के एक छोर से दूसरे छोर तक खींची गई रेखा है जो संकेतित करती है कि कपड़े की लंबाई के दानों के साथ नमूने (पैटर्न) को किस तरह से संरेखित किया जाना चाहिए। नमूने (पैटर्न) के टुकड़ों को कपड़े पर किनारे के समानांतर पैटर्न पर खींची गई रेखा की दिशा में रखा जाएगा।

संतुलन (शेष) संतुलन परिधान के लटकाव और अनुपात को दर्शाता है। फैशन एक निश्चित सीमा तक संतुलन का निर्धारण करता है, उदाहरण के लिए छोटी स्कर्ट पर लंबे टॉप पहनना उचित है। जहां तक समतल पैटर्न काटने का सवाल है, उसमें परिधान के फिटिंग की जाँच करने तक अक्सर सही संतुलन का पता करना मुश्किल होता है।

संतुलन चिह्नःनमूने (पैटर्न) के पूरक टुकड़ों के किनारों पर निशान बनाए जाते हैं, जिनसे संबंधित सीवन रेखा और क्षेत्र का संकेत मिलता है। निर्माण में वे सभी सीवनों पर एक उपयोगी मार्गदर्शन करते हैं। हालांकि, अगर किसी नमूने (पैटर्न) में अलग बढ़त या आकार के दो टुकड़ों को जोड़ना आवश्यक हो, तो यह बताने के लिए कि एक सीवन रेखा किस स्थान पर दूसरी से बड़ी या पुष्ट होगी संतुलन के निशान महत्वपूर्ण होते हैं। पैटर्न काटते समय कागज के किनारे पर पेंसिल के छोटे निशान बनाएं, अंतिम पैटर्न तक सभी चरणों के में उनकी नकल करते रहें। तैयार पेपर पैटर्न पर संतुलन के निशान जो त्रिकोण द्वारा संकेतित किए जाते हैं और नॉचेज रूप में जाने जाते हैं।

डार्टः पैटर्न पर चिह्नित पच्चर या त्रिकोणीय आकार है जो परिधान की फिटिंग को नियंत्रित करता है।

डार्ट लेग– त्रिकोणीय आकार के दो पक्षों में और एक ही लंबाई के होनी चाहिए।

डार्ट बिंदु– वह बिंदु है जिस पर डार्ट समाप्त होता है।

डार्ट इनटेक– डार्ट के पैरों के बीच दबाव का परिमाण।

शीर्ष–वक्ष का उच्चतम बिंदु।

डार्ट एक शरीर पर उभार/वृद्धि के उच्चतम बिंदु से विकीर्ण होते हैं, ये उभार आम तौर पर गोल होते हैं। अगर सामने की चोली पर डार्ट्स को शीर्ष तक सिला जाता है, वे शीर्ष पर एक बिंदु बनाएंगे और परिधान में तनाव आएगा। शरीर को गोल किया जाता है, नुकीला नहीं, इसलिए परिधान में तनाव या खिचाव से बचने के लिए, इस डार्ट्स को शीर्ष से दूर खत्म करने की जरूरत होती ळें

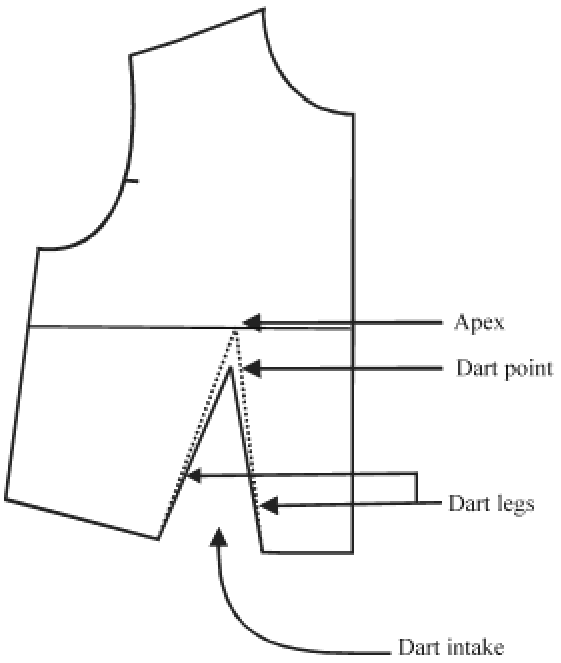

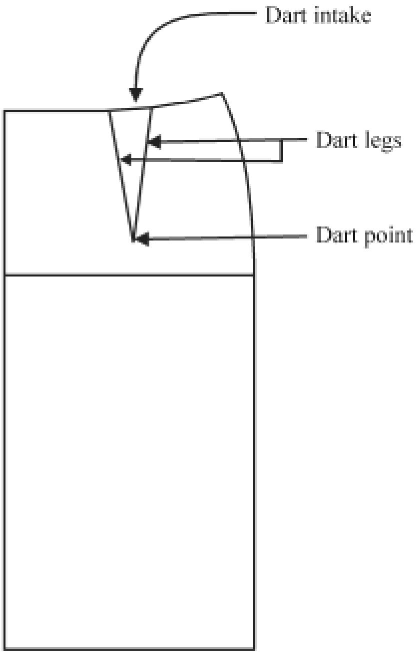

डार्ट इनटेक
डार्ट लेग
डार्ट बिंदु
शीर्ष
डार्ट बिंदु
डार्ट लेग
डार्ट इनटेक

एकल डार्ट नमूना (पैटर्न): आवश्यक पूरे दबावनियंत्रण के लिए एक एकल डार्ट का प्रयोग किया जाता है। डार्ट वक्ष बिंदु से 1/2'' दूर समाप्त होती है।

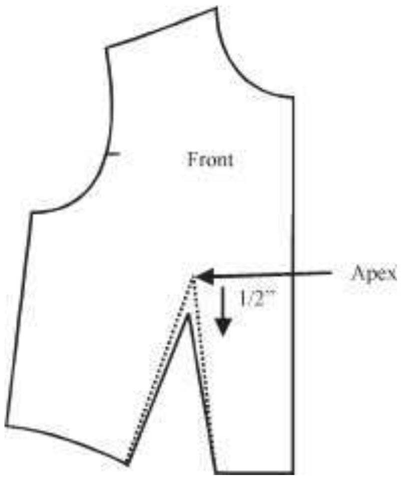

शीर्ष

दो डार्ट नमूना (पैटर्न): एक स्कर्ट या चोली में दो डार्टों सहित एक नमूना (पैटर्न)।

कमर की डार्ट वक्ष बिंदु से 3/4'' से 1'' दूर होती है।

अन्य डार्ट वक्ष बिंदु से 3/4'' से 11/2'' की दूरी पर होती हैं।

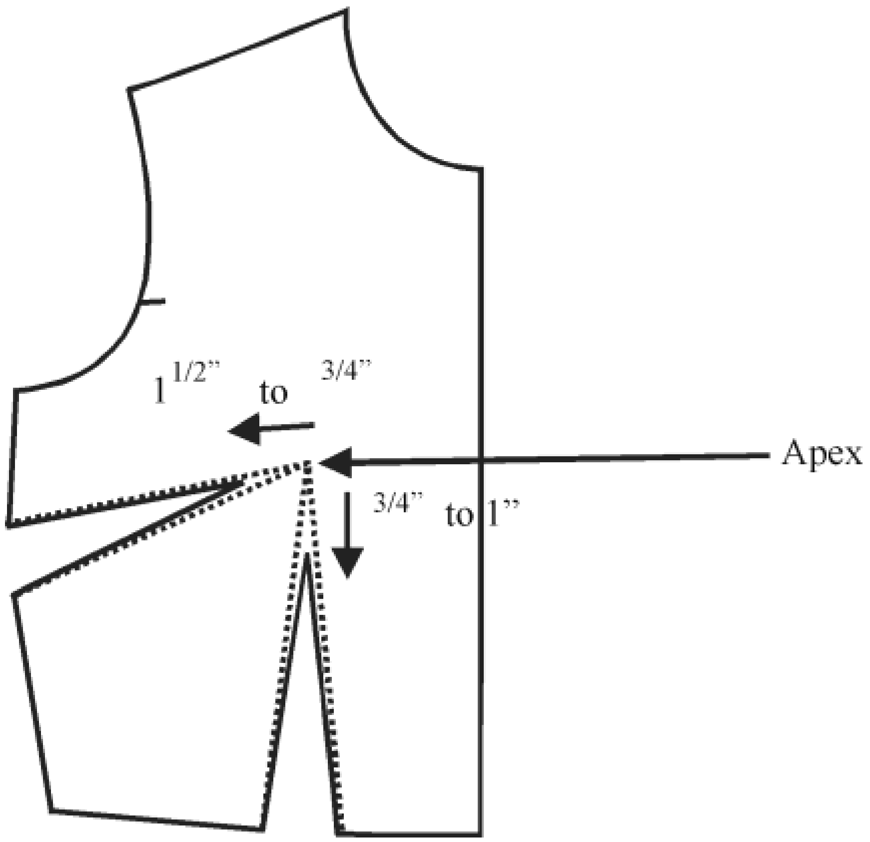

3.4 प्रतीक और संक्षेपण

सामने का केंद्र	सीएफ	
केंद्र से पीछे	सीबी	
दाने की (ग्रेन) रेखा		
नॉचेज		
बटन		
बटन का छेद	एफ	
समने	बी	
पीछे	डब्ल्यूएल	
कमर	एएच	
बगल का छेद जिसमें आस्तीन लगाई जाती है	एसएस	
बगल की सीवन	एनएल	
गले की रेखा	एसएच	
कंधा		
मोड़ पर ग्रेन लाइन		
चुन्नट (प्लीट) (मोड़ की दिशा दिखाता तीर)		
दुतरफा दाने की (ग्रेन) रेखा		
एक तरफ दाने की (ग्रेन) रेखा		

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया है:

1. नमूना (पैटर्न) बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले उपकरण और औजार

2. नमूना (पैटर्न) बनाने में प्रयुक्त शब्दावली

अभ्यास

1. पुस्तकालय जाएं और नमूना (पैटर्न) बनाने पर उपलब्ध पुस्तकों को देखें तथा नमूना (पैटर्न) बनाने के विभिन्न प्रकार के उपकरणों को देखें, जिन्हें आप पहचान सकते हैं। इंटरनेट पर भी उपकरणों की तलाश करें। अपनी स्क्रैपबुक में विभिन्न उपकरणों के उपयोग के बारे में जानकारी दें।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:–

क. नमूना (पैटर्न) बनाने में........ और .... खींचने के लिए एक ग्रेडिंग रूलर का प्रयोग किया जाता है।

ख. एक नमूने (पैटर्न) में .... सीवन अंकित करने के लिए .... वक्र का प्रयोग किया जाता है।
ग. एक नमूने (पैटर्न) पर एक सीवन लाइन अंकित करने के लिए .... का प्रयोग किया जाता है।
घ. नमूना (पैटर्न) .... कागज पर बनाया जाता है और .... पर उसकी फिट की जांच की जाती है।
ङ. .... पर (कटाव) चिह्न अंकित करने के लिए .... का इस्तेमाल किया जाता है।
च. डार्ट एक............ वेज है जो .... के समतल टुकड़े को............ देता है।
छ. कमर डार्ट वक्ष से .... इंच दूर और बगल की सीवन डार्ट .... दूर है।
ज. संतुलन, एक परिधान में .... तथा ३३३३ को दर्शाता है।
झ. एक नमूने (पैटर्न) .... के लिए मलमल का प्रयोग किया जाता है और इसे .... भी कहा जाता है।
ञ. नमूने (पैटर्न) को .... कपड़े के .... पर रखा जाता है।
ट. .... एक शब्द है जो .... शैली बनाने के लिए .... टुकड़ों को स्थापित करने में इस्तेमाल किया जाता है।

अध्याय 4: परिधान का विवरण

4.1 डार्ट्स, प्लीट्स, गेदर्स और टक्स के विभिन्न प्रकार

4.1.1 डार्ट

डार्ट नमूने (पैटर्न) का लचीला और रचनात्मक हिस्सा है। डार्ट के पैरों के बीच के स्थान का कई रचनात्मक तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है और इसका उपयोग केवल डिजाइनर की कल्पना द्वारा सीमित है। डार्ट्स को उस रेखा के अनुसार नामित किया जाता है, जिस पर वे आरंभ होते हैं।

परिधान में प्रयुक्त डार्ट्स के प्रकारः

♦ कंधे के डार्ट

♦ वक्ष डार्ट

♦ आस्तीन के छेद के डार्ट

♦ सामने के केंद्र के डार्ट

♦ स्कर्ट में कमर के डार्ट

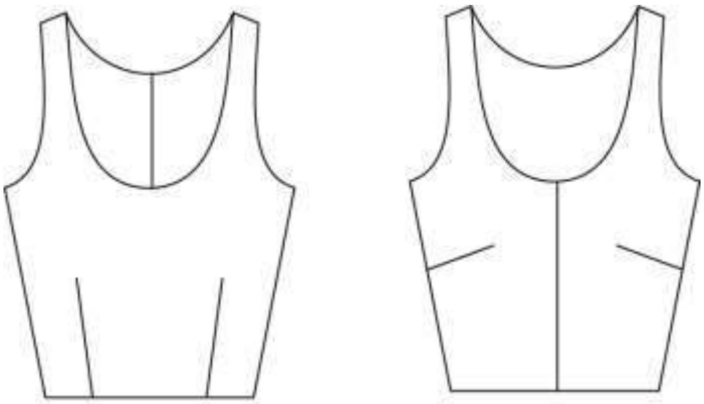

Types of Darts

डार्ट्स के प्रकार

4.1.2. प्लीट्स

एक प्लीट एक बिना सिला, मुड़ा हुआ डार्ट है, जिसे जोड़ने वाली सीवन रेखा के साथ सुरक्षित रूप से व्यवस्थित किया जाता है। यह कपड़े में बना एक मोड़ है जो पूर्णता को रिलीज करता है। प्लीटों का उपयोग उछाल के दायरे को बढ़ाने के लिए किया जाता है, या एक डिजाइन के रूप में इनका उपयोग किया जा सकता है। स्कर्ट, चोली, बांह, पोशाक, जैकेट आदि में विभिन्न प्रकार की प्लीटें बनाई जाती हैं। वे मुड़ी हुई और दबाई या बिना दबाई हुई, सिली या बिना सिली हुई हो सकती हैं। उन्हें समान या असमान अंतर के साथ एक साथ इकठ्ठा किया जा सकता है। प्लीट की गहराई एकल, दोहरी या तिहरी हो सकती है।

प्लीट्स के प्रकारः

♦ नाइफ प्लीटें: प्लीटों को एकत्रित और एक ही दिशा में बनाया जाता है।

♦ बॉक्स प्लीटः प्लीटों को परिधान के सामने के पक्ष पर एक दूसरे से दूर मोड़ा जाता है।

♦ उल्टी प्लीटें: प्लीटों को परिधान के सामने के पक्ष पर एक दूसरे से मिलाने के लिए जोड़ा जाता है।

♦ एकार्डियन प्लीटें: प्लीटों में एक एकार्डियन के मोड़ों (बेलोज) जैसी परतें होती हैं। प्लीटें एक दूसरी के करीब होती हैं और कमर के किनारी रेखा तक उनकी गहराई समान होती है।

♦ सनब्रस्ट प्लीटें: प्लीटें कमर से आरंभ होती हैं और बढ़ती हैं। आम तौर पर गोल स्कर्ट में इनका इस्तेमाल किया जाता है।

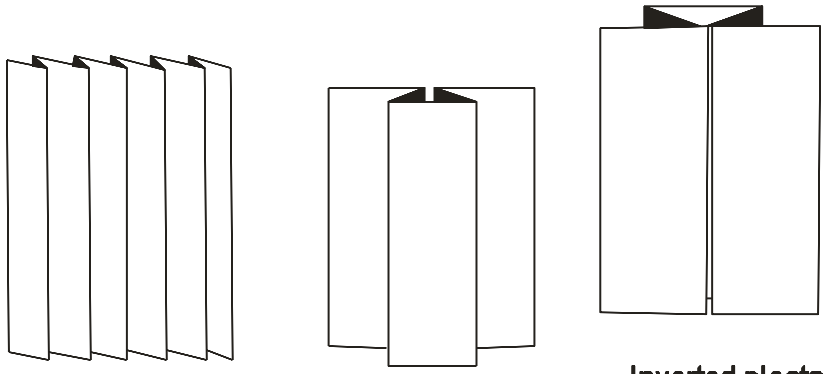

Side pleats **Box pleats** **Inverted pleats**

साइड प्लीट्स *बॉक्स* *प्लीट्स इनवर्टिड प्लीट्स*

4.1.3 गेदर्स (सिकुड़नें)

सिकुड़नें बुनियादी परिधान के रूप में बदलाव लाती हैं, लेकिन उसकी फिटिंग को प्रभावित नहीं करतीं।

चुन्नटों के प्रकारः

- कंधे पर चुन्नट
- सामने के हिस्से के बीच में चुन्नट
- कमर पर चुन्नट
- गले पर चुन्नट

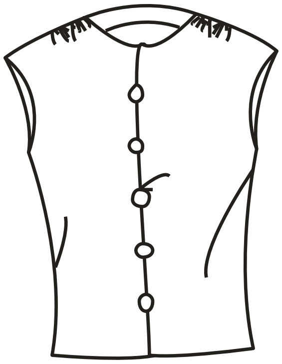

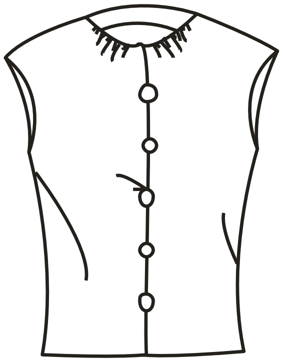

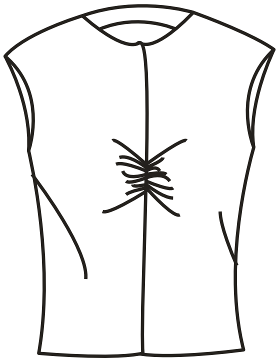

कंधे पर चुन्नट

गले पर चुन्नट

सामने के हिस्से के बीच में चुन्नट

4.1.4 टक्स

टक्सकपड़े की सीधी तरफ एक प्लीट जैसा दिखने वाला एक सिला हुआ मोड़ है। टक्स का डिजाइन विवरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और इन्हें किसी भी परिधान (टॉप, स्कर्ट, पोशाक, आस्तीन, पैंट आदि) में डाला जा सकता है। टक्स को किसी भी दिशा (लंब, क्षैतिज और विकर्ण) में रखा जा सकता है और ये किसी भी चौड़ाई के हो सकते हैं। प्रभाव में परिवर्तन के लिए उन्हें पास–पास या दूर रखा जा सकता है।

टक्स के प्रकारः

पिन टक्स

शेल टक्स

रिलीज टक्स

क्रॉस टक्स

स्पेस्ड टक्स

स्पेस टक्स

पिन टक्स

एकार्डियन प्लीट्स

सनबर्स्ट्स प्लीट्स

इनवर्चिड प्लीट्स

ब्लाइंड टक्स

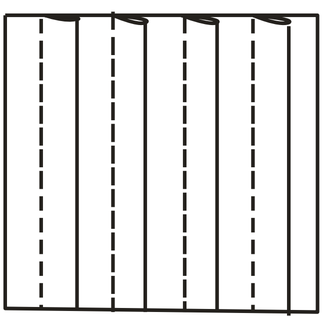

Spaced tucks

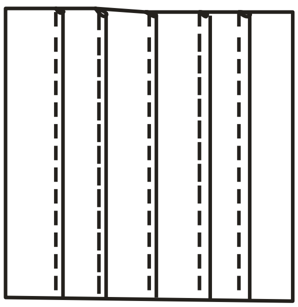

Pin tucks

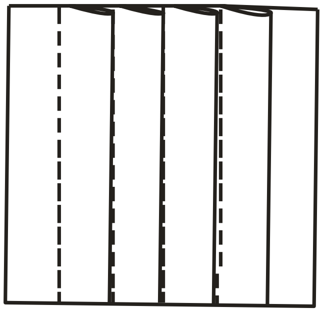

Blind tucks

4.2 कॉलर, गले और समापन किनारों के प्रकार

4.2.1 कॉलर

कॉलर परिधान के गर्दन को घेरने वाला हिस्सा होता है और चेहरे को फ्रेम कर, डिजाइन विविधताओं के लिए बहुत से अवसर प्रस्तुत करता है। कॉलर को गले के करीब या उनसे दूर विकसित किया जा सकता है। वे चौड़े, संकीर्ण, समतल या ऊँचे, और एक स्टैंड साथ या उसके बिना हो सकते हैं। कॉलर के किनारे को स्टाइल दी जा सकती है या यह एक मूल आकार (गोल, घुमावदार, स्कैलप्ड, वर्गाकार, नुकीला आदि) का अनुसरण कर सकता है। कॉलर परिवर्तनीय हो सकता है (बंद और खुले रूप में पहना जा सकता है ताकि खोलने पर यह सीने पर फ्लैट रहे) या अपरिवर्तनीय (परिधान के बटन बंद या खुले होने पर एक ही स्थान में रहे)।

कॉलर के प्रकारः

♦ पीटर पैन कॉलर

♦ सेलर कॉलर

♦ चीनी कॉलर

♦ कमीज का कॉलर

♦ चौकोर गर्दन के लिए कॉलर

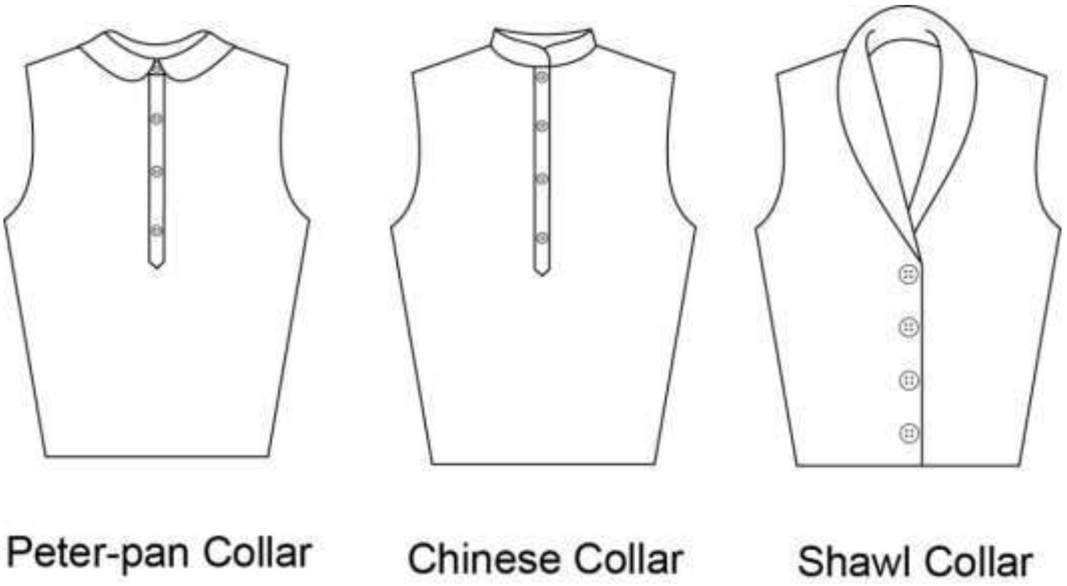

पीटर पैन कॉलर

चीनी कॉलर

शॉल कॉलर

4.2.2 फेसिंग (आवरण)

फेसिंग एक परिधान में एक दूसरे कपड़े के टुकड़े को सिल कर कपड़े की कच्ची बढ़त को छुपाने के लिए उसे मोड़ कर किनारे का परिष्करण है। जब कटाव की बढ़त बायस हो या वक्ष ऊपर खोखले क्षेत्रों **को** पार करती हो तब फेसिंग परिधान की फिटिंग को नियंत्रित करती है। फेसिंग की योजना पैटर्न की के हिस्से के रूप में बनाई जाती है। उन्हें पैटर्न से पहले या डिजाइन विकसित करने के बाद पैटर्न में शामिल किया जाता है। उनमें चौड़ाई और आकार में भिन्नता होती है, लेकिन आम तौर पर गले और बाँह के छेद (आर्म होल) से लगभग 11/2 से 2 इंच पर होती हैं।

फेसिंग के प्रकारः

♦ अलग फेसिंगः बाँह के छेद (आर्म होल) और गर्दन के लिए अलग फेसिंग।

♦ वी नेक फेसिंग

♦ वर्गाकार गले की फेसिंग

♦ स्कूप (चम्मच के आकार) गले की फेसिंग

♦ संयोजन युक्त फेसिंग बाँह के छेद (आर्म होल) और गले की एकीकृत (आल–इन–वन) फेसिंग

4.3 प्लेकेट्स

प्लेकेट्स चोली, आस्तीन, स्कर्ट, कपड़े, जैकेट, पैंट आदि सभी प्रकार के वस्त्रों के परिष्कृत स्लिट या सामने के खुले भाग होते हैं। प्लेकेट गोल, नुकीले, स्टाइल या कुंद छोर के साथ किसी भी लम्बाई और चौड़ाई का हो सकता है।

कुछ प्लेकेट्स में बटन और बटन के छेद होते हैं, कुछ में नहीं भी हो सकते हैं। अलग–अलग प्रभाव पैदा करने के लिए माप में भिन्नता हो सकती है।

प्लेकेट्स के प्रकारः

♦ नियमित शर्ट प्लेकेट

♦ आधा नुकीला प्लेकेट

♦ प्लेकेट के साथ कटाव

♦ विंग कॉलर प्लेकेट

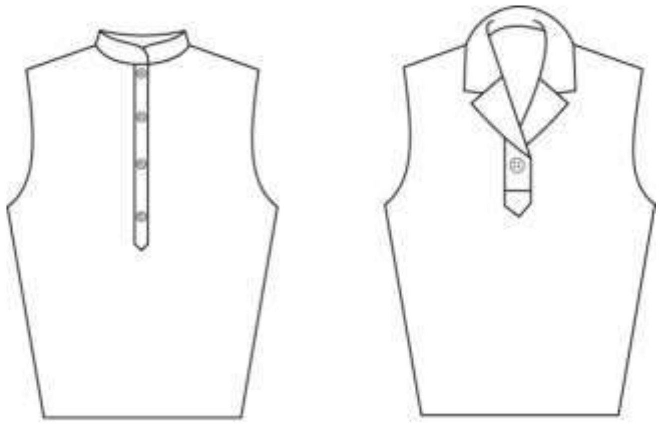

Pointed Plackets

नुकीले प्लेकेट्स

4.4 आस्तीनें

एक परिधान के रूप को बदलने के लिए आस्तीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। समय के साथ आस्तीनों का स्वरूप बदलते और विकसित होते रहते हैं। आस्तीनों के दो प्रमुख वर्गीकरण हैं:

लगाई गई आस्तीनें–जिसमें आस्तीन को अलग से काटा जाता है और चोली के बाँच के छेद (आर्म होल) डालकर सिला जाता है।

रेगलान आस्तीन –जहां आस्तीन पूरी चोली का हिस्सा होती है।

आस्तीनों के प्रकारः

टोपी (कैप) आस्तीन – यह हाथ से कुछ ही दूरी की होती है और इन्हें कई आकारों में बनाया जा सकता है। इन्हें आमतौर पर एक चोली, पोशाक या ब्लाउज के लिए बनाया जाता है।

पफ आस्तीन –आस्तीन की चौड़ाई में परिपूर्णता जोड़कर पफ आस्तीनों को विकसित किया जाता है। पफ आस्तीन किसी भी वांछित लम्बाई की हो सकती है।

बेल आस्तीन –बेल आस्तीन में एक चिकनी टोपी और एक घंटी के आकार में बाहर की ओर झूलती एक अनिश्चत समापन रेखा होती है। बेल किसी भी लम्बाई और वांछित रूप में विकसित किया जा सकता है।

लेग– ऑफ –मटन आस्तीन –यह आस्तीन डोलों (बाइसेप्स) और टोपी के क्षेत्र के विस्तार और परिपूर्णता को कोहनी स्तर की दिशा में लंबा और पतला करने के द्वारा विकसित की जाती है।

रेगलान आस्तीन –रेगलान आस्तीन नमूने (पैटर्न) को आस्तीन के मसौदे को पूरा करने के लिए गर्दन रेखा और बाँह के छेद (आर्म होल) के हिस्से सहित विकसित किया जाता है। चोली, पोशाक, ब्लाउज, जैकेट, कोट आदि के लिए रेगलान आस्तीन तैयार की जा सकती ळें

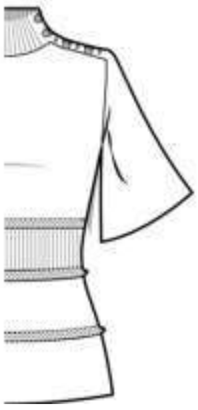
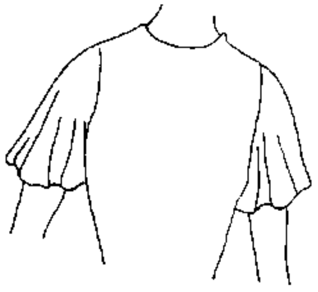
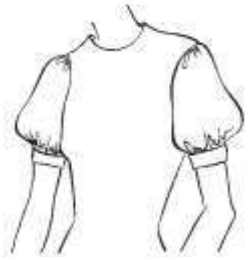

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया है:

1. स्वरूप (पैटर्न) का विवरण, सिलाई रेखाओं की पहचान और सिलाई की बढ़त का अंकन

2. गेदर्स, डार्ट्स, प्लीट्स, टक्स, जेब, प्लेकेट्स, कॉलर, गले और गले के परिष्करण जैसे परिधान के विवरण।

अभ्यास

1. जितने संभव हो उतने परिधान विवरण की तस्वीरें एकत्रित कर उन्हें नामित (लेबल) करें। परिधान में परिपूर्णता जोड़ने वाली और उनमे तीसरा आयाम जोड़ने वाली तस्वीरों को अलग करें।
2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें
क. .... आस्तीन ....से अलग रहती है और कई प्रकार से बनाई जा सकती है।
ख. .... आस्तीन में ....भाग और बाँह के छेद (आर्म होल) शामिल होते हैं।
ग. आस्तीनों के .... प्रकार हैं, ... आस्तीन और .... आस्तीन।
घ. एक ....परिधान का एक भाग होता है.......जो गले और .... को आकार देता है।
ङ. तीन बुनियादी कॉलर हैं ...., ... एवं .... कॉलर।
च. फेसिंग .... का प्रकार है और आमतौर पर फेसिंग की चौड़ाई .... इंच होती है।
छ. प्लेकेट्स परिधानों के परिष्कृत .... या .... खुले भाग हैं।
ज. प्लेकेट्स किसी भी .... और .... के हो सकते हैं, विभिन्न प्रभाव उत्पन्न करने के लिए माप को .... जा सकता है।
झ. एक टक .... मोड़ होता है जो .... जैसा होता है और .... के विवरण के रूप में प्रयोग किया जा सकता है तथा किसी भी परिधान का .... हो सकता है।
ञ. सिकुड़न बुनियादी परिधान के .... को परिवर्तित कर सकती है, लेकिन उसके ....को प्रभावित .... सकती है।
ट. .... प्लीटें .... से फैलती और कमर से .... हैं।
ठ. .... प्लीटें केवल एक ही दिशा में................हैं

ड. एक प्लीट एक ...., ...डार्ट है जिसे सीवन की रेखा से सुरक्षित रूप से नियोजित किया जाता है, यह कपड़े में एक...... .. होती है जो ....को मुक्त करती है।

अध्याय – 5: भारतीय परिधानों के स्वरूप (पैटर्न) का निर्माण

5.1 भारतीय परिधान

पारंपरिक रूप से भारतीय महिलाएं साड़ी, सलवार कमीज, कलीदार कुर्ता कुर्ता सूट या लहंगा चोली पहनती हैं। यहां तक कि बड़े महानगरों में भी, अधिकांश महिलाएं त्योहारों और शादियों जैसे विशेष अवसरों के लिए पारंपरिक भारतीय परिधान पसंद करती हैं। हालांकि, सभी शहरों में महिलाओं की पर्याप्त संख्या काम पर जाने और दैनिक उपयोग दोनों के लिए दैनिक आधार पर इन्हें पहनती हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की महिलाएं सभी प्रयोजनों के लिए इन्हें पहनती हैं। महिलाओं की पोशाकों की डिजाइन बनाने वाले भारतीय डिजाइनरों के पास, हमेशा पोशाकों की एक श्रृंखला रहती है भले ही वे मुख्य रूप से पश्चिमी परिधानों, अधोवस्त्र और रिसॉर्ट पहनावों पर काम करते हों।

भारत में श्रम के बहुतायत के **कारण तथा** साड़ी से धोती तक लपेटे जाने वाले वस्त्रों की परंपरा के साथ जुड़े होने के कारण, पोशाकों का पैटर्न बनाने के कौशल में वैश्विक मानक के तरीके और गति के अनुसार विकास नहीं हुआ। भारतीय पैटर्न निर्माताओं को सीधे (ड्राफ्ट) मसौदा तैयार करने की कला में महारत हासिल है। परंपरागत रूप से साड़ी ब्लाउज, चोली ब्लाउज, कमीज, कलीदार कुर्ता, सलवार या चूड़ीदार पायजामा आदि भारतीय वस्त्र सीधे मसौदा तैयार करने की विधि द्वारा काटे जाते हैं।

मसौदा तैयार करने की प्रत्यक्ष विधि में नमूने (पैटर्न) अलग–अलग व्यक्तियों की माप के लिए काटे जाते हैं। ब्लॉक विधि में नमूनों (पैटर्न) को मानक माप तालिका का अनुसरण करते हुए, उदाहरण के लिए वक्ष के 34 या 36 इंच के आकार के लिए तैयार किया जाता है और फिर विभिन्न डिजाइनों को बनाने के लिए उन्हें अनुकूलित किया जाता है। जबकि, प्रत्यक्ष मसौदा तैयार करने की विधि में एक व्यक्ति की

माप ली जाती है और एक विशेष डिजाइन के एक पैटर्न के लिए व्यक्ति की माप के अनुसार ड्राफ्ट तैयार किया जाता है। अधिकतर, इसे विशेषज्ञ दर्जी द्वारा सीधे अंतिम कपड़े पर ही तैयार किया जाता है, भारत भर में दर्जी की दुकानों पर इसे देखा जा सकता है।

रितु बेरी द्वारा निर्मित परिधान

दोनों ही तरीकों के अपने–अपने फायदे और नुकसान हैं, ब्लॉक विधि पहनने के लिए (आरटीडब्ल्यू) तैयार वस्त्रों के बाजारों के लिए एक वरदान है, बड़े ब्रांडों की आरटीडब्ल्यू परिधान श्रृंखला केवल ब्लॉक विधि के माध्यम से ही संभव हो सकती है। वैश्विक फैशन उद्योग पैटर्न बनाने के लिए ब्लॉक पद्धति का अनुसरण करता है, क्योंकि ब्लॉक विधि के माध्यम से मानक आकार के लिए पैटर्न को काटना आसान है, समय की बचत होती है इस प्रकार दुबारा फिटिंग की जाँच करने की जरूरत नहीं है, इससे पैसे की बचत होती है और मानक ब्लॉक में नमूनों को जमा करना आसान है। सबसे जटिल नमूनों (पैटर्न) के लिए कई आकारों में ग्रेडिंग भी संभव है। हालांकि, परिधान की फिटिंग एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि मानक माप चार्ट एक देश की पूरी आबादी को पांच से सात आकारों में बांटता है, यह एक ज्ञात तथ्य है कि किन्ही दो मनुष्यों की दैहिक संरचना समान नहीं होती है । प्रत्यक्ष ड्राफ्टिंग विधि सुनिश्चित करती है कि परिधान व्यक्ति विशेष की माप के अनुरूप है और यह उचित फिटिंग यह सुनिश्चित करता है, जिससे सबसे जटिल डिजाइन के लिए भी फिटिंग की जाँच की आवश्यकता नहीं पड़ती है। व्यक्ति की आकृति रखते हुए परिधानों को तैयार किया जा सकता है और इस पद्धति में अलग–अलग स्टाइल में ब्यौरा बनाना संभव है। दोनों तरीके एक दूसरे के विपरीत हैं, एक के फायदे दूसरी विधि के दोष हैं।

सलवार, चूड़ीदार पायजामा और कलीदार कुर्ता के बारे में एक दिलचस्प तथ्य है कि दोनों लिंग के लिए कपड़े को काटने की विधि एक समान है, जिसमें व्यक्ति की माप के लिए आवश्यक परिवर्तन किए जाते हैं। आज भी ये तीनों वस्त्र, पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा पहने जाते हैं, हालांकि अब सलवार केवल कुछ समुदायों के पुरुष पहनते हैं।

5.2 साड़ी ब्लाउज के विभिन्न प्रकार

साड़ी के साथ पहने जाने वाले ऊपरी परिधान को साड़ी ब्लाउज कहा जाता है, इसकी अनूठी विशेषता है कि यह शरीर पर एक दूसरी त्वचा की तरह फिट बैठता है। जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से इसका इस्तेमाल किया जाता है, यह साड़ी के ही

रंग के एक बुनियादी रूप में हो सकता है। यह अलग रंग, विपरीत रंग का हो सकता है और यहां तक कि एक बयान बनाने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है।

5.2.1 ब्लाउज का विवरण

आम तौर पर साड़ी ब्लाउज के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कपड़ा 2X2 रुबिया है, इस कपड़े में कुछ खिंचाव निहित है। अगर ब्लाउज अस्तर के साथ रेशमी कपड़े पर या मोटे सूती कपड़े पर काटा जा रहा हो, तो वक्ष और कमर के स्तर पर पर्याप्त बढ़त जोड़ी जानी चाहिए। साड़ी ब्लाउज में विभिन्न प्रकार के गले बनाना संभव है। साड़ी ब्लाउज में खोलने का एक भाग होता है जो ब्लाउज के सामने या पीठ पर हो सकता है। महिलाओं के इस कपड़े में खोलने वाला हिस्से का दाहिना भाग बाएं भाग पर अतिव्याप्त (ओवरलैप) होता है। पहनावे का खुलने वाला बायां हिस्सा 3/4 इंच तक बड़ा होता है और दाहिना हिस्सा पूरी तरह से अंदर मुड़ा रहता है

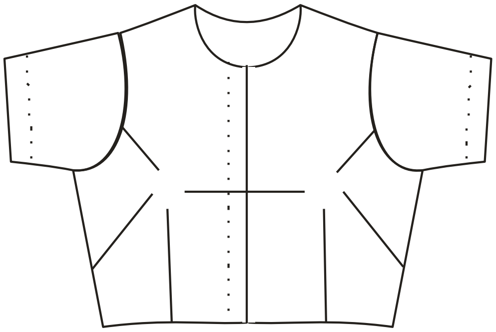

रितु बेरी द्वारा तैयार परिधान

5.3 गले रहित एवं इसके डज़ाइन

एक बार बुनियादी ब्लॉक का मसौदा तैयार कर लेने के बाद **व भन्न** प्रकार के गले बनाना संभव हैं।

किसी भी प्रकार का गला बनाने के लिए गर्दन के केंद्र बिंदु से सामने के केंद्र की तिरछे रूप से गर्दन की गहराई की माप लेना आवश्यक है। (गले की माप ए)

वर्गाकार, ग्लॉस गले, स्वीट हार्ट गले की लंबाई के लिए एक सीधी रेखा में और गले की चौड़ाई के लिए सामने के केंद्र से उस बिंदु तक मापा जाता है। (गले की माप बी)

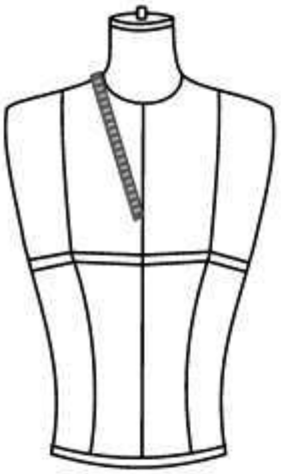

Neckline measurement A

गले की माप ए

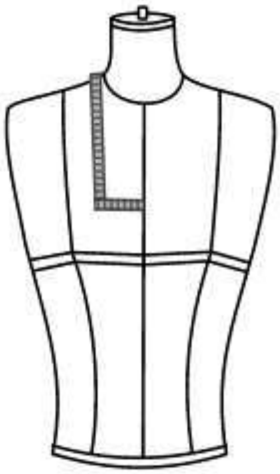

Neckline measurement B

गले की माप बी

5.3.1 गला बनाते समय ध्यान में रखे जाने वाले बिंदु

1. अगर एक गले को सामने से चौड़ा किया जाता है, तो पीछे भी ऐसा किया जाना जरूरी है।

2. एक ही समय में सामने और पीछे दोनों के लिए गहरा गला बनाने से बचने की कोशिश करें। अगर कोई गले के आगे और पीछे दोनों तरफ से गहरा रखने का फैसला करता है तो ऐसी स्थिति में सामने के केंद्र पर आसानी के लिए 1/2 इंच की बढ़त रखी जानी चाहिए।

3. जो माप तिरछे लिए जाते हैं उन्हें नमूने पर तिरछे रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए और सीधे ली जाने वाली माप को सीधे चिह्नित किया जाना चाहिए।

4. घुमावदार गले के लिए, सामने और पीछे के केंद्र पर दोनों तरफ और कंधे के स्तर पर हमेशा 1/4 इंच की बढ़त रखें।

5.4 गले के आकार की विभिन्न संभावनाएं

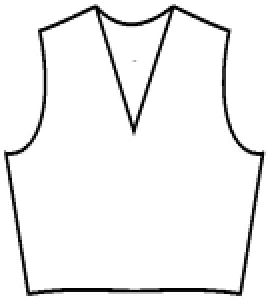
V-Neck

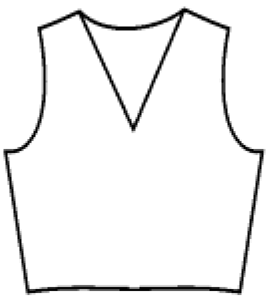
Broad V

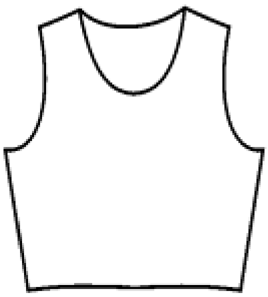
Round

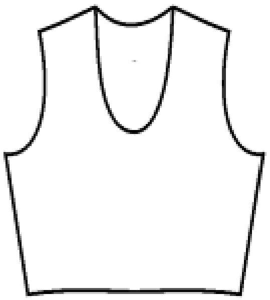
U

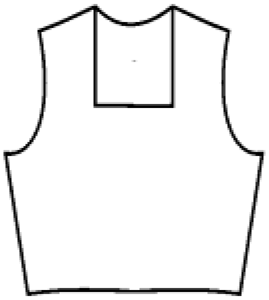
Square

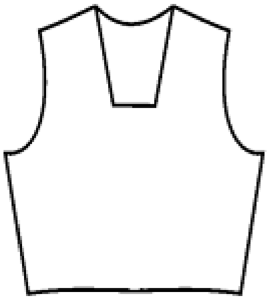
Glass

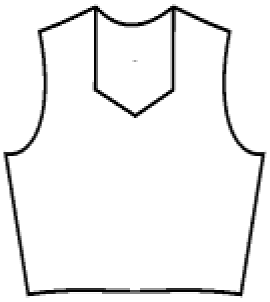
Sweet Heart

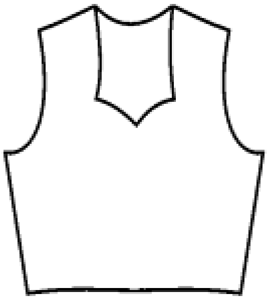
Sweet Heart Variatation

वी–गला

चौड़ा वी

गोल

यू

चौकोर

ग्लॉस

स्वीट हर्ट

स्वीट हर्ट की विभिन्नताएं

5.5 गले का परिष्करण

एक परिधान में गले की रेखा को एक कॉलर या फेसिंग अथवा पाइपिंग जैसे एक अलग परिष्करण के साथ समाप्त किया जा सकता है, गले को एक आकार में काटे जाने के कारण इसमें पर्याप्त खिंचाव होता है इसलिए इसे ठीक से सुरक्षित करने की जरूरत होती है। गले की रेखा पहनने वाले के चेहरे को भी एक आधार देती है इसलिए इसकी तरफ अत्यधिक ध्यान जाता है। झुकाव या आकार दोनों प्रकार से काटी गई फेसिंग दुनिया भर में सभी प्रकार के कपड़ों में प्रचलित हैं, हालांकि, पाइपिंग का आम तौर पर केवल भारतीय परिधानों विशेष रूप से साड़ी ब्लाउज में प्रयोग किया जाता है।

पाइपिंग कपड़े की एक झुकाव युक्त 1¼" (इंच चौड़ी पट्टी है और इसे खींचने के बाद गले की सिलाई की रेखा पर जोड़ा जाता है। पाइपिंग को तुरपाई या मशीन की सिलाई से पूरा किया जाता है। यह तैयार कपड़े के सामने की तरफ लगभग (से $^1/_8$" - $^1/_4$" इंच चौड़ी होती है। यह ब्लाउज और अन्य भारतीय कपड़ों के लिए परिष्करण का एक लोकप्रिय प्रकार है।

फेसिंग दो प्रकार की होती हैं –झुकाव युक्त फेसिंग और आकार फेसिंग।

झुकाव युक्त फेसिंग**:** पाइपिंग की तरह कपड़े की एक पट्टी है, लेकिन इसे बिना खींचे गले से जोड़ा जाता है। एक उलटी तरफ पूरी तरह से समाप्त हो जाती है।

आकार युक्त फेसिंगः आकार युक्त फेसिंग को गले के आकार के अनुसार काटा जाता है और सामने की तरफ जोड़ा जाता है तथा इसके बाद पूरी तरह से अंदर घुमा दिया जाता है। प्रत्येक डिजाइन के लिए फेसिंग की चौड़ाई में भिन्नता होती है लेकिन आम तौर पर 1½" चौड़ी होती है।

सारांश

अध्याय के इस भाग में निम्न विषयों को शामिल किया गया हैः

1. भारतीय परिधान का अवलोकन।

2. साड़ी ब्लाउज और सिलाई को पूरा करने की प्रक्रिया।

3. एक साड़ी ब्लाउज के आस्तीन का पैटर्न।

4. बिना आस्तीन के साड़ी ब्लाउज का पैटर्न

5. विभिन्न प्रकार के गले की डिजाइन और उनके लिए पैटर्न

6. फेसिंग और पाइपिंग के साथ गले का परिष्करण।

अभ्यास

1. विभिन्न पारंपरिक भारतीय परिधानों की तस्वीरें एकत्र करें और इस जानकारी को अपनी स्क्रैप बुक में बनाए रखें। क्या आप उस राज्य या क्षेत्र की पहचान कर सकते हैं जिससे यह मूल रूप से संबंधित हो सकती हैं?

2. आज के डिजाइनरों द्वारा डिजाइन किए गए विभिन्न भारतीय परिधान की तस्वीरें एकत्र करें और इन विभिन्न परिधानों और डिजाइनरों के नाम लिखें। क्या यह जानकारी आपके स्क्रैपबुक में है। आप इन डिजाइनों के लिए पैटर्न बना सकते हैं।

3. विभिन्न प्रकार के गलों की तस्वीरें एकत्र करें और इस जानकारी को अपने स्क्रैप बुक में बनाए रखें। इन गलों के पैटर्न बनाने की कोशिश करें।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

क. परंपरागत रूप से भारतीय महिलाएं ...., ..., ... सूट पहनती हैं।

ख भारतीय पैटर्न निर्माताओं ने ...... मसौदा तैयार करने की कला में ....की है।

ग. प्रत्यक्ष मसौदा तैयार करने में विधि में पैटर्न .... माप के लिए काटा जाता है जबकि ब्लॉक विधि में पैटर्न .... माप के लिए बनाए जाते हैं।

घ. भारत में पैटर्न दर्जी के द्वारा अंतिम .... पर........... किए जाते हैं।

ङ. प्रत्यक्ष मसौदा में परिधान एक व्यक्ति के...... को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा सकता है.... ...... व्यक्ति और परिधान में काफी .... संभव है।

च. .... चूड़ीदार पायजामा और .... के पैटर्न बनाने की विधि ...... लिंग के लिए एक जैसी है।

छ. ....बलाउज शरीर पर .... की तरह फिट बैठता है।

ज. बाँह के छेद (आर्म होल) का डार्ट शीर्ष से कम से कम .... होता है।

झ. साड़ी ब्लाउज के आस्तीन की .... ऊंचाई .... रखी जाती है ताकि आस्तीन में गतिविधि करने के लिए अधिकतम......... .. .. जगह उपलब्ध हो सके।

ञ. एक बिना आस्तीन के ब्लाउज में .... स्तर पर ..... जाओ।

ट. यह सुनिश्चित करने के लिए कि गला एक बिंदु पर समाप्त नहीं होता........ चोली के .... पर जाएं।

ठ. एक गले को सामने से गहरा करते समय गले को .... और..... पीठ पर .... नहीं है।

ड. एक .... गला एक फ्रांसीसी वक्र का उपयोग कर तैयार किया जाता है

ढ. ...... फेसिंग .... वांछित टुकड़े के पैटर्न को .... रखते हुए कट जाता है।

ण. किसी भी प्रकार का गला बनाने के लिए गर्दन के .... से सामने के केंद्र की तिरछे रूप से गर्दन की ....की माप लेना आवश्यक है।

5.6 चोली ब्लाउज

चोली ब्लाउज एक ऊपरी परिधान है जो शरीर पर दूसरी त्वचा की तरह फिट बैठता है और मूल परिधान को सहायता प्रदान करता है। परंपरागत रूप से महिलाएं चोली ब्लाउज के साथ कोई अधोवस्त्र नहीं पहनतीं और फिर भी उसे पहनने में आराम महसूस करती हैं। पारंपरिक पैटर्न में चोली या कप को झुकाव पर कट जाता है जिसे विभिन्न आकार के वक्षों पर फिट करने के लिए खिंचाव दिया जाता है और वक्ष को आराम देने के लिए सामने के केंद्र पर सिकुड़नें होती हैं। इसमें समर्थन देने के लिए वक्ष के नीचे एक पट्टी होती है जिसे लंबाई में दानों पर काटा (जो खिंचती नहीं है) जाता है।

एक चोली ब्लाउज के आधुनिक संस्करण में एक चोली टुकड़ा और एक कमरबंद होता है, लेकिन यह अपेक्षित सहायता प्रदान नहीं करता। इसलिए इसके नीचे पहनने वाले वस्त्र का उपयोग बंद नहीं किया जाता है। चोली ब्लाउज पारंपरिक साड़ी ब्लाउज की अपेक्षा अधिक फिट बैठता है। छोटे वक्ष वाली महिलाएं विपरीत पाइपिंग के साथ वक्ष की सीवन को उभारती हैं और कभी कभी कप के दो भागों को अलग– अलग कपड़ों से बनाया जाता हैं।

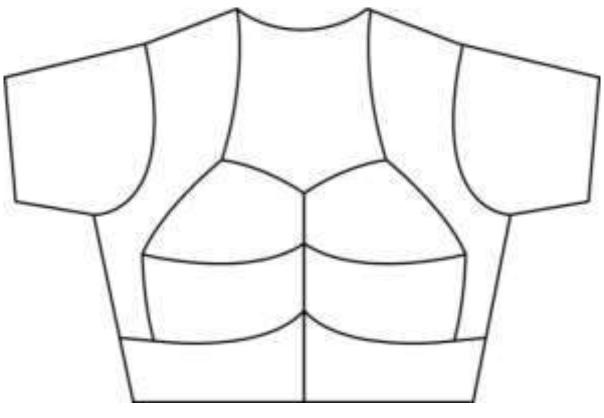

5.7 सलवार कमीज

सलवार कमीज सूट का परंपरागत रूप से उत्तर भारत और मुख्य रूप से पंजाब में इस्तेमाल किया जाता है, जो मुगल प्रभाव का परिणाम है। शुरू में सूट को भारत के कुछ दक्षिणी राज्यों में लोगों द्वारा पंजाबी के रूप में जाना जाता था और अब यह धार्मिक, राज्य और आय की सीमाओं के पार एक स्वीकृत अखिल भारतीय पोशाक बन गया है, इतना कि यह कई मूल्यों में असंख्य डिजाइनों और ब्रांडों के साथ पहनने के लिए तैयार रूप में आसानी से उपलब्ध है। प्रत्येक राज्य और क्षेत्र की अपनी विविधता और इस परिधान की अपनी शैली है।

5.7.1 सलवार

सलवार अर्थात् सेट के निचले हिस्से को उत्तर भारत में पुरुषों और महिलाओं, दोनों के द्वारा पहना जाता है, हालांकि, आधुनिक भारत में इसका उपयोग कुछ समुदायों के पुरुषों तक ही सीमित है। महिलाएं दैनिक आधार पर इसका उपयोग करती हैं, क्योंकि यह शरीर के निचले हिस्से के लिए सबसे अधिक आरामदायक वस्त्रों में से एक है, जिसमें शारीरिक काम, बैठने या फर्श पर बैठना और यहां तक सोने में भी पर्याप्त आरामदायक है।

परिधान को अच्छा लटकाव और ड्रेप देने के लिए सलवार के निचले छोर को कड़ा किया जाता है। पारंपरिक सलवार में, पूर्ण कमर होती थी, जिसे कूल्हे के माप के डेढ़ गुना आकार में काटा जाता था और सामान्य आकार में भी काटा जा सकता था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक आकार अधिकांश महिलाओं को फिट आ सके और वजन के बढ़ने या घटने के कारण शरीर में होने वाले परिवर्तन को ढक सके। इसे एक डोरी से बांधा जाता है, इसमें कपड़े की एक बड़ी राशि से निपटने के लिए एक विशेषज्ञता की आवश्यकता थी और इसका आधुनिक संस्करण एक बेल्ट के रूप में आता है, जिसे एक व्यक्ति के कूल्हे की माप के अनुपात में काटा जा रहा है।

सलवार को बुनियादी ज्यामितीय आकृतियों से बनाया जाता है, जिसमें कपड़े की चौड़ाई का उपयोग किया जाता है जिससे कपड़े का अपव्यय न हो। इसके अलावा सलवार के डिजाइन में समझदारी से पैटर्न रखने और कपड़े की विविधताओं की विभिन्न चौड़ाई का उपयोग करना संभव है, जैसे कि पटियाला सलवार की डिजाइन में अधिक चौड़ाई के कपड़े का उपयोग होता है, साइड पैनल या कली 45 इंच की चौड़ाई वाले कपड़े पर काटी जाती है, एक पेशावरी सलवार पटियाला सलवार की दोहरी चौड़ाई के साथ काटी जाती है।

पारंपरिक विधि से एक सलवार के लिए 2.5 मीटर कपड़े की आवश्यकता होती है

सलवार

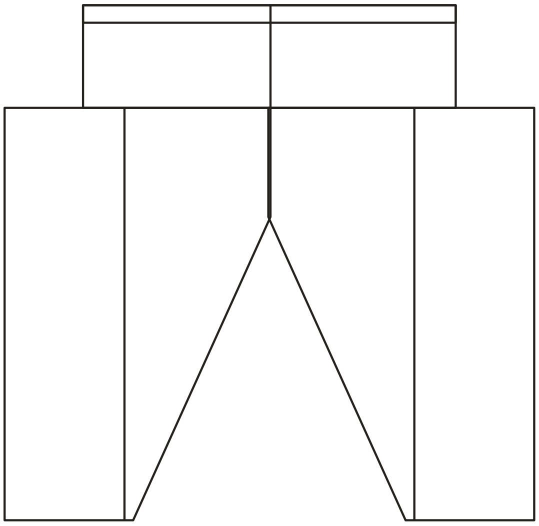

5.7.2 चूड़ीदार पायजामा

पारंपरिक रूप से चूड़ीदार पायजामा एक बहुत ही रोचक ढंग से काटा जाता है। कपड़े को मोड़ कर सिला जाता है और एक थैले का आकार बनाया जाता है जहां पूरा कपड़ा एक दाने पर झुका हो इस प्रकार चूड़ीदार बहुत अच्छी तरह से फिट हो सकता है और फिर भी पहनने वाले को हिलने–डुलने में आराम देता है। इस विधि में साढ़े पाँच फुट की औसत ऊंचाई, की एक वयस्क महिला के लिए, 36 इंच की सामान्य चौड़ाई के केवल 1.75 मीटर कपड़े की आवश्यकता होती है।

पायजामे के आधुनिक संस्करण को आधी लंबाई में कपड़े के दो तहों से काटा जाता है और फिर इसे तिरछा तह करके काटा जाता है।

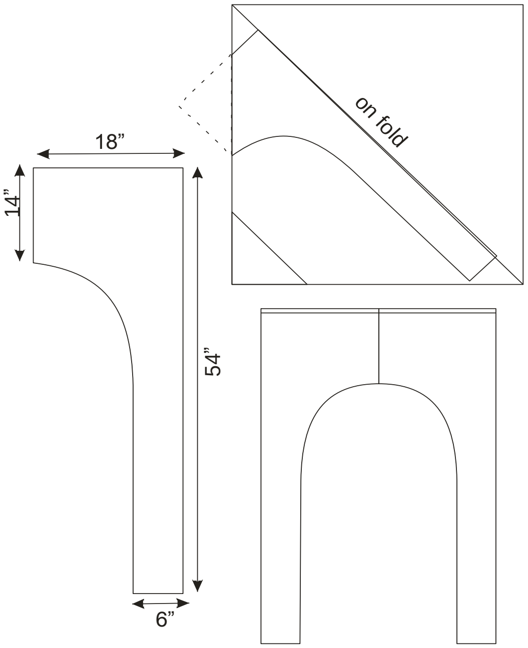

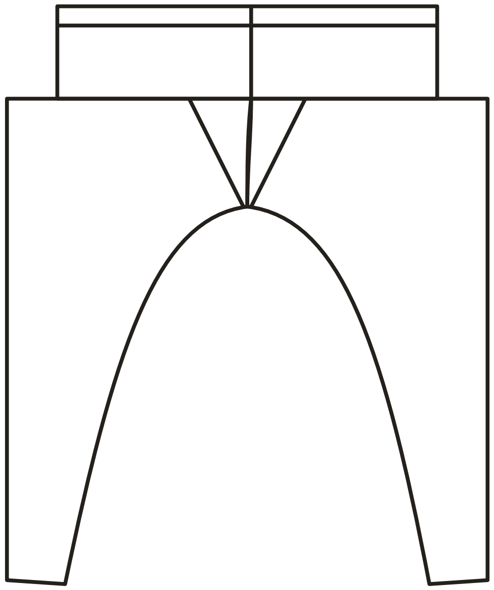

5.8 शरीर के ऊपरी हिस्से के वस्त्र

5.8.1 कमीज

सूट के ऊपरी आधे हिस्से को कमीज कहा जाता है, यह सलवार पर पहना जाने वाला एक लंबा टॉप है। पारंपरिक कमीज साड़ी ब्लाउज का एक लंबा संस्करण है। हालांकि, वैश्विक फैशन के रुझान और आधुनिक महिलाओं की जरूरतों के प्रभाव के साथ कमीज ने 21 वीं सदी में 60 के दशक में कम लंबाई के तंग फिटिंग से 90 के दशक के लंबे ढीले तम्बू से एक व्यक्तिपरक लंबाई तक कई रूप बदले हैं। यह वैश्विक रुझानों के अनुसार अपना रूप बदलती है, इस सदी की शुरुआत के बाद से पिछले कुछ वर्षों से यह विभिन्न अवतारों में नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय रैंप पर भी दिखाई दी है।

पारंपरिक रूप से सलवार के साथ पहने जाने वाली कमीज की प्रवृत्तियों में आधुनिक भारतीय महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव आया है, इसके आधुनिक संस्करणों को चूड़ीदार ढीली पतलून, पतलून, लेगिंग और जींस के साथ मिलाया गया है।

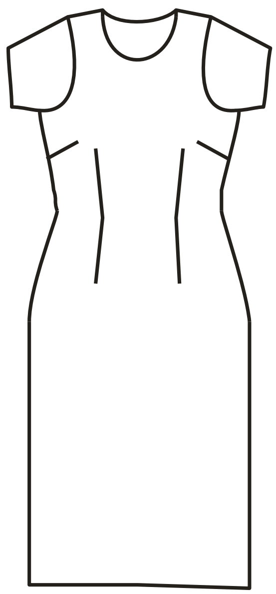

पारंपरिक कमीज

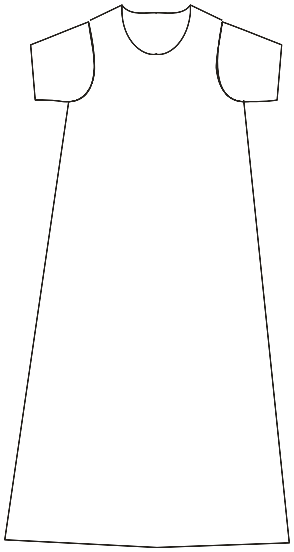

एक लाइन कमीज

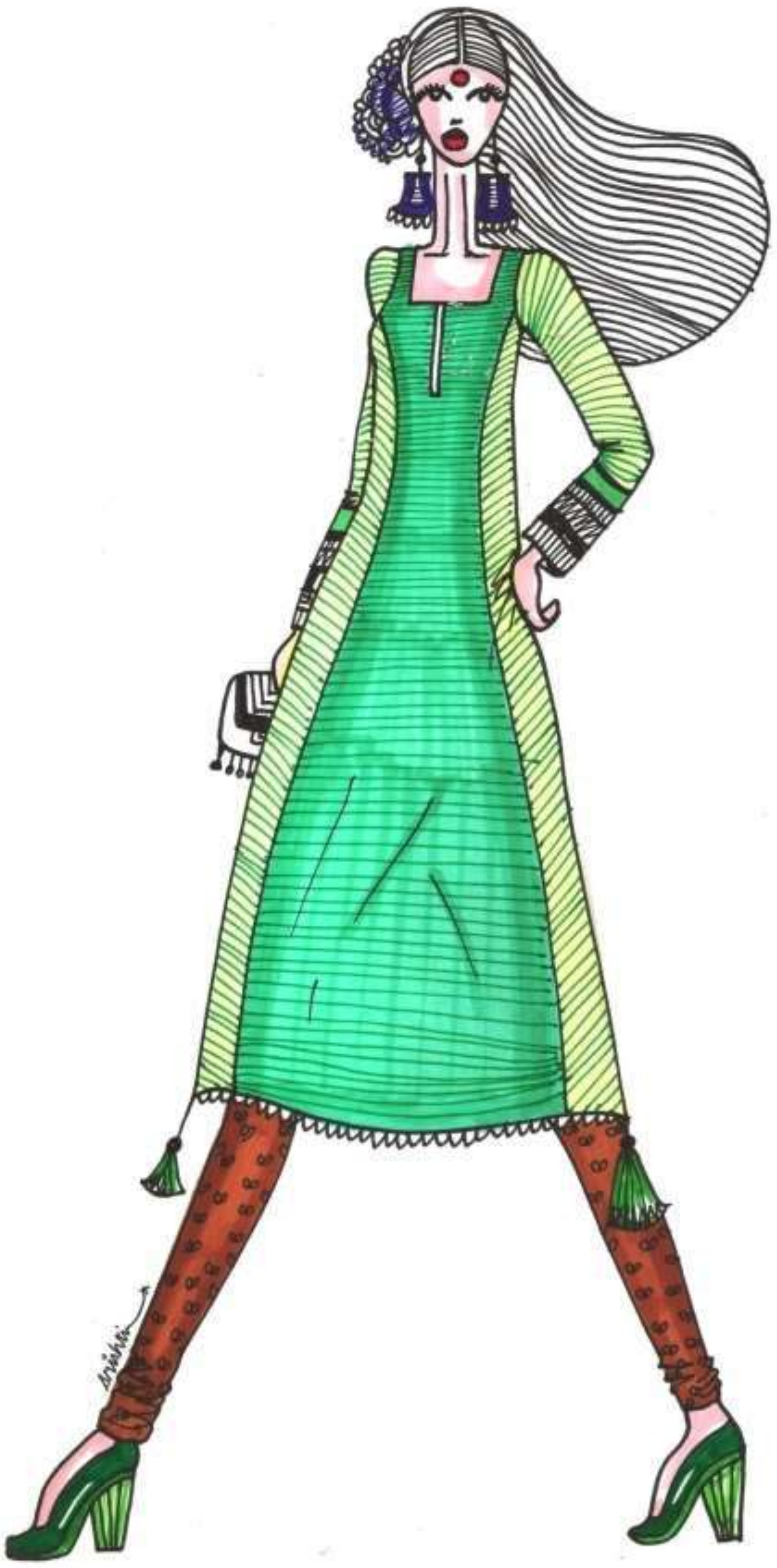

5.8.2 कलीदार कुर्ता

5.8.2 कलीदार कुर्ता

कलीदार कुर्ता एक आरामदायक परिधान और एक दिलचस्प पैटर्न है। पैटर्न ज्यामितीय आकृतियों से बना है। केवल छाती/वक्ष, कुर्ते की लंबाई और आस्तीन **की** लंबाई का मापन आवश्यक है। पारंपरिक कुर्ते को मोड़ पर केंद्र पैनल के साथ काटा गया है। कुर्ते की कलियों या साइड पैनलों को सलवार के साइड पैनलों के समान तरीके से काटा जाता है। आस्तीनों में एक सीधा बाँह का छेद (आर्म होल) होता है और गतिविधियों में आसानी के लिए पारंपरिक रूप से आस्तीन और कली के बीच एक वर्ग जुड़ा होता है।

कलीदार कुर्ता के डिजाइनों में भोपाली कुर्ता, जामा, अंगरखा आदि शामिल हैं, जो इन दिनों अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं और उन सभी को कलीदार **कुर्ते** के बुनियादी सिद्धांत पर काटा जाता है। अगर पैटर्न को काटने वाला कलीदार नमूने की बारीकियों को समझता है तो उनके बदलावों को काटना आसान होगा।

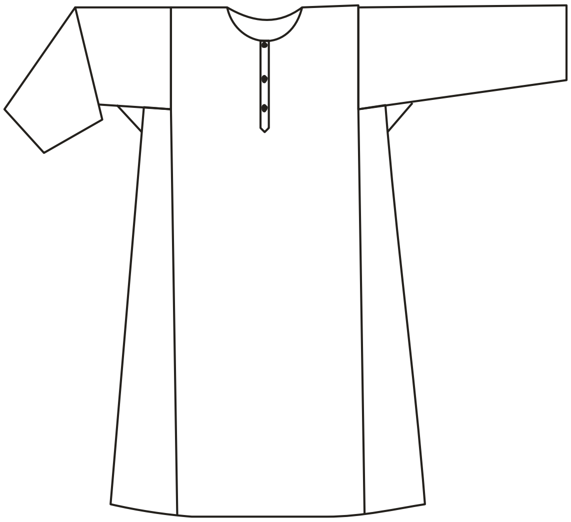

Kalidar Kurta

कलीदार कुर्ता

दो कली कुर्ता

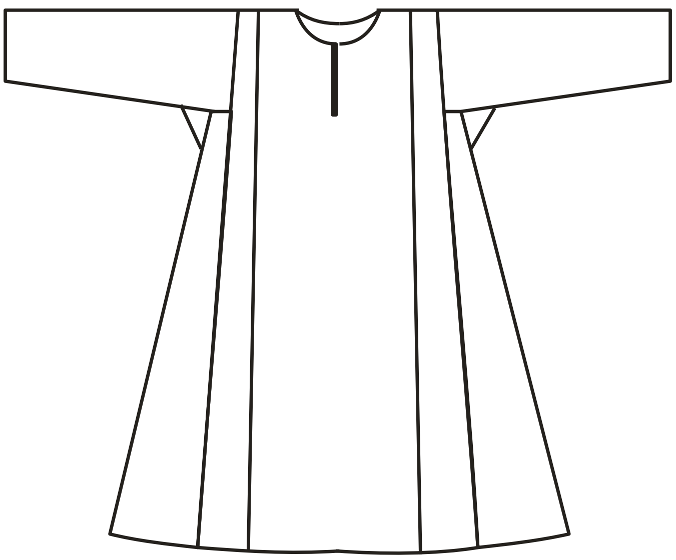

रितु बेरी द्वारा कलीदार कुर्ते का रूपांतर

दो क ल कुर्ता

दो कली कुर्ता कलीदार कुर्ते की एक अन्य लोकप्रिय भिन्नता है, जिसमें एक कली या पैनल कंधे से शुरू होता है

रितु बेरी द्वारा कलीदार कुर्ते का रूपांतर

कुर्ते में कमर के स्तर से शुरू होने वाली कई कलियाँ हैं।

कुर्ते के विभिन्न प्रकार

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया है:

1. महिलाओं के पहनने के पारंपरिक भारतीय परिधान।
2. विभिन्न प्रकार के साड़ी ब्लाउज।
3. भारतीय वस्त्र सलवार और चूड़ीदार पायजामा के अलग प्रकारों का विभाजन।
4. शरीर के ऊपरी वस्त्र कमीज और कुर्ते के विभिन्न प्रकार।

अभ्यास

1. विभिन्न पारंपरिक भारतीय परिधानों की तस्वीरें एकत्र करें और अपने स्क्रैप बुक में इस जानकारी को बनाए रखें। क्या आप उस अवधि की पहचान कर सकते हैं जिससे वे संबंधित हैं।

2. आज के डिजाइनरों द्वारा डिजाइन किए गए विभिन्न भारतीय परिधान की तस्वीरें एकत्र करें और इन पोशाकों और डिजाइनरों को नामित करें। क्या यह जानकारी आपके स्क्रैपबुक में है। क्या आप इन डिजाइनों के लिए पैटर्न बना सकते हैं।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

क .... ब्लाउज एक .... पोशाक को समर्थन प्रदान करता है और एक साड़ी ब्लाउज की अपेक्षा ....फिट होता है।
ख. पारंपरिक पैटर्न में चोली या .... पर काटी .... वक्ष के आकार पर ... .. की जाती है।
ग.सलवार निचले .... का वस्त्र है, यह .... और ...... दोनों द्वारा पहना जाता है, तथापि, आधुनिक भारत में इसका उपयोग कुछ समुदायों के ...... तक सीमित है।
घ.सलवार कमीज सूट का पारंपरिक रूप से .... भारत, मुख्य रूप से पंजाब में प्रयोग किया जाता है, जो............ प्रभाव का परिणाम है।
ङ.परिधान को .... और बढ़िया......... में सक्षम करने के लिए .... सलवार के .... को कड़ा किया जाता है। ।
च............बुनियादी .... आकारों से बना एक परिधान है जिसमें ...... कपड़े ..... का उपयोग नहीं किया जाता है।
छ.पारंपरिक कमीज ...... का एक लंबा संस्करण है। ।
ज.कुर्ता पैटर्न .... आकार से बना है, केवल ... कुर्ता और ....लंबाई ...... का माप लेने की आवश्यकता होती है।
झ.पारंपरिक कुर्ते को मोड़ पर...... पैनल के साथ काटा गया है। कुर्ते की कलियों या साइड पैनलों को .... के समान तरीके से काटा जाता है।
ञ.कलीदार कुर्ता के डिजाइनों में ......, ..., ...आदि शामिल हैं, जो इन दिनों अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं।
ट.कुर्ते को .... एक वर्ग माप .... के साथ .... एक इंच जोड़ कर काटा जाता है।
ठ.पारंपरिक रूप से ...... एक बहुत ही रोचक ढंग से काटा जाता है, कपड़े को .... सिला जाता है और एक थैले का आकार बनाया जाता है जहां पूरा कपड़ा एक दाने पर झुका हो।
ड. पायजामे के आधुनिक संस्करण को आधी ....में कपड़े के ...... से काटा जाता है और फिर इसे ....तह करके काटा जाता है।
ढ. पारंपरिक काटने विधि में एक चूड़ीदार के लिए केवल ....मीटर कपड़े की आवश्यकता थी और आधुनिक विधि द्वारा...... मीटर लगता है।
ण. एक सलवार या चूड़ीदार के फीते में कूल्हे की माप का .... और आसानी के लिए .... जोड़ा जाता है।

अध्याय 6: कपड़ा और माप से स्वरूप (पैटर्न) का विकास

6.1 कपड़े और माप से स्वरूप (पैटर्न) का विकास

पैटर्न अलग–अलग, दिलचस्प और अभिनव डिजाइन के कपड़े में शरीर को लपेटना है, यह परिधान के नक्शे का ब्लू प्रिंट है। पैटर्न बनाना एक ऐसा विषय है जो डिजाइनरों द्वारा अनंत शैलियों को बनाने के लिए कई दरवाजे/मार्ग खोलता है। पैटर्न बनाने की कला में माहिर होना एक डिजाइनर को अपने क्षेत्र में एक नेता होने का अवसर देता है। पैटर्न बनाने का ज्ञान क्षेत्र के उस्ताद को एक शौकिये से अलग करता है। पैटर्न बनाने की समझ फैशन उद्योग में डिजाइनर का काम करने के लिए मौलिक आवश्यकता है। पैटर्न बनाना एक गतिविधि है जिसके द्वारा डिजाइन एक ड्राइंग के चरण से वास्तविक भौतिक टुकड़े में तब्दील हो जाती है।. एक पैटर्न निर्माता पैटर्न टुकड़े के माध्यम से मसौदा तैयार करने के द्वारा डिजाइनरों के स्केच को व्याख्यायित करता है।

रेडीमेड गारमेंट उद्योग के अस्तित्व में आने से पहले सिलाई के शुरुआती दिनों में पैटर्न के निर्माण की कई प्रणालियां तैयार की गई थीं। पैटर्नों ने एक व्यस्त दर्जी की जरूरतों को पूरा किया जिसे आम तौर पर कपड़ों पर सीधे मसौदा तैयार करने के लिए एक गाइड की आवश्यकता होती थी। प्रत्येक परिधान को भिन्न– भिन्न माप के लिए अलग से काटा जाता था, जबकि पैटर्न मसौदा तैयार करने से इस कार्य को सरलता और तेजी से किया जा सकता था। गति के एक महत्वपूर्ण तत्व होने के कारण आवश्यक सीवन बढ़त शामिल करने के लिए प्रणालियां तैयार की गईं। आज पैटर्न के विकास के लिए जिस प्रणाली का प्रयोग किया जाता है उसे ब्लॉक विधि कहा जाता है, जिसमें अंतिम पैटर्न काटने के समय सीवन बढ़त लागू की जाती है।

काटने की प्रणालियों की अविश्वसनीयता के कारण, कई पैटर्न डिजाइनरों ने एक पोशाक स्वरूप पर अपने पैटर्न बनाने शुरू कर दिए। एक कुशल डिजाइनर अच्छे परिणाम हासिल कर सकता है लेकिन यह विधि पहनने के लिए तैयार कपड़ों के बाजार के लिए अक्षम और समय लेने वाली है। आधुनिक तरीके के संतुलन में दो आयाम रूप में ड्रेपिंग के सिद्धांत पर आधारित हैं। संतुलन अंतर्निहित उद्देश्य है जबकि पैटर्न संतुलन से छेड़छाड़ का सामने और पीछे के बीच एक ऊर्ध्वाधर रिश्ता है। अगर एक पैटर्न का संतुलन दोषपूर्ण है, तो इसका मतलब है कि सभी खड़े मापों ने सटीकता खो दी है।

6.2 स्वरूप (पैटर्न) विकास

पैटर्न विकास आवश्यक समतल पैटर्न के टुकड़ों को एक डिजाइन में बदलने और फिर उनसे मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया है। एक पैटर्न निर्माता का काम पैटर्न के टुकड़ों में डिजाइनर के डिजाइन की व्याख्या करना और फिर उनका मसौदा तैयार करना है। पैटर्न बनाने में एक संकीर्ण अर्थ में, शैली विवरण की बजाय एक व्यापक अर्थ में निर्माण और तकनीक के सिद्धांतों को शामिल करना है। यह नियमित डिजाइनों और आवेगी शैलियों दोनों के लिए अनंत किस्म के पैटर्नों की गुंजाइश को उन्मोचित करता है। पैटर्न बनाने को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है अर्थात् सही ढंग से मापने और आवश्यक सीवन बढ़त शामिल करने के लिए तकनीक का ज्ञान। मानव शरीर को मापना शरीर को फिट आने वाले कपड़ों के विकास की पूर्व शर्त है। मापने के पैमाने में मापने के सरल फीते से लेकर जटिल शरीर स्कैनर और निम्न से उच्च तकनीक तक शामिल है।

एक परिधान के लिए पैटर्न ब्लू प्रिंट है जिसके आधार पर कपड़े काटे जाते हैं और उसे तीन तरीकों से हासिल किया जा सकता है:

- ♦ फ्लैट पैटर्न विधि
- ♦ प्रत्यक्ष मसौदा विधि
- ♦ ड्रेपिंग विधि

6.2.1 फ्लैट पैटर्न विधि

फ्लैट पैटर्न विधि वह विधि है जहां एक पैटर्न के विकास के लिए शरीर या पोशाक स्वरूप (पैटर्न) की माप ली जाती है। इसके बाद एक तार्किक कदम दर कदम प्रक्रिया का पालन करते हुए, माप को एक स्वरूप (पैटर्न) में परिवर्तित किया जाता है। दूसरे शब्दों में यह प्रणाली पेपर पैटर्न को पूरा करने के सटीक मापन पर निर्भर करती है। इसमें असीम डिजाइन है, जिन्हें व्यावहारिक कपड़ों के लिए प्राप्त किया जा सकता हैं। फ्लैट पैटर्न बनाने का काम एक पोशाक स्वरूप के साथ संयोजन के रूप में किया जाना चाहिए जिससे डिजाइन विकसित करने के साथ–साथ परिधान के अनुपात और संतुलन पक्ष की जाँच की जा सके। एक पोशाक फार्म या एक मानव चित्र पर फिटिंग की जाँच के लिए एक पैटर्न को मलमल (ट्वायल का उच्चारण "ट्वाल" के रूप होता है) पर स्थानांतरित करना महत्वपूर्ण है। अपनी आकार की सटीकता और गति के साथ जटिल डिजाइन बनाने के कारण अब व्यापक रूप से फ्लैट पैटर्न काटने की विधि का उपयोग किया जाता है। यह बुनियादी ब्लॉकों में हेर फेर के द्वारा पैटर्न बनाने की एक प्रणाली है। बुनियादी ब्लॉक में गतिविधियों के लिए आसानी बढ़त शामिल होती है जो शरीर को सामान्य शारीरिक कार्यों को करने की अनुमति देती है, जिनके लिए शरीर के विभिन्न

भागों को गतिशीलता की आवश्यकता होती है। पैटर्न बनाने की फ्लैट विधि का उपयोग करके एक फैशन पैटर्न बनाना यथोचित तार्किक और समझने में आसान होता है। फ्लैट पैटर्न विधि आकार और फिटिंग दोनों में संगति लाती है और यह बड़े पैमाने पर परिधान उत्पादन के लिए भी सबसे तेज और सबसे कुशल पैटर्न डिजाइन विधि है।

6.2.2 प्रत्यक्ष ड्राफ्टिंग विधि

प्रत्यक्ष मसौदा तैयार करने की विधि या पैटर्न ड्राफ्टिंग पैटर्न काटने की एक प्रणाली है जो चुनी गई डिजाइन के लिए आसानी बढ़त और शरीर माप पैटर्न बनाने के लिए ग्राहक के शरीर या पोशाक फार्म से ली गई माप के एक संयोजन का उपयोग करती है। यह मनुष्य के शरीर से सीधे ली गई माप के व्यवस्थित मसौदे पर आधारित पैटर्न निर्माण की एक विधि है। परंपरागत रूप से भारत में पैटर्न निर्माता और दर्जियो के बीच प्रचलित शिक्षा का स्तर कम है। परंपरागत रूप से इस कौशल को मास्टर कारीगरों द्वारा प्रशिक्षण की एक प्रणाली या एक मास्टर के साथ काम करने के दौरान एक 'गुरु–शिष्य परम्परा' के माध्यम से पारित किया जाता है। भारत में यह प्रथा आज तक प्रचलित है।

6.2.3 ड्रेपिंग

ड्रेपिंग विधि पैटर्न बनाने की सबसे पुरानी विधि है और आम तौर पर इसे एक रचनात्मक दृष्टिकोण माना जाता है। इस विधि में दो आयामी कपड़े के एक टुकड़े को सीधे एक पोशाक के आकार या चित्र पर पर सीधे रख कर और पोशाक फार्म पर फिट होने के लिए वांछित रूप या आकार को प्राप्त करने के लिए बनाया जाता है।. कपड़ा फार्म की बुनियादी आकार के अनुरूप हो सकता है या एक विशिष्ट डिजाइन के लिए कलात्मक रूप से परतों में व्यवस्थित किया जा सकता है। इसके बाद मलमल के इस पैटर्न तो कागज पर स्थानांतरित किया जाता है, यदि कोई हो, तो सुधार किए जाते हैं, और उसके बाद इसे अंतिम स्वरूप (पैटर्न) में परिवर्तित किया जाता है।

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया हैः

1. पैटर्न बनाने की परिभाषा, यह परिधान का एक ब्लू प्रिंट है, पैटर्न बनाना एक ऐसी गतिविधि है जिसके द्वारा डिजाइन को एक रेखाचित्र के चरण से वास्तविक भौतिक टुकड़े में परिवर्तित किया जाता है। एक पैटर्न निर्माता पैटर्न के टुकड़े के माध्यम से मसौदा तैयार कर डिजाइनरों के स्केच की व्याख्या करता है।

अभ्यास

1. महिलाओं के परिधान की तस्वीरें एकत्र करें। एक फोल्डर या शैली फाइल बनाएँ और परिधान में इस्तेमाल डार्ट्स को पहचानें। यह आप के लिए विभिन्न शैलियों पर एक निर्देशिका बन जाएगा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करेंः

क. पैटर्न को .... तरीकों से काटा जा सकता है और वे हैं .... .और ....।
ख. पैटर्न एक कपड़े का एक .... है।
ग. फिलिप....... द्वारा लिखित पुस्तक को .... कहा जाता है।
घ. डार्ट एक ...... /वेज है जो .... के समतल टुकड़े को .... देता है।
ङ. .... विधि पैटर्न बनाने की सबसे पुरानी विधि है और इसे एक .... माना जाता है।

अध्याय – 7ः परिधान की फिटिंग

7.1 स्वरूप (पैटर्न) विकास

इस उद्योग की शुरुआत में, पैटर्न बनाने का काम कुशल श्रमिकों द्वारा किया जाता था, जो मुख्य रूप से अनपढ़ थे, डब्ल्यू. एच. ह्यूम ने अपनी किताब ष्परिधान के स्वरूप (पैटर्न) बनाने का अभ्यास में लिखा है कि वस्त्र उद्योग वर्णनात्मक डेटा को लागू करने के व्यवस्थित तरीकों को विकसित करने में उत्पादक रहा है, इनमें से बहुत सी पैटर्न प्रणालियों का स्पष्ट रूप से वर्णन नहीं किया गया है। विभिन्न पैटर्न प्रणालियों की तकनीक पर कई सालों के अनुसंधान से पता चलता है कि इसके लिए अपनाई जाने वाली विधियां असंबंधित, या

पैटर्न बनाने के सिद्धांत द्वारा **व्यक्त** हो सकती हैं। प्रणालियां यह नहीं बताती हैं कि लागू सिद्धांतों में व्यापक बदलाव किया गया है और ये मान्यताओं पर आधारित हैं।

फिलिप कुनिक ने महिलाओं और बच्चों के परिधानों के लिए आधुनिक आकार और पैटर्न निर्माण की अपनी पुस्तक में लिखा है कि अभी भी थोक व्यापार के लिए पैटर्न निर्माण का मसौदा तैयार करने के लिए एक परिधि माप के आधार पर पढ़ाना एक आम बात है केवल बिदु निर्धारित करने या भागों का पता लगाने के लिए ही नहीं बल्कि किसी भी आकार के एक परिधान का मसौदा तैयार करने के लिए भी यही होता है। किसी भी थोक व्यापार में शायद ही ऐसा होता है, जहां एक मानक आकार संकेत में एक नमूने को काटना एक सामान्य व्यवहार है, जिसमें सटीक आयाम का पता नहीं होता है और आनुपातिक माप का विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए नतीजतन, एक काल्पनिक पैमाने पर तैयार मसौदे के साथ बने चरम आकार, शायद ही कभी एक संतोषजनक फिटिंग देते हैं।

एलेगा की पुस्तक सहित यूरोप में 16 वीं सदी से 19 वीं सदी तक पैटर्न काटने की मात्र 18 प्रकाशित पुस्तकें थीं। इस तथ्य के लिए काफी हद तक उस समय के पैटर्न निर्माता, दर्जी और पोशाक निर्माताओं के बीच प्रचलित निरक्षरता और असंख्यात्मक कार्यो के उच्च स्तर को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। परंपरागत रूप से कौशल को प्रदर्शन और मौखिक निर्देश के माध्यम से प्रशिक्षुओं को पारित किया गया।

7.2 परिधान की फिटिंग

परिधान की फिटिंग मानव शरीर के आकार और परिधान के समोच्च के बीच का संबंध है। एक अच्छी तरह से फिट परिधान वह परिधान है जो बिना किसी खींचतान या कपड़े के विरूपण के सीधे, मनभावन अनुपात, शरीर पर किसी कसाव,या दूरी नहीं रखते हुए, गतिविधियों के लिए पर्याप्त आसानी के साथ शरीर पर आसानी से और समान रूप से लटके। जब तक अन्यथा वांछित न हो, किनारी फर्श के समानांतर रहे और परिधान के बाँह के खांचें और क्राच शरीर पर कसाव न बनाएं। इसे पैटर्न के प्रत्येक भाग में मानव अंगों के लिए सही होने पर लंबाई और चौड़ाई की एक साधारण बात के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

7.2.1 फिटिंग से परिचय

फिटिंग शब्द कपड़े के तीन आयामी मानव शरीर के अच्छी तरह से अनुरूप होने को संदर्भित करता है। अच्छी फिटिंग ग्राहकों की संतुष्टि के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, अक्सर एक व्यक्ति की इच्छानुसार सही रंग, कीमतों और शैली के कपड़े खोजना आसान होता है पर एक अच्छी तरह से फिट परिधान मिलना आसान नहीं होता। यदि परिधान वांछित पहनने वाले के लिए अच्छी तरह से फिट नहीं है तो यह एक शानदार डिजाइन, सुंदर कपड़े और उत्तम कारीगरी के प्रभाव को नष्ट कर देता है। डिजाइन **व** निर्माण **में भी लापरवाही** के कारण भी फिटिंग की समस्याएं हो सकती है या यह एक व्यक्ति के शरीर की भिन्न विशेषताओं का नतीजा हो सकता है। कोई दो शरीर एक जैसे नहीं होते हैं, और कभी कभी एक ही शरीर के दाएं और बाएं हिस्से में एक दूसरे से दर्पण की छाया जैसी समानता नहीं होती।

नई तकनीक इन समस्याओं को दूर करने का वादा करती है एक नई कंप्यूटर प्रणाली दृश्य रूप से तीन आयामों में एक व्यक्ति के शरीर की माप ले सकती हैं। इसके पश्चात् डेटा को एक कम्प्यूटरीकृत, अलग–अलग पैटर्नों में बदला जाता है, माप डेटा की प्राप्ति के 7 मिनट के भीतर इस विधि द्वारा एक आदमी के सूट की डिजाइन कटने और सिलाई करने के लिए तैयार हो जाती है। **परिणामस्वरूप** वस्त्र सही फिट होता है**,** क्योंकि कम्प्यूटरीकृत स्कैनर शरीर के आकार में उन सूक्ष्म बारीकियों का पता लगाता है जिन्हें पढ़ने में सामान्य माप सिस्टम असमर्थ हैं। ये पद्धतियों के परीक्षण के चरण में हैं लेकिन वे महंगी होंगी और आसानी से उपलब्ध होने में एक लंबा समय लेंगी।

इस पर अलग–अलग राय है कि एक अच्छी फिटिंग में क्या–क्या शामिल है। फिट के बारे में व्यक्तिगत वरीयताएं फैशन के मौजूदा रुझान, सांस्कृतिक प्रभावों, आयु, लिंग, अंगों के प्रकार, और जीवन शैली से संचालित होते हैं। परिधान के अंतिम उपयोग का वांछित उद्देश्य भी फिट को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति को एक ट्रैक सूट जैसे दर्शकों के खेल के कपड़ों की तुलना में सक्रिय खेलों के लिए अधिक आराम की जरूरत होती है।

मानव आबादी में होने वाले परिवर्तनों की वजह से आकार तालिका और शरीर आयामों के बीच संबंध स्थिर नहीं रहते। ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, जर्मनी और अन्य देशों में हाल के शरीर सर्वेक्षणों ने साबित कर दिया है कि शरीर के एक निश्चित प्रकार के लिए बनाए गए

परिधान की आकार प्रणाली उस आबादी के 25 प्रतिशत से अधिक को शामिल नहीं करती जिनके लिए इसे बनाया गया है। सही आकार अच्छे फिट और ग्राहकों की संतुष्टि के लिए एक पूर्व शर्त है। फिट आकार बनाने का एक कार्य है और यह एक परिधान के आराम और स्थायित्व को प्रभावित करता है। अक्सर एक महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में आकार की अनदेखी की जाती है।

7.3 फटिंग के तत्व

फिट के तत्व, वे पैमाने हैं, जिन पर फिट का मूल्यांकन आम तौर पर आधारित होता है, इन्हें फिट के पांच शास्त्रीय तत्वों के रूप में भी जाना जाता है:–

दाने (ग्रेन): एक अच्छे फिट के लिए परिधान को सही दाने पर या दूसरे शब्दों में दाने पर काटा जाना चाहिए। दाने पर तैयार एक परिधान समान रूप से लटकता है और सममित प्रकट होता है। अगर परिधान दाने पर नहीं है, तो वह सीधे नहीं लटकेगा। परिधान और सीवन रेखाएं मुड़ी हुई या सिकुड़ी हुई हो सकती हैं क्योंकि परिधान का प्रत्येक आधे भाग का कपड़ा अलग बर्ताव कर सकता है। दानों की रेखा में विचलन गलत ढंग से काटने या सिलाई या पहनने वाले की एक गलत मुद्रा या अंगों की अनियमितताओं का परिणाम है, जो परिधान के दानों के साथ हस्तक्षेप कर सकते हैं क्योंकि यह शरीर पर लटकता है।

सेटः सेट शब्द किसी भी अवांछनीय सिकुड़न के बिना एक चिकने फिट को संदर्भित करता है। खराब सेट की वजह से पड़ने वाली सिकुड़नों को इस्त्री से नहीं हटाया जा सकता, बल्कि यह परिधान पहनने वाले की फिट को प्रभावित करता है। आमतौर पर सेट में तब सिकुड़न पड़ती है जब परिधान पहनने वाले के लिए बहुत बड़ा या बहुत छोटा हो और पहनने पर परिधान लटकता है या फंसता है।

रेखाः शरीर की प्राकृतिक लाइनों के साथ परिधान की संरचनात्मक लाइनों के संरेखण को दर्शाती है। परिधान की बगल की सीवन को शरीर के पक्ष के केन्द्र से एक साहुल रेखा की तरह नीचे लटकना चाहिए। इसे फर्श से लंबवत रहना चाहिए। सामने के केंद्र और पीछे के केंद्र को शरीर के सामने और पीछे के केंद्र पर होना चाहिए और फर्श से लंबवत रहना चाहिए। कंधे के डार्ट जैसे डार्ट्स और सिलाई को शरीर के अंगों पर इस तरह से फिट होना चाहिए, जैसा वांछित हो। गले की रेखा, कमर, कूल्हे की रेखा और बाँह के छेद (आर्म होल) जैसी अन्य सीवन रेखाओं को धीरे–धीरे मोड़ कर वक्र बनाना चाहिए। खराब डिजाइन या निर्माण परिधान की रेखाओं को बरबाद कर सकती है। यहाँ तक कि अंगों की अनियमितताएं भी परिधान को विकृत कर सकती हैं।

संतुलनः तब होता है जब परिधान संतुलित हो। परिधान को आगे और पीछे और बगल से देखने पर परिधान का दाहिना और बायां पक्ष समान रूप से संतुलित या सममित दिखाई देते हैं। एक स्कर्ट तब संतुलित होता है जब पहनने वाले के पैर केंद्र में हों और स्कर्ट के सामने या पीछे के भाग को छू नहीं रहे हों। संतुलन परिधान के दानों और रेखाओं से संबंधित है। अगर दानों से हट कर काटा जाता है, तो असमान रूप से लटकने के कारण परिधान संतुलन से बाहर हो जाता है। इसके अलावा, अगर परिधान की रेखाएं शरीर की रेखाओं का अनुसरण नहीं करतीं तो यह संतुलन से बाहर रहता है। गलत मुद्रा या पहनने वाले के शरीर में समरूपता का अभाव इसका एक अन्य कारण है।

आसानीः एक परिधान में फैलाव की राशि को दर्शाती है। आसानी पहनने वाले के शरीर की माप और परिधान की माप के बीच का अंतर है। आसानी दो प्रकार की होती है; फिटिंग में आसानी और डिजाइन में आसानी। फिट मे आसानी शरीर के साथ सीधे संपर्क में है और आराम के कारक के लिए जिम्मेदार है तथा परिधान के डिजाइन की आसानी सौंदर्य की उपस्थिति के लिए है। एक परिधान में पहनने वाले की वास्तविक माप से परे पर्याप्त आसानी शामिल होनी चाहिए जिससे उसे चलने, बैठने, पहुँचने और यहां तक कि साँस लेने जैसी साधारण गतिविधियों में आसानी हो। इस संदर्भ में आसानी को फिटिंग आसानी कहा जाता है। डिजाइन आसानी फिटिंग आसानी में जोड़ी गई अतिरिक्त शैली परिपूर्णता है। सभी वस्त्रों में फिटिंग की आसानी होती है, लेकिन डिजाइन आसानी वैकल्पिक है, यह विशुद्ध रूप से उपस्थिति की खातिर और परिधान को अपनी शैली देने के लिए जोड़ी जाती है।

7.4 फिट का मूल्यांकन

परिधान के फिट के मूल्यांकन में, परिधान के सभी पक्षों की जांच की जानी चाहिए। फिटिंग में ऊपर से शुरू होकर नीचे की तरफ बढ़ना चाहिए। फिट का विश्लेषण एक जटिल प्रक्रिया है और यह उद्योग और ग्राहकों, दोनों के लिए एक चुनौती बनी हुई है। परिधान का

फिट एक जटिल मुद्दा है लेकिन सही कपड़े के सही रूप को पहचानने के लिए इसका बहुत महत्व है, और एक 3 डी नकली अनुकार रूप जैसी विभिन्न तरह की प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया जाता है, और यह अधिक कुशल, उत्पाद विकास और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रिया में निर्णय लेने का नेतृत्व कर सकता है। शरीर के निम्नलिखित अंगों को इस प्रकार प्रकट होना चाहिए।

7.4.1 कंधे

कंधे **चकने** दिखाई दें और सहज महसूस **होना** चाहिए। सीवन कंधे के शीर्ष पर पड़नी चाहिए। नियमित शैलियों में हाथ के छेद की सिलाई पहनने वाले के कंधे के किनारे पर पड़नी चाहिए। परिधान के कंधे काफी **चौड़े** हों, ताकि आस्तीनें ठीक से लटकी रहें। अगर कंधे तंग हैं, तो आस्तीन के ऊपरी बांह में खिंचाव और सिकुड़न पड़ेगी। अगर फैशन के रुझान के लिए कंधे के संकीर्ण या व्यापक होने की आवश्यकता होती है तब भी पैटर्न में हिलने–डुलने के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए। परिधान के कंधे की ढलान का पहनने वाले के कंधे **की** ढलान से मेल होना चाहिए।

7.4.2 वक्ष

अगर परिधान की वक्ष/छाती बहुत छोटी है, तो आगे या पीछे के केंद्र की सिलाई या खुले भाग पर खिंचाव पड़ेगा और वे खुल सकते हैं। एक बड़ा वक्ष या अत्यधिक विकसित छाती अक्सर सामने के केंद्र पर बटन के छेद के खुलने या फैलने का कारण बन सकते हैं, साथ ही कपड़ा ऊपर चढ़ जाएगा क्योंकि बड़े स्तनों का वक्र अधिक लंबाई लेता है। एक अच्छी तरह से फिट डार्ट हमेशा शरीर के वक्र के सबसे पुष्ट भाग की ओर इशारा करता है, जिस पर इसे फिट होना है। डार्ट की नोक को हमेशा सबसे पुष्ट भाग के लगभग एक इंच पहले समाप्त करना चाहिए। बहुत छोटे डार्ट्स या वक्र के सबसे पुष्ट भाग तक विस्तृत डार्ट कि नोक पर एक बुलबुला बनाते हैं। परिधान में कहीं भी होने वाले डार्ट्स को एक ही सिद्धांत का पालन करना होता है। निर्माण में तेजी लाने के लिए डार्ट को समाप्त करने की प्रथा चोली के अगले भाग पर विकर्ण झुर्रियां पैदा करती है।

7.4.3 गले की रेखा

गले की रेखा को काफी बड़ा होना चाहिए ताकि यह बिना किसी खिंचाव या दबाव के फिट हो सके लेकिन इतनी बड़ी नहीं कि यह शरीर के सामने और पीछे के भाग पर लटकती रहे। सामने का बुनियादी गला हमेशा पीछे की तुलना में कम होना चाहिए।

7.4.4 कॉलर

कॉलर का फिट गर्दन की परिधि पर कॉलर को रखने में सबसे महत्वपूर्ण कारक है। कॉलर की परिधि में गले की रेखा से कम से कम चौथाई इंच बड़ी होनी चाहिए या इसे गर्दन और कॉलर के बीच दो उंगलियों डालने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। एक ठीक से फिट कॉलर चिकना होगा और पहनने वाले के चलने पर अपनी जगह पर बना रहेगा। यह इतना तंग न हो कि खिंचाव पड़े। एक तंग कॉलर असुविधाजनक होता है और गर्दन का बड़ा दिखाता है। लेकिन इसे इतना ढीला भी नहीं होना चाहिए कि इसमें दरार पड़े।

7.4.5 आर्म स्काई (मुहरा)

आर्म स्काई परिधान के लिए अच्छी तरह से फिट आरामदायक और आकर्षक होना चाहिए। आर्म स्काई इतना बड़ा होना चाहिए कि वह परिधान के आगे और पीछे खींचे नहीं, लेकिन इतना बड़ा भी नहीं है कि वह आर्म स्काई की परिधि में दरार डाले। एक अच्छी तरह से फिट आर्म स्काई में, आर्म स्काई का आधार बगल के करीब कट जाता है, लेकिन इतने करीब नहीं कि यह बगल में काटे। यह बगल के एक इंच नीचे काटा जाना चाहिए। **यह** आर्म स्काई के क्षेत्र में बिना सिकुड़न के पर्याप्त आराम, हिलने के लिए जगह, और अच्छी फिट प्रदान करता है। अगर आर्म स्काई काफी तंग है तो चुस्त और असहज महसूस होता है। सामने से आर्म स्काई को पीठकी अपेक्षा अधिक गहराई से काटा जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश गतिविधियां सामने की ओर होती हैं।

7.4.6 आस्तीनें

आस्तीनें अच्छी तरह से फिट आकर्षक और आराम दायक होनी चाहिए। बुनियादी आस्तीन की परिधि काफी ढीली होनी चाहिए जिससे यह हाथ के आसपास बंधन न बने और क्षैतिज सिलवटें न पड़ें। एक तंग आस्तीन असहज होने के अलावा हाथ के सामान्य कार्यों को असंभव बना देती है। आस्तीन पहनने वाले की इच्छानुसार ढीली होनी चाहिए लेकिन परिधान को एक फिट जैकेट के नीचे पहनने में समस्या हो सकती है। एक अच्छी तरह से सेट जैकेट की आस्तीन सामने की ओर एक मामूली कोण के साथ लटकी होती है। डोलों पर आड़े दानों की रेखा फर्श के समानांतर रहनी चाहिए।

7.4.7 कमर

कमर का फिट होना आराम के लिए आवश्यक है। परिधान की कमर इतनी तंग नहीं होनी चाहिए कि यह बंधन लगे या मुड़ जाए। इसमें श्वास लेने और खाने के लिए पर्याप्त जगह होनी चाहिए और हाथ उठाने या काम करने के बाद इसे अपनी स्थिति में वापस आ जाना चाहिए। यह इतनी ढीली न हो कि शरीर से दूर रहे, ढलके, या एक टॉप या शर्ट को खोंसने या किसी अन्य परिधान के नीचे पहनने पर उभार बनाए। परिधान का सबसा संकरा हिस्सा पहनने वाले की कमर पर गिरना चाहिए। अगर कमर पर बटन लगे हों तो परिधान को बंद करने पर खिंचाव या तनाव नहीं पड़ना चाहिए। एक जैकेट को कमर पर काफी बड़ा होना चाहिए ताकि बटन बंद होने पर भी व्यक्ति बैठ सके।

7.4.8 कूल्हे

स्कर्ट या ट्राउजर की फिटिंग के लिए कूल्हे क्षेत्र का फिट होना महत्वपूर्ण है। अगर कूल्हे क्षेत्र में पर्याप्त जगह हो तो परिधान के अन्य भागों में आसानी से फिट करने के लिए बदलाव किया जा सकता है। कूल्हे, जांघ और पेट क्षेत्र में पर्याप्त जगह वाले वस्त्र, बिना खिंचाव, सिकुड़न या ऊपर उठे सही रूप से फिट होते हैं। ऊपर खुलने वाले पॉकेट, प्लीट या झरोखे से संकेत मिलता है कि परिधान कूल्हे या पेट क्षेत्र में तंग है। अगर परिधान के कूल्हे या जांघ क्षेत्र में अतिरिक्त बढ़त है तो इसमें खड़े मोड़ पड़ेंगे।

7.4.9 क्राच / सीट

पतलून और बंटे हुए अन्य परिधानों में आराम और स्थायित्व के लिए एक अच्छी तरह से फिट क्राच की आवश्यकता होती है। एक ठीक से फिट क्राच पहनने वाले को पैरों के बीच नहीं काटता और और नितंबों के आकार के अनुरूप होता है। क्राच क्षेत्र में थोड़ी आसानी होनी चाहिए पर अधिक नहीं। आम तौर पर पतलून के लिए क्राच क्षेत्र में एक इंच की आसानी बढ़त होनी चाहिए। क्राच सीवन को पीछे नितंबों पर लंबा और सामने की तुलना में अधिक घुमावदार और गहरा होना चाहिए। बड़े आकार के लिए पीछे की तरफ लंबे, गहरे और घुमावदार क्राच की आवश्यकता होती है। क्राच क्षेत्र से फैलने वाली विकर्ण सिकुड़नें क्राच के नितंबों के आकार को समायोजित करने के लिए पर्याप्त रूप से बड़े न होने का परिणाम हैं। सामने की विकर्ण सिकुड़नें भी पहनने वाले के बड़े पेट की वजह से हो सकती हैं। क्राच क्षेत्र से ऊपर की ओर निकलने वाली सिकुड़नें भी तंग और उच्च क्राच का संकेत करती हैं, जिससे रगड़ और बेचैनी होती है। क्राच क्षेत्र से नीचे की ओर निकलने वाली सिकुड़नों से एक कम और ढीले क्राच का संकेत मिलता है यह झूलता और लटकता है, घूमने को प्रतिबंधित करता है और गतिविधि में तनाव से रगड़ की संभावना बढ़ जाती है। अगर उठाव को लंबा या छोटा किया जाता है तो, कमरबंद को भी उठाया या कम किया जाना चाहिए। उभार को क्राच की लंबाई में लंबा या छोटा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे समस्या उत्पन्न हो सकती है।

फिटिंग का एक अन्य महत्वपूर्ण नियम है कि जब फिट नहीं हो रहा हो तब कैसे फिट किया जाए। कपड़े को केवल फिट ही नहीं, कुछ अधिक होने की जरूरत होगी। एक परिधान को शरीर पर इतना फिट होने की कोई जरूरत नहीं है कि यह बुरा दिखे, साथ ही अगर यह शरीर पर ठीक न लगे तो डिजाइन के साथ चिपकने की भी जरूरत नहीं है। असली विशेषज्ञता इस तथ्य में निहित है कि डिजाइन की रेखाओं और सुविधा की रेखाओं के बीच एक संतुलन कायम करने में सक्षम हो। यह करने की क्षमता एक कौशल है जो यह देखने और समझने के प्रशिक्षण से सीखा जाता है कि शरीर पर क्या फबेगा।

फिटिंग मूर्ति गढ़ने जैसा है यह एक तीन आयामी रूप बनाता है। अक्सर पूछे जाने वाला एक और सवाल है कि फिटिंग की जाँच कितनी बार होनी चाहिए, इस सवाल का जवाब है कि उतनी बार जब तक यह अच्छी तरह से फिट न हो जाए।

7.5 फिट के अन्य कारक

केवल गणितीय गणना और पैटर्न सुधार परिधान के ठीक से फिट होने की गारंटी नहीं दे सकते हैं। वे केवल एक सन्निकटन प्रदान कर सकते हैं जिसकी किसी विशेषता को जरूरत हो सकती है। अन्य विचारणीय बिंदु हैः

♦ परिधान की शैली, क्या यह आप पर अच्छी लगती है या नहीं।
♦ परिधान में आवश्यक और पर्याप्त बढ़त।
♦पहनने वाले की मुद्रा और अलग आकार।

वास्तव में केवल एक कपड़े पर फिट की जाँच द्वारा इनका मूल्यांकन किया जा सकता है। परिधान को एक बार कपड़े पर काट दिए जाने के बाद केवल मामूली परिवर्तन ही किया जा सकता है। इसलिए फिट की जांच बहुत कुछ बरबाद होने से बचा सकता है। जब लोग किसी शैली के बारे में निश्चित हों, अनुभव से जानते हों कि पैटर्न को कैसे समायोजित करना है, यदि आवश्यक हो तो फिर से

काटने के लिए पर्याप्त सामग्री हो, आपात स्थिति में लेने के लिए पर्याप्त सीवन बढ़त हो, तो कई बार फिटिंग की जाँच आवश्यक नहीं होती है। लेकिन अगर कोई भी संदेह है, तो फिटिंग की जांच बहुत जरूरी है।

आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली परीक्षण सामग्री प्रक्षालित या रूखा मलमल होता है, इसे अंतिम कपड़े के समान वजन में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अंतिम कपड़े के समान वजन के सादी बुनाई के पॉपलीन जैसे ठोस रंग के किसी अन्य कपड़े से भी काम चल सकता है। एक सादी सतह की सिफारिश की जाती है क्योंकि यह सभी सीवनों, डार्टों और अन्य शैली विवरणों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। पैटर्न को बिछाएं, अपने फिटिंग की जाँच की सामग्री को अंतिम परिधान के कपड़े के बराबर सावधानी से चिह्नित करें और काटें।

परीक्षण कए हुए मलमल को एक साथ रखें। वास्तविक सिलाई के बिना समाप्त परिधान का प्रभाव प्राप्त करने का सबसे तेज तरीका सभी रेखाओं को ओवरलैप और पिन करना है। पिन लगाना वही परिणाम और जानकारी देता है, जो एक व्यक्ति मशीन पर गए बिना प्राप्त करना चाहता है। पिन लगाना और उसे खोल कर फिर से पिन लगाना सिलाई को खोलने और फिर से सिलाई करने की तुलना में बहुत आसान है।

पिनों को, सीवन की सही रेखा में सही कोण पर लगाया जाना चाहिए, जैसे कि इस विधि में सिलाई पर कम तनाव या खिंचाव है, और इसमें दरार न हो। पतलूनों की फिटिंग की जाँच करते समय क्राच की सीवन पर पिन लगाने की बजाय उसे सिल लें
मलमल पर फिटिंग की जांच करें और पूरी तरह से संतुष्ट होने तक उसमें सुधार कर सकते हैं।

आवश्यक सुधारों को चिह्नित करें और परिधान के अंतिम पैटर्न के लिए उन्हें पेपर पैटर्न पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जिसका अंतिम कपड़े को काटने के लिए उपयोग किया जाएगा, नए नॉच बनाएं क्योंकि सुधार के बाद पुराने ठीक नहीं भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिवर्तन से अधिक समस्याएं नहीं उत्पन्न होती हैं, एक जैसी दो सीवनों की लंबाई की जाँच करें, जैसे कि अगर आपने सामने के पक्ष की सीवन के डार्ट इनटेक को सही किया है तो यह सुनिश्चित करें कि दोनों ओर की बगल की सीवनें अभी भी बराबर हैं या नहीं और यदि जरूरी हुआ तो आवश्यक परिवर्तन करें।

7.6 फिटिंग के तरीके
फिटिंग दो प्रकार की होती है:

एक पहला टेस्ट फिट जो पैटर्न बनाते समय मलमल पर किया जाता है। पैटर्न की फिटिंग की जांच करने के लिए एक बुनियादी फिट परीक्षण किया जाता है पैटर्न को प्रासंगिक सीवन बढ़त के साथ काटा जाता है और फिटिंग की जाँच के लिए टेस्ट की जाँच की जाती है। सुनिश्चित करें कि सीवन और डार्ट अपने स्थान पर हों। फिटिंग हमेशा परिधान की दाईं ओर से की जाती है क्योंकि इससे परिवर्तन और सुधार करना आसान होता है। ये सुधार परिधान की नई सीवन रेखाओं के लिए किए जाते हैं। आसानी और परिपूर्णता के लिए परिधान की जाँच करें। फिट में बटन और बटन के छेदों को सही स्थानों पर चिह्नित करना महत्वपूर्ण है।

दूसरा परीक्षण परिधान के अंतिम रूप से पूरा होने से पहले सिलाई के बाद किया जाता है। परिधान को सही जगह पर प्रासंगिक इंटरफेसिंग अस्तर के साथ सिलें और अच्छी तरह से दबाएं तथा डार्ट, सीवनों, प्लकरों की स्थिति की जांच करने के लिए अच्छी तरह से परीक्षण करें और बाहरी सिलाई को रेखांकित करें। इस प्रकार की फिटिंग परिधान के फिट को सही और परिष्कृत करती है।

अन्य समय पर, जब दुबारा फिटिंग आवश्यक हो, यदि तैयार परिधान बाजार से खरीदा गया हो तो उसमें एक व्यक्ति के आकार के अनुसार परिवर्तित करने या अगर व्यक्ति के शरीर के आकार में परिवर्तन हुआ हो, जैसे अगर कोई पतला हो गया है या वजन बढ़ गया हो या अगर एक बच्चा लंबा हो गया है तो परिधान को दुबारा फिट करने की आवश्यकता हो सकती है। प्रत्येक पैटर्न सीवन या क्षेत्र को सही करने और परिवर्तन के तरीके समस्याओं के प्रकार और फिटिंग दोष की प्रकृति पर निर्भर करते हैं।

सारांश

अध्याय में निम्न विषयों को शामिल किया गया है:
1. परिधान के फिट, आराम, दाने, सेट संतुलन और रेखा जैसे फिट के विभिन्न तत्वों की परिभाषा।

2. फिट के महत्वपूर्ण क्षेत्र और इनसे जुड़ी आम समस्याएं
3. फिटिंग के तरीके और फिटिंग की गणितीय पद्धति ।
4. फिट के मुद्दे और फिट की समस्याओं को सुलझाने के तरीके।
अभ्यास
1.अपने अलमारी की जाँच करें, फिट के विभिन्न मुद्दों की पहचान करें। कपड़ों को पहनने की कोशिश करें और देखें कि क्या आप उन्हें ठीक करने के तरीकों की पहचान कर सकते हैं।
2.अखबार और पत्रिकाओं से विभिन्न प्रकार की विशेषताओं की तस्वीरें जमा करें।

3. रिक्त स्थान को भरें:
क. फिटिंग ...... की तरह है जो एक ...... स्वरूप बनाता है।
ख. फिट की पांच तत्व हैं ...., ..., ...,............और ....हैं।
ग. आसानी .... प्रकार की होती है, अर्थात् .... और .... आसानी।
घ. ३३३ तब होता है जब ३३३ संतुलन में हो।
ङ. परिधान को ....दाना कहा जाता है अगर यह................. .. कपड़े के दाने पर न काटा नहीं जाए तो यह अच्छी तरह से .... नहीं होगा।
च. परिधान के बगल की सीवन को परिधान की ....पर .... सीधा होना चाहिए।
छ. परिधान का मूल्यांकन करने के .... तरीके हैं।
ज. पिनों को ३३३ की .... रेखा पर लगाया जाना चाहिए जिससे कि ....और .... में तनाव और खिचाव होता है।
झ. मलमल की .... जांच करें और संतुष्ट होने तक सुधार करें............, जब तक नमूने के सभी............. सुधार न हो जाएं।
ञ. .... एक परिधान में खिंचाव से संकेत मिलता है कि परिधान ....है और .... परतों से संकेत मिलता है कि .... है।

शैली की विविधताएं

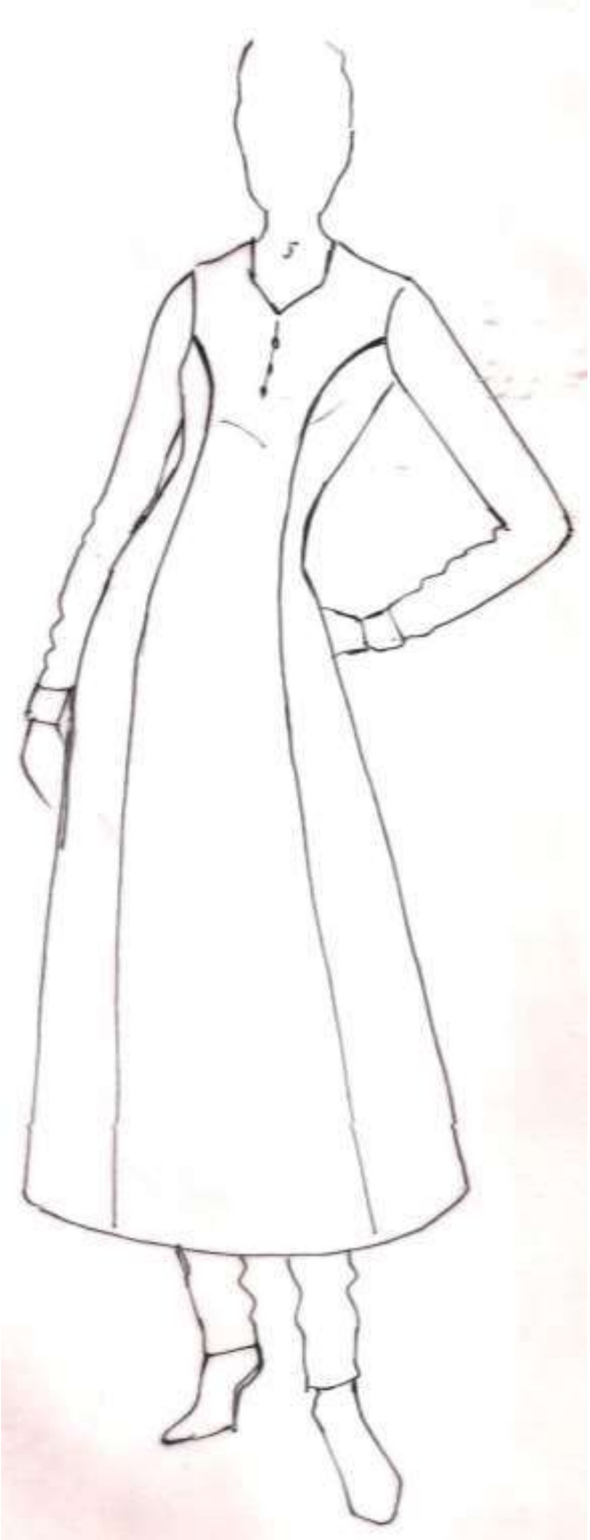

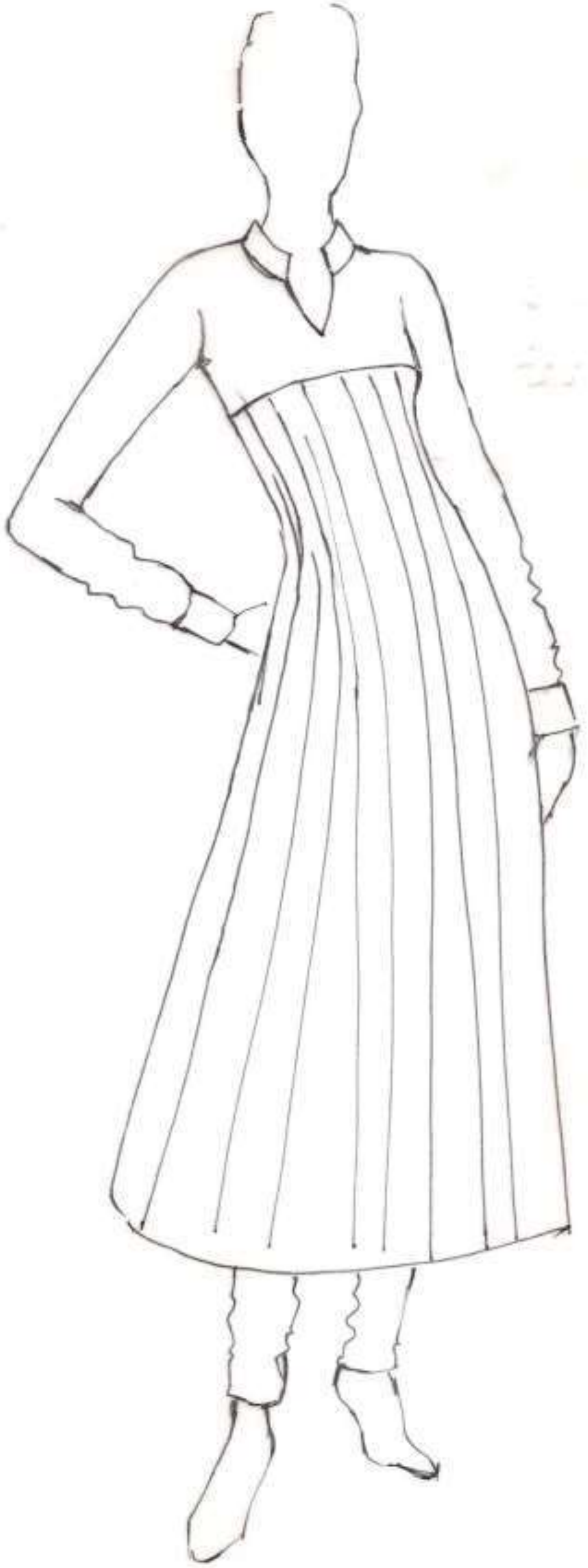

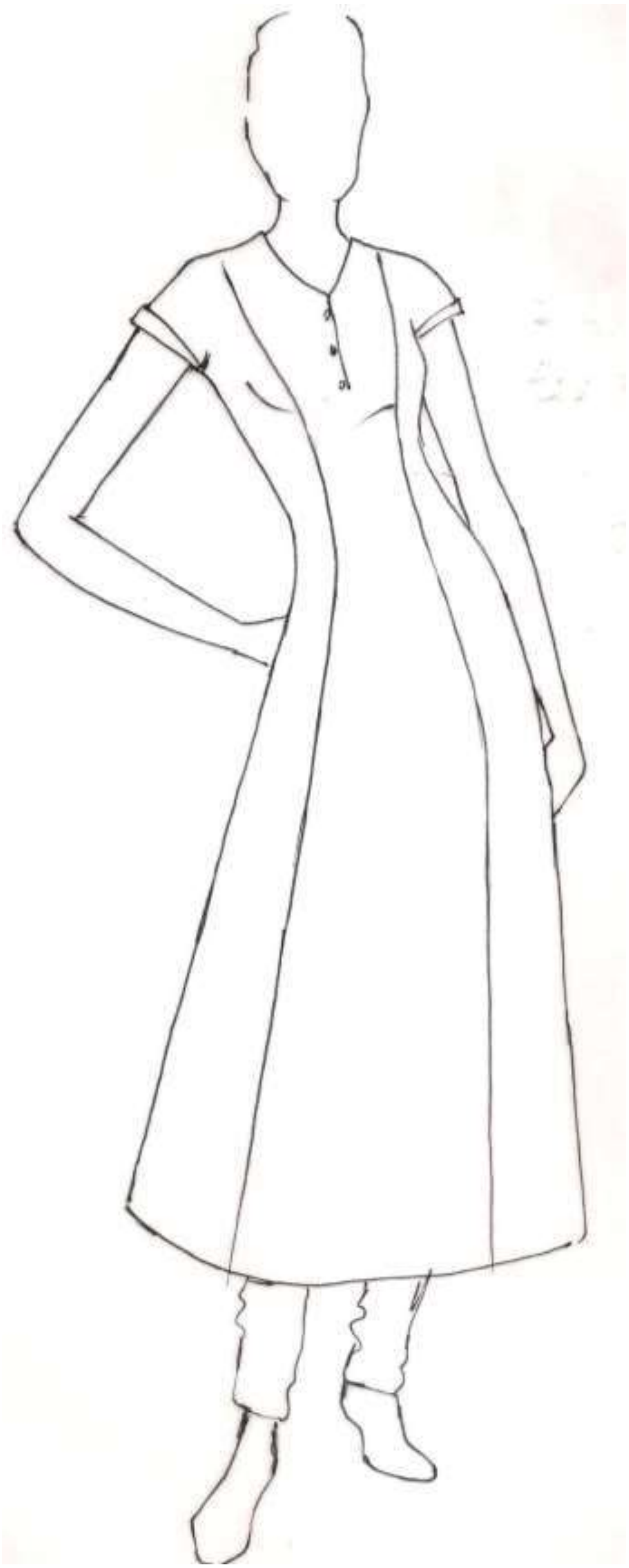

शब्दकोष

1. ए लाइनःफिट पोशाक या स्कर्ट, जिसमें ओर पक्षीय सिलाई कोण पर जाती है। एक ए लाइन स्कर्ट कूल्हों की अपेक्षा किनारी पर चौड़ी होती है लेकिन पर्याप्त रूप से सिलवटों से पूर्ण नहीं होती है।

2. बाँह का छेद (आर्म होल)ः बाँह के छेद (आर्म होल), की सीवन जहां चोली में आस्तीन से जुड़ती है, एक व्यक्ति को बिल्कुल सही फिट होने के लिए विशेष रूप से जब कपड़े बारीकी से फिट हों, बाँह के छेद में, गहराई और चौड़ाई का होना महत्वपूर्ण है।

3. आर्म स्काईः इस शब्द का उपयोग ब्लॉक या पैटर्न पर गहराई से बने बाँह के छेद (आर्म होल) के एक वक्र का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

4. संतुलनः एक परिधान में अनुपात और लटकाव को संदर्भित करता है, फ्लैट पैटर्न काटने की विधि में फिट की जाँच करने तक यह निश्चित करना अक्सर मुश्किल होता है कि संतुलन सही है।

5. संतुलन चिह्नः पैटर्न टुकड़े के किनारों पर बने निशान यह सुनिश्चित करते हैं कि पैटर्न का टुकड़ा मेल खा रहा है। वे सभी सीवनों पर एक निर्माण गाइड के रूप में उपयोगी होते हैं, हालांकि, जब अलग–अलग आकार के टुकड़ों को एक साथ मिलाना हो तो संतुलन के निशान महत्वपूर्ण होते हैं। पैटर्न काटते समय कागज के किनारे पेंसिल से बने छोटे निशानों को नॉच भी कहा जाता है।

6.बेस्ट (तागना)ः कपड़े के टुकड़ों को अस्थायी रूप से एक साथ मिलाने के लिए हाथ या मशीन द्वारा सिलना ताकि स्थायी रूप से सिलने पर परिधान फिट हो सके।

7.घंटी (बेल) आस्तीनः आस्तीन की एक शैली है जो कोहनी या कलाई स्तर पर पूर्ण फैली होती है।

8.बायस (झुकाव)ः कपड़े के बाने के दाने को 45 डिग्री पर काटा जाता है

9. बायस कटः शॉर्ट्स, स्कर्ट, पोशाक या अंडरवियर जैसे एक कपड़े को संदर्भित करता है, जिसके टुकड़े पूरी तरह या आंशिक रूप से झुकाव पर काटे जाते हैं।

10. क्लिपः कपड़े के किनारे पर लगाया गया एक छोटा सा खरोंच या कटाव। सभी घुमावदार किनारों को छांटा जाना चाहिए ताकि कपड़े को अंतिम रूप से दबाने पर उसे समतल किया जा सके।

11.क्राच प्वाइंटः वह जगह, जहां पतलून के पैरों की भीतरी सिलाई मिलती है क्राच सीवन कही जाती है। सही स्थिति शारीरिक विशेषताओं पर निर्भर होती है लेकिन क्राच बिंदु शरीर के सामने की ओर होनी चाहिए।

12.काटने का बोर्डः एक विशेष रूप से निर्मित मुड़ा नालीदार बोर्ड, जो काटने या पैटर्न बनाने हेतु एक सतह प्रदान करने के लिए एक मेज या बिस्तर को ढकने के लिए बाहर खुलता है।

13.काटने की रेखाः सिलाई की पंक्ति या सीवन रेखाओं से परे का बिंदु जहां कपड़े को काटा जाता है। ऐसे नमूने (पैटर्न) जिनमें कोई सीवन बढ़त न हो कपड़े पर काटने की रेखा को चिह्नित करने के लिए चाक या कपड़े के पेन का उपयोग किया जाता है। एक वाणिज्यिक नमूने पर मुद्रित रूपरेखा पैटर्न और कपड़े दोनों को काटने के लिए होती है।

14. डार्टः एक त्रिकोणीय मोड़ जो धीरे–धीरे घटा कर एक बिंदु की ओर सिला जाता है। यह आसानी से 3डी मानव शरीर पर कपड़े का आकार बनाता है।

15. डार्ट टकः डार्ट को आकार देने के लिए सिलना, लेकिन डार्ट बिंदु से पहले रोक दी गई सिलाई, यह परिधान के दाईं ओर से एक टक के रूप में प्रकट होता है।

16.दोहरी छाती युक्तः. सामने से बांधने की एक शैली जो शरीर के बाईं तरफ की बजाय सामने के केंद्र पर लिपट कर समाप्त होती है।

17.दोहरे नोक वाले डार्टः इन्हें मछली डार्ट भी कहा जाता है और पोशाक में कमर को आकार देने के लिए इनका उपयोग किया जाता है।

18.ड्राफ्टिंगः इस शब्द का एक कागज के पैटर्न नमूने को अंकित करने और काटने के लिए प्रयोग किया जाता है।

19.ड्रॉ स्ट्रिंग (**खींचने** की रस्सी): एक पोशाक, स्कर्ट या ट्राउजर, या गले या किनारी बांधने या जगह पर व्यवस्थित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रस्सी का टुकड़ा ।

20.आसानी (आराम): यह सुनिश्चित करने के लिए कि परिधान को पहनने पर उसमें हिलने–डुलने की जगह है, माप को जोड़ी जाने वाली बढ़त। इसकी मात्रा मौजूदा फैशन के अनुसार बदलती रहती है।

21.सहजता (आसानी): अलग–अलग लंबाई और आकार के दो किनारों को जोड़ने के समय इसकी जरूरत होती है। सिलने के समय बड़ा किनारा कपड़े पर एक छोटा सा उभार बनाता है जो गतिविधियों के लिए मामूली सहजता प्रदान करता है। अक्सर बढ़त वाले किनारे पर मूल खंड की स्थिति में एक छोटा सा डार्ट होता है। सहजता के उदाहरण के लिए पीछे के कंधे से सामने के कंधे, कोहनी स्तर पर पीछे की सिलाई की अपेक्षा सामने के किनारे पर आस्तीन की सीवन, बाँह के छेद (आर्म होल) में आस्तीन के सिरे, आदि शामिल हैं।

22.एम्पायरः कमर की एक उच्च सीवन, यह एक पोशाक, अंगरखे या रात की पोशाक पर हो सकती है, आम तौर पर ऊपरी परिधान में वक्ष के ऊपर लगाई जाती है और अक्सर परिधान के निचले खंड में प्लीटें बनाई जाती हैं या कमर पर इकट्ठा किया जाता है।

23.विस्तारित कंधेः कंधे की सीवन को लंबा और बडा किया जाता है, ताकि बाँह के छेद (आर्म होल) की सीवन में बाहर की तरफ ढलान रहे और कंधे की हड्डी के ऊपर से गुजरने की बजाय हाथ के शीर्ष पर चले। हाथ को ऊपर उठाने की जगह देने के लिए बाँह के निचले हिस्से को नीचा किया जाना चाहिए।

24. झूलना (फ्लेयर): एक आस्तीन या स्कर्ट के किनारे के आकार को परिपूर्णता देने के लिए जोड़ा जाता है। एक पैटर्न काटते समय मूल आकार को ऊपर से नीचे तक काटने और केवल एक किनारे पर टुकड़े के प्रसार से फ्लेयर जोड़ा जाता है।

25.झालरः गले आस्तीन और किनारियों के लिए एक पूरी तरह गोलाकार किनारा।

26. पीछे की ओर मुड़ी फेसिंगः किनारे पर सीवन को हटा कर, एक ब्लाउज के बटन के किनारे जैसी सीधी बढ़त को परिष्कृत करने का तरीका। पैटर्न के किनारे के लिए एक पर्याप्त विस्तृत बढ़त जोड़ें और मोड़ की रेखा पर विस्तार देने के लिए सामने के भाग को उल्टी तरफ जोड़ें जो इंटरफेसिंग को एक मजबूत धार प्रदान करता है। हल्के या पारदर्शी कपड़ों में जहां सीवन भारी और दिखेगी, इस तरह की फेसिंग उपयोगी है।

27.कलाई की सीवनः एक दो टुकड़े के सामने के हिस्से को जोड़ने के लिए सिलाई।

28.झालर (फ्रिल): किसी भी चौड़ाई के कपड़े की एकत्र की हुई और एक किनारे के रूप में कपड़ा से जुड़ी हुई पट्टी।

29.गोडेटः स्कर्ट, आस्तीन और पतलून की किनारी में एक चमकदार या त्रिकोणीय पट्टी डालना।

30.कण्ठ रेखाः एक छोटी सिलाई जो अपने अंचल के लिए एक क्लासिक कॉलर को इसके छोर से जोड़ती है।

31.ग्रेडिंग आकारः शैली को बनाए रखने के लिए एक पैटर्न के दूसरे आकार से समायोजन के तरीके को संदर्भित करता है। वाणिज्यिक पैटर्न के उत्पादन में इस्तेमाल किया जाता है।

32.दानेः एक बुने हुए कपड़े में लंबाई के साथ पूरी चौड़ाई में फैलने वाले धागे की दिशा।

33. कलियांः गतिविधि में आसानी के लिए कपड़े के एक छोटे से टुकड़े को सीवन में डालना। हाथ को घुमाने की अनुमति देने के लिए कलीदार कुर्ता की आस्तीन में कलियां डालना सबसे अधिक आवश्यक है।

34.हाल्टरः गले की एक शैली जिसमें गर्दन के पीछे के आसपास से सामने बाँह के छेद (आर्म होल) तक एक पट्टा या कपड़े की एक बढ़त होती है।

35. पैबंद (पिसिंग): आकार को काटने से पहले कपड़े को जोड़ना। एक पैटर्न के टुकड़े के कपड़े की चौड़ाई की तुलना में विस्तृत होने की स्थिति में यह आवश्यक है ।

36. प्रिंसेस : शीर्ष के माध्यम से गुजर कर परिधान को आकार देने के लिए लंबाई में की गई सिलाई। यह सीवन बाँह के छेद (आर्म होल), कंधे और गले की रेखा से आरंभ हो सकती है। सिलाई को इसी के अनुसार नाम दिया जाता है। कंधे से शुरु होने वाली प्रिंसेस सीवन को शोल्डर प्रिंसेस कहा जाता है। इन रेखाओं के साथ बने कपड़ों को पैनल पोशाक भी कहा जाता है। प्रिंसेस और पैनल दोनों सीवनें आकार में होती हैं, क्योंकि इनमें चोली के डार्ट शामिल हैं और परिधान में एक नजदीकी फिट आवश्यक होने पर यह उपयोगी होता है।

37 राइजः. एक शब्द जो सामान्य रूप से पुरुषों की पतलून के संबंध में प्रयुक्त होता है, यह कमर के क्राच बिंदु से क्राच के सामने के सीवन की लंबाई को दर्शाता है।

38. आकार युक्त फेसिंगः एक कपड़े के किनारे आमतौर पर गले या आस्तीन की बढ़त को परिष्कृत करने के लिए प्रयुक्त कपड़े का आकार युक्त टुकड़ा है, जो आकार के अनुरूप होता है। परिधान की बढ़त को ट्रेस कर फेसिंग का आकार हासिल किया जाता है, फेसिंग की सीवन आम तौर पर परिधान की सीवन से मेल खाते हैं।

39. शिफ्ट (बदलाव): किसी भी लम्बाई की आमतौर पर बिना आस्तीन की एक सरल सीधी पोशाक।

40. सिकुड़नः सूती कपड़े को काटने से पहले धोया जाना चाहिए

41. वर्गाकार गर्दनः एक गले को सामने या पीछे की तरफ से वर्गाकार किया जा सकता है। गले को काफी उथला रखने पर ध्यान देना चाहिए ताकि इसमें कोई दरार न रहे।

42.स्टेः टेप, सिलाई के बंद या इंटरफेसिंग के रूप में कपड़े से जुड़ा एक अतिरिक्त टुकड़ा, जो एक सीवन के खिंचाव या आकार को कम करने के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

43.टेपरः आकार को अचानक कम करने की बजाय धीरे–धीरे कम करना जैसे– एक पतलून का पैटर्न।

44. तम्बू (टेंट): एक पोशाक या कोट के कंधों पर लगा आकार जो सीधे या बाहर की ओर ढलान युक्त हो।

45. ट्वायलः पैटर्न संतुलन और शैली सुविधाओं आदि की स्थिति की जांच करने के लिए एक पोशाक–स्वरूप पर मलमल में बना परीक्षण फिट। ट्वायल को अलग किया जा सकता है और पैटर्न के समायोजन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है या मूल पेपर पैटर्न पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

46. अंगरखाः बिना आस्तीन की एक साधारण छोटी पोशाक।

47. नीचे का कॉलरः कॉलर के नीचे का हिस्सा जो मुड़ता या घूमता है।

48. बिना दबी प्लीटेंः कपड़े की समान परतें जो एक छोर पर सिली जाती हैं लेकिन उस बिंदु से नीचे नहीं दबाया जाता है।

49. वेंटः एक जैकेट की पिछली किनारी पर बना कटाव, जो जैकेट के कटाव को खींचे बिना व्यक्ति को इसे पहन कर, घूमने, मुड़ने, बैठने और जेब का उपयोग करने की अनुमति देता है, स्कर्ट की किनारी पर बने कटाव को स्लिट कहा जाता है।

50. तानाः रोल या टुकड़ा की पूरी लंबाई में चलने वाले धागे, इन्हें सीधे दाने भी कहा जाता है। पैटर्न के अधिकांश टुकड़े इसी दाने पर काटे जाते हैं।

51. बानाः बुने हुए कपड़े की चौड़ाई में चलने वाले धागे जिसे भराई के धागे या सीधे धागे भी कहा जाता है। बाने के धागे अक्सर ताने के धागे की तुलना में कमजोर होते हैं।

52. झालरः एक जेब या धारीदार सीवन का एक विशेष प्रकार के परिष्करण।

53. लपेटना (रैप ओवर) : ब्लाउज, कपड़े, स्कर्ट और जैकेट की एक शैली, जहां सामने से एक पक्ष दूसरे पक्ष पर अतिव्याप्त (ओवर लेप) होता है और अक्सर एक बेल्ट से बांधा जाता है।

54. योकः परिधान का एक छोटा टुकड़ा, जो स्कर्ट या ट्राउजर की कमर पर या एक ब्लाउज या पोशाक के कंधों पर लगा होता है। एक योक का कार्यात्मक उद्देश्य है जो आम तौर पर एक क्षैतिज सीवन प्रदान करता है, जो परिपूर्णता को थामता है। वह सीवन लाइन जिससे योक परिधान के मुख्य टुकड़े से जुड़ा होता है, योक लाइन कहलाती है। इस सीवन लाइन को पाइपिंग, फीता, रिबन आदि से विस्तारित किया जा सकता है।

बुनियादी स्वरूप (पैटर्न) विकास

व्यावहारिक पुस्तिका

कक्षा–**XII**

विषय सूची

परिचय	63
व्यावहारिक – 1: बुनियादी चोली (बोडिस)	67
व्यावहारिक – 2: डार्ट में हेरफेर	70
व्यावहारिक – 3: सलवार	73
व्यावहारिक – 4: चूड़ीदार पायजामा	76
व्यावहारिक – 5: साड़ी ब्लाउज	79

व्यावहारिक – 6: बिना आस्तीन का साड़ी ब्लाउज 83
व्यावहारिक – 7: चोली ब्लाउज 84
व्यावहारिक – 8: गला 86
व्यावहारिक – 9: कमीज 90
व्यावहारिक–10: ए–लाइन कमीज 93
व्यावहारिक–11: कलीदार कुर्ता 95
व्यावहारिक–12: दो कली कुर्ता 98
व्यावहारिक–13: आस्तीन 101
व्यावहारिक –14: कॉलर 104
अनुसंलग्नक –1 107
अनुसंलग्नक –2 108
अनुसंलग्नक – 3 109
अनुसंलग्नक – 4 110

बुनियादी स्वरूप (पैटर्न) विकास

1. परिचय

पैटर्न विकास एक व्यापक विषय क्षेत्र है जिसमें संकीर्ण अर्थ में शैली विस्तार को शामिल करने की बजाय एक व्यापक अर्थ में पैटर्न निर्माण और तकनीक के सिद्धांतों को शामिल किया गया है। यह नियमित डिजाइनों और कल्पना युक्त पैटर्न दोनों के लिए शैलियों की अनंत किस्म की गुंजाइश बनाता है। पैटर्न निर्माण को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है अर्थात् सही ढंग से माप लेना और उसके साथ लागू की जाने वाली तकनीक का ज्ञान। त्रुटि और सुधार से पैटर्न बनाना सीखना कान से संगीत बजाना सीखने जैसा है।

यह एक तरीका है जिसमें एक पैटर्न के विकास के लिए शरीर या पोशाक के आकार की माप ली जाती है। एक तार्किक चरणबद्ध प्रक्रिया का अनुसरण कर, माप को एक पैटर्न में परिवर्तित किया जाता है। दूसरे शब्दों में यह प्रणाली पेपर पैटर्न को पूरा करने के लिए सटीक मापन पर निर्भर करती है। वहाँ असंख्य **डजाइन** है, जिन्हें व्यावहारिक कपड़ों के लिए प्राप्त किया जा सकता हैं। फ्लैट पैटर्न बनाने के लिए एक पोशाक स्वरूप के संयोजन में किया जाना चाहिए, ताकि डिजाइनों के विकास, अनुपात और परिधान में संतुलन पक्ष की साथ–साथ जांच की जा सके। फिट की जांच के लिए नमूने को एक मलमल ट्वायल पर (ट्वाल के रूप में उच्चारित), एक पोशाक स्वरूप या एक मानव चित्र पर स्थानांतरित करना महत्वपूर्ण है। माप की सटीकता और गति के साथ जटिल डिजाइन बनाने की वजह से आज पैटर्न काटने की फ्लैट प्रणाली का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

2. बुनियादी तैयारी

अभ्यास के प्रदर्शन के लिए पूर्व योजना और स्पष्टता आवश्यक है। व्यावहारिक प्रदर्शन से पहले नियमावलियों, उचित प्रयोगशाला पुस्तिकाओं और पाठ्यपुस्तकों को पढ़ें। प्रयोगशाला में काम करते समय सभी सावधानियों और नियमों का पालन करें। शिक्षक द्वारा दी गई किसी भी परिचयात्मक टिप्पणी और प्रयोगात्मक प्रक्रिया को ध्यान से सुनें। सुनिश्चित करें कि आपके काम का स्थान स्वच्छ और व्यवस्थित है, और सभी आवश्यक स्टॉक और सामग्री तैयार रखी गई है। अपने कार्य क्षेत्र में अनुशासन बनाए रखें।

3. परिणाम की रिकॉर्डिंग

परिणाम को विशेष देखभाल के साथ बड़े करीने और स्पष्टता से सिफारिश किए गए रिकॉर्ड फाइलों में दर्ज किया जाना चाहिए। अभ्यास को निम्न शीर्षकों के अंतर्गत रिकॉर्ड किया जा सकता है।

1. परिचय / उद्देश्य
व्यावहारिक कार्य के उद्देश्य और लक्ष्य को दो या तीन वाक्यों में स्पष्ट रूप से बताएं।

2. सामग्री और विधियाँ
उपकरण, सामग्री, आदि आवश्यक वस्तुएं यहां दी जानी चाहिए। इसके अलावा, इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक के सिद्धांत के साथ तरीकों को भी वर्णित किया जाना चाहिए।

3. नमूना / परिणाम
परीक्षण फिटिंग के बाद सुधारे गए पेपर पैटर्न को नामित किया जाना चाहिए और बड़े करीने से तह करके एक पारदर्शी लिफाफे में रख कर यहाँ संलग्न करें।

एक पैटर्न में शामिल होने वाली चीजें हैं:–

♦ दाने की रेखा (ग्रेन लाइन)

♦ बीच के सामने या बीच के पीछे का हिस्सा

♦ पैटर्न सेट का स्टाइल नंबर या कोड संख्या विकसित की जा सकती है, जैसे एबी 01, यहां एबी परिधान के प्रकार की पहचान और 01 पूरे सेट के टुकड़ा के संख्या की पहचान है। अगर एक परिधान में पैटर्न के 5 टुकड़े हैं, तो टुकड़ों को एबी 01, एबी 02, एबी 03, एबी 04 और एबी 05 के रूप में संख्या दी जाएगी।

♦ स्वरूप (पैटर्न) का टुकड़ा जैसे स्कर्ट का सामने का हिस्सा, स्कर्ट का पीछे का हिस्सा, सामने का पक्ष आदि

♦ आकार जैसे कि 32,34,36, या एस, एम, एल इत्यादि

♦ काटने से संबंधित सूचना – स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए कि कितने टुकड़े काटे जाने हैं जैसे कि कट 1, कट 2, मोड़ पर कट।

♦ नॉचेज– वे निशान जो परिधान के वर्गों को सही ढंग से इकट्ठा करने में मदद के लिए जरूरी हैं।

♦ दिशात्मक कपड़े – ऐसे कपड़े जो फूलों के प्रिंट, धारियों, लोई, मखमल, फर आदि के रूप में एक ही दिशा में डिजाइन किए गए हैं, उनके लिए पैटर्न पर एक प्रतीक एक तरफ से काटें या (?) संकेत दिया जाना चाहिए।

♦ तारीख – एक संदर्भ बिंदु के रूप में संकेतित ।

♦ सिलाई पर बढ़त

सिलाई पर बढ़त

सीवन बढ़त की राशि में प्रत्येक सीवन **रेखा** के लिए आवश्यक स्थान और अंतिम उद्देश्य के आधार पर भिन्नता हो सकती है। आम तौर पर इन मापों का अनुसरण किया जाता है –

¼'' तीखे वक्रों के लिए

½" गले की रेखा, बाँह के छेद (आर्म होल), कमर, स्टाइल के लिए।

1'' बगल की सिलाई, मध्य रेखा, कंधे, प्लेकेट्स के लिए।

2'' सीधी किनारी के लिए।

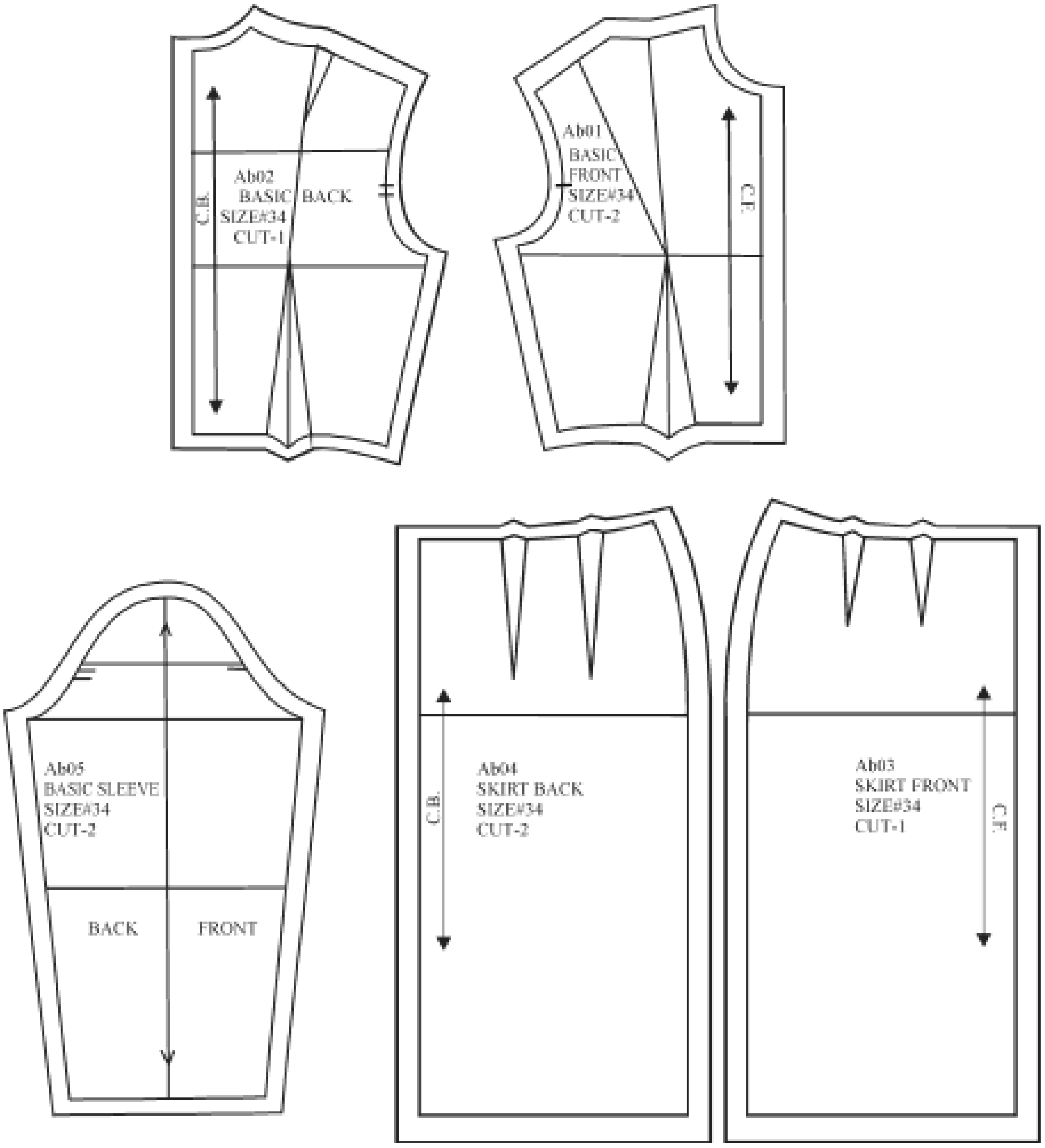

एबी 02
बुनियादी
पीछे का हिस्सा
आकार # 34
कटाव–1

एबी01
बुनियादी
आगे का हिस्सा
आकार#34
कटाव 1

एबी05
बुनियादी
आस्तीन
आकार#34

कटाव –2
पीछे   आगे

एबी 04
स्कर्ट के पीछे का हिस्सा
आकार#34
कटाव –2

एबी03
स्कर्ट के आगे का हिस्सा
आकार#34
कटाव–1

प्रतीक और संक्षेपण

सामने का केंद्र	सीएफ
पीछे का केंद्र	सीबी
दाने(ग्रेन) की रेखा	
नॉचेज	
बटन	
बटन का छेद	
सामने	एफ
पीछे	बी
आकार	डब्ल्यूएल
बगल का छेद जिसमें आस्तीन लगाई जाती है	एएच
बगल की सीवन	एसएस
गले की रेखा	एनएल
कंधा	एसएच
दुतरफा दाने (ग्रेन) की रेखा	
एक तरफ दाने (ग्रेन) की (ग्रेन) रेखा	

4. चर्चा और निष्कर्ष

यहां, फिट की जाँच की व्याख्या की जानी चाहिए और अपने शिक्षक के साथ चर्चा के बाद निष्कर्ष निकाले जाने चाहिए।

5. संदर्भ

प्रयोग के लिए देखी जाने वाली पठन सामग्री को संदर्भ के रूप में दिया जा सकता है (उदाहरण के लिए आपकी प्रयोगशाला नियमावली) लेखक और किताब के नाम के साथ–साथ, संदर्भित पृष्ठ और प्रकाशन का वर्ष।

प्रयोगशाला में सुरक्षा नियम

- ♦ सुरक्षा हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है और काम की जगह को सुरक्षित बनाए रखना हर एक की जिम्मेदारी है।
- ♦ जब संदेह हो, शिक्षक से पूछें।
- ♦ किसी भी चोट या दुर्घटनाओं की शिक्षक से तुरंत रिपोर्ट करें।
- ♦ काम के स्थान के साथ उपकरण किट के सभी उपकरणों को साफ रखें।
- ♦ कक्षा के अंत में इस्त्री को बंद कर दें।

♦ इस्त्री बोर्ड के कवर को जलने से बचाने के लिए इस्त्री को हमेशा लोहे के पैड पर रखें।
♦ कतरने या काटने के समय सभी कतरनों और कागजों को कचरे की टोकरी में डालें।
♦ कैंची को किसी और व्यक्ति को देते समय हमेशा हत्थे की ओर से दिया जाना चाहिए।
♦ कभी भी कैंची या उपकरण को उछालें या फेंक नहीं।
♦ कार्य क्षेत्र में खाना–पीना न करें।

व्यावहारिक – 1 बुनियादी चोली (बॉडिस)

उद्देश्य

एक बुनियादी चोली को विकसित करना और उसकी फिटिंग की जाँच

सिद्धांत
ब्लॉक सामान्य रूप से एक विशिष्ट रूप या सुविधा के आयाम का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें शरीर की आकृति में फिट होने के लिए डार्ट्स होते हैं लेकिन कोई अन्य डिजाइन सुविधा नहीं होती है। यह एक आधार है जिसका एक डिजाइन का पैटर्न बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है और कोई सीवन बढ़त नहीं होती है।

यह महत्वपूर्ण है कि डिजाइन के लिए सही ब्लॉक को चुना जाए इससे अनुकूलन के दौरान समय की बचत होने के साथ–साथ ये अंतिम आकार को भी प्रभावित कर सकता हैं। बुनियादी ब्लॉकों को आकार तालिका में सूचीबद्ध मानक माप की बजाय व्यक्तिगत माप का उपयोग करके अलग–अलग विशेषताओं **में** फिट करने के लिए मसौदा तैयार किया जा सकता है।

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया
महिलाओं की बुनियादी चोली का पैटर्न विकसित करने के लिए **अनुसंलग्नक** –1 में दी गई माप तालिका का उपयोग करे या एक पोशाक अथवा शरीर की माप लें। एक कागज को मोड़ पर काटें, जिसकी लंबाई सामने की लंबाई में 3′′ जोड़ा गया हो और चौड़ाई वक्ष की चौड़ाई के आधे के साथ 4इंच जोड़ा गया हो।

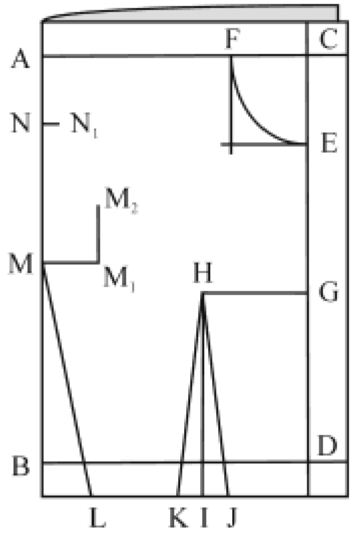

कागज को चौड़ाई की ओर से बाएं हाथ की तरफ मोड़ें और शीर्ष बढ़त पर 1 इंच के दिशानिर्देश से चिह्नित करें, चित्र के अनुसार ए से अंकित करें।
ए से बी =   सामने की लंबाई
ए से सी = बी से डी = सामने की चौड़ाई (+1/2इंच पोशाक के स्वरूप शरीर में आराम के लिए जोड़ा जाएगा)

सी से डी को मिलाएं
डी से ई को चिह्नित करें = सामने के केंद्र की लंबाई के लिए
सी ई सामने के गले की गहराई है।
गर्दन की चौड़ाई के लिए सीएफ = सीई–1/8 इंच चिह्नित करें
इन बिंदुओं से रेखाओं को समान करें।
चित्र के अनुसार गले का वक्र खींचें, एक फ्रांसीसी वक्र का उपयोग करें,
जी = डी ई का मध्य बिंदु
जीएच = शीर्ष माप
एच से एल तक एक रेखा खींचें
डी जे को चिह्नित करें= प्रिंसेस लाइन माप के लिए सामने का केंद्र
आईके = आई जे, जे और के को एच से मिलाएं

केएल = सामने की कमर की रेखा के माप से डीजे घटाएं (+1/8 इंच पोशाक के स्वरूप शरीर में आराम के लिए जोड़ा जाएगा)

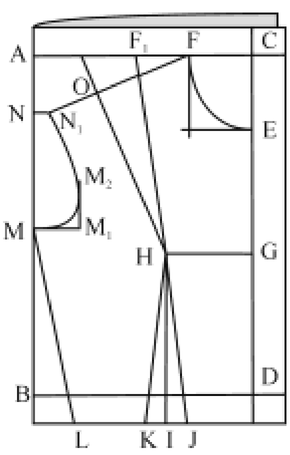

एलएम = हाथ की सिलाई में लंबाई के नीचे। चित्र के अनुसार जोडें
एम से एम1 = एम1 से एम2 = 21/2 इंच, चित्र के अनुसार समान करें
बी से एन = कंधे से कमर तक की माप के लिए (+3/4 इंच पोशाक के स्वरूप शरीर में आराम के लिए जोड़ा जाएगा)
एन से एन1= 1/2''
चित्र के अनुसार सामने का आर्म होल वक्र बनाएं
एफ को एन1 से मिलाएं
एफ से एफ1 को चिह्नित करें और एन1 को ओ से मिलाएं = कंधे के माप का 1/2
एच को एफ1 और ओ को एच से जोडें।
कागज के दूसरे आधे भाग पर बी डी रेखा, एल एम रेखा और एम एम 1 रेखा अंकित करें।
कागज के दूसरी आधे भाग पर एम एम 1 लाइन को बढ़ाएं।
बी से जेड को चिह्नित करें = पीछे की चौड़ाई (1/2 इंच पोशाक के स्वरूप शरीर में आराम के लिए जोड़ा जाएगा)

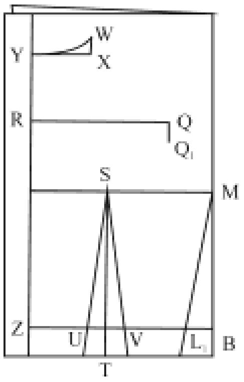

वाई से जेड= पीछे के केंद्र की लंबाई
वाई से एक्स = सीएफ
एक्स से डब्ल्यू = 7/8 इंच, चित्र में दर्शाए गए रूप में पीछे के गर्दन का वक्र बनाएं।
जेड से एल1 को मापें और पीछे की कमर की रेखा के माप से इसे घटाएं (1/8 इंच पोशाक के स्वरूप शरीर में आराम के लिए जोड़ा जाएगा)
अंतर यू पर डार्ट के रूप में लिया जाना चाहिए
जेड से यू = प्रिंसेस लाइन माप के लिए पीछे का केंद्र ।
यू से वी को चिह्नित करें = डार्ट इनटेक, टी, यू और वी का मध्य बिंदु है
टी से एस को समान करें, एस को यू और वी से जोडें
वाई आर को चिह्नित करें = 1/4 पीछे के केंद्र की लंबाई
आर क्यू = पीछे से कंधे (ब्लेड) का माप।
क्यूक्यू1 = चित्र में दर्शाए गए रूप में 1इंच गाइडलाइन खींचें
सामने डब्ल्यू को एन1 से जोड़ें
डब्ल्यू से पी = 1/2" कंधा. 1/8''
पी से पी 1 = 3/4''
पी1 से पी2 = डब्ल्यू से पी (1/2 कंधा. + 1/8'')
पी को एस से जोड़ें
पी1 को पी3 से इस तरह जोडें कि पी3 कंधे के ब्लेड की लाइन (आरक्यू) से 1 इंच ऊपर रहे।

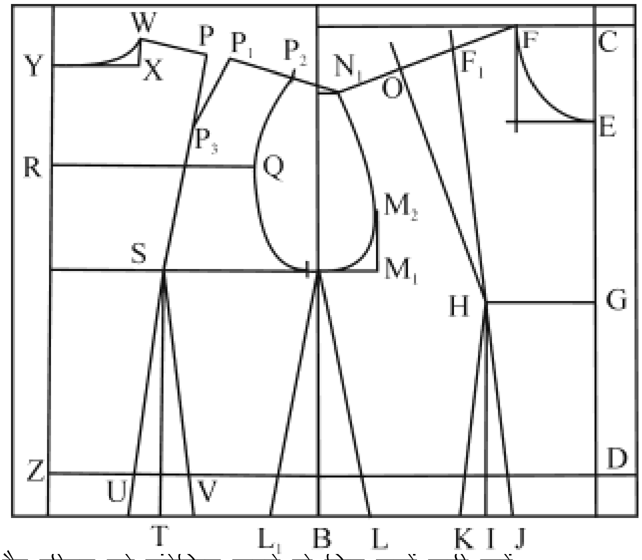

चित्र में दर्शाए गए रूप में आर्म होल बनाएं
रेखाओं या डार्ट्स को शरीर के आकार के अनुरूप करने के लिए या डार्ट के पैर और सीवन को संरेखित करने के लिए उन्हें सही करें

या उनकी पुष्टि करें
सामने का कंधा
कंधे के डार्ट को शीर्ष पर मोड़ें, डार्ट के दो पैरों को गले की ओर मुड़े किनारे पर रखते हुए डार्ट के सिरों को सीधी रेखा के साथ बाँह के छेद (आर्म होल) की बढ़त से मिलाएं। मोड़ी हुए बढ़त को अंकित करने के लिए एक ट्रेसिंग पहिये का उपयोग करें।

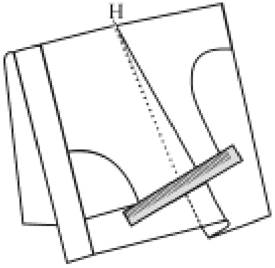

पीछे का कंधा

कंधे के डार्ट को शीर्ष पर मोड़ें, डार्ट के दो पैरों को गले की ओर मुड़े किनारे पर रखें

सचित्र के रूप में एक फ्रेंच वक्र फ्रांस की मदद से कंधे की रेखा बनाएं, बाँह के छेद (आर्म होल) के किनारे पर 1/8 इंच छोड़ें।

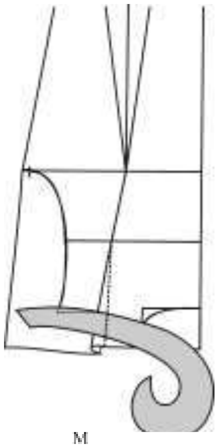

कमर

पैटर्न को शीर्ष रेखा पर मुड़ा हुआ रखते हुए कमर की रेखा के दोनों डार्ट्स को (डार्ट के पैरों को मिला कर) बगल की सीवन के पास मोड़ें। यह सच है कि एक फ्रांसीसी वक्र की मदद से कमर लाइन डार्ट्स और पक्ष सीवन को मिलाकर कमर को सही करें। चित्र के अनुसार बगल की सीवन को ¼ इंच नीचे लाया जाना चाहिए।

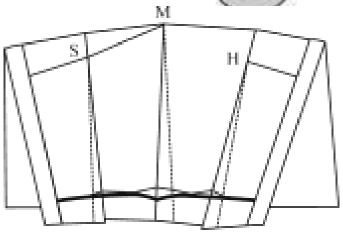

सामने का कंधा
पीछे का कंधा
कमर
पिछला भाग आगे का भाग
तैयार पैटर्न

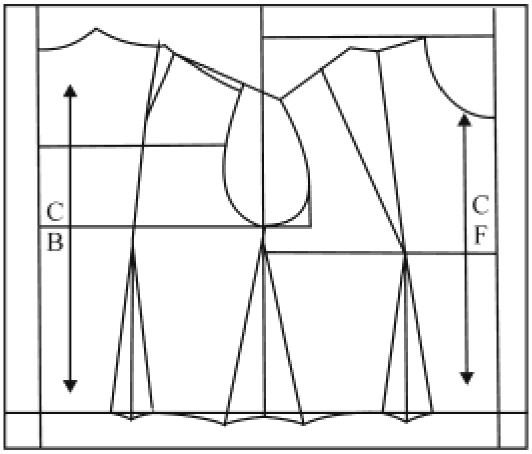

FINISHED PATTERN

पर्यवेक्षण

आपके लिए विकसित चोली ब्लॉक की फिट का परीक्षण और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि कोई हो, आवश्यक परिवर्तन करें और अंतिम पैटर्न बनाएं।

मौखिक प्रश्न

1. चोली ब्लॉक के विकास के लिए महत्वपूर्ण माप क्या हैं?
2. आप कैसे सुनिश्चित करेंगे कि चोली की फिटिंग अच्छी है?

व्यावहारिक – 2: डार्ट में बदलाव

उद्देश्य
डार्ट के हेरफेर के माध्यम से विभिन्न डार्ट स्थापित कर चोली विकसित करना और उसके फिट की जाँच।

सिद्धांत

डार्ट में हेर फेर पैटर्न निर्माता के लिए दिलचस्प, नवीन डार्ट प्लेसमेंट और शैली लाइनों को बनाने का एक उपयोगी और दिलचस्प उपकरण है।डार्ट्स की स्थिति में परिवर्तन विभिन्न स्थानों पर डार्ट का प्रयोग कर कपड़ों में रोचकता पैदा करता है। धारीदार कपड़े पर इसी तरह की तकनीक का उपयोग करके जहां एक डार्ट धारीदार पैटर्न को एक नया आयाम देता है, इसे बढ़ाया जा सकता है। डार्टो को शैली लाइनों के रूप में, नए डार्ट्स है, टक्स, प्लीट्, गेदर्स, योक, आदि में परिवर्तित किया जा सकता है। इन बदलावों से परिधान का बुनियादी फिट नही बदलता है।

आवश्यक वस्तुएं

पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

काटने और प्रसार की विधि

काटने और प्रसार विधि में, जैसा कि नाम से स्पष्ट है पैटर्न स्लॉपर को घटा कर या वांछित लाइन पर काट कर पुराने डार्ट या अतिरिक्त को बंद कर दिया जाता है। पैटर्न नए डिजाइन बनाने के लिए खुद नए स्थान पर फैलता है। नए डार्ट की स्थितियों में से कुछ यहाँ दर्शाई गई हैं।

1.कंधे से कमर तक डार्ट

डार्ट के दो बुनियादी ब्लॉक लें, नई डार्ट स्थिति अर्थात् कमर डार्ट को काटें। कंधे के डार्ट को मोड़ें और बंद करें। अलग शीट पर नए पैटर्न बनाएं।

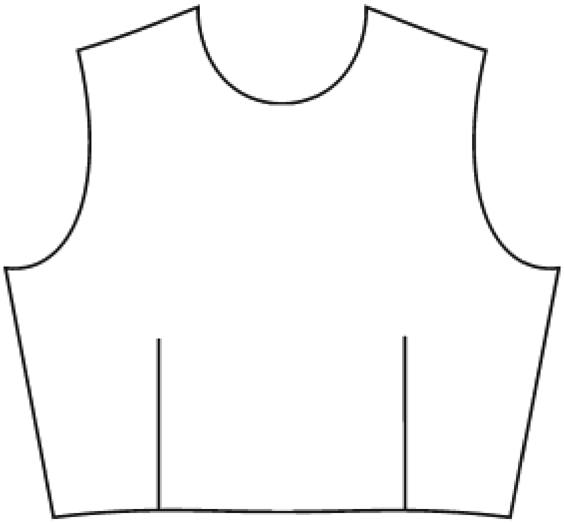

Design

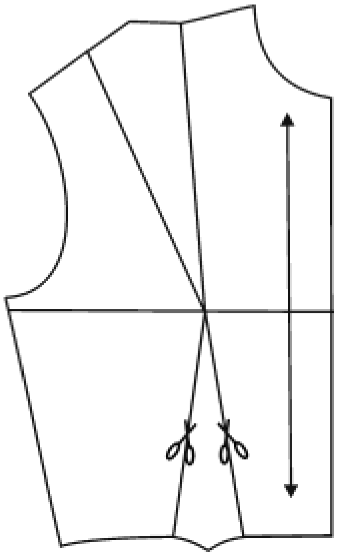

Basic Block

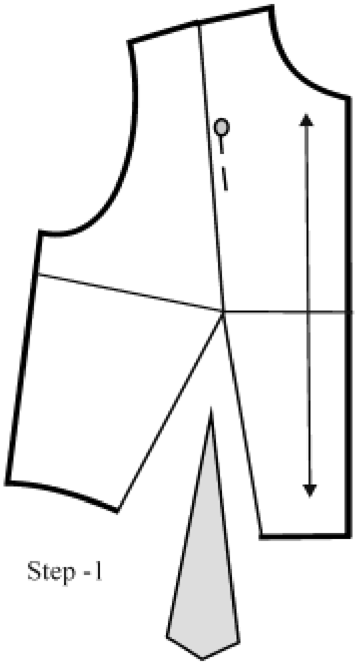

Step -1

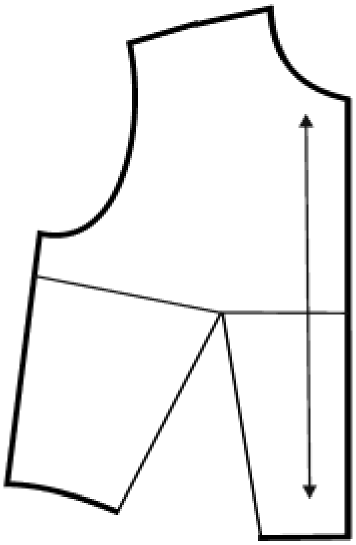

Step -2

डिजाइन
बुनियादी ब्लॉक

कदम –1

कदम – 2

2. कमर की डार्ट से सामने के केंद्र तक
एक डार्ट चोली ब्लॉक लें। डार्ट की नई स्थिति बनाएं, पुराने डार्ट को बंद करें। अलग शीट पर पैटर्न अंकित करें।

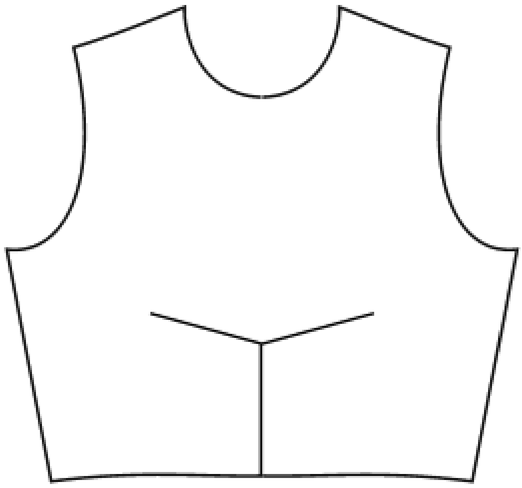

Design

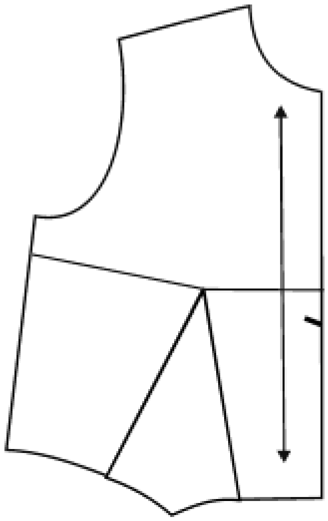

One Dart Block

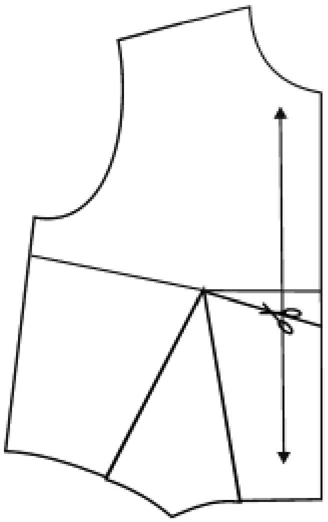

Step -1

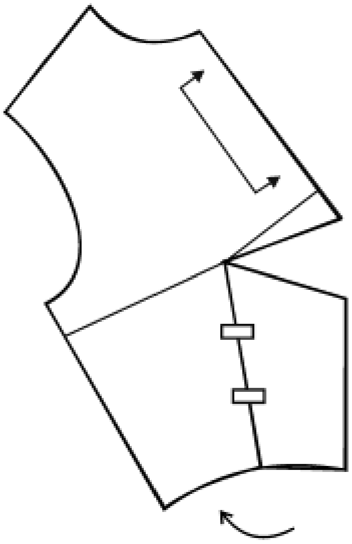

Step -2

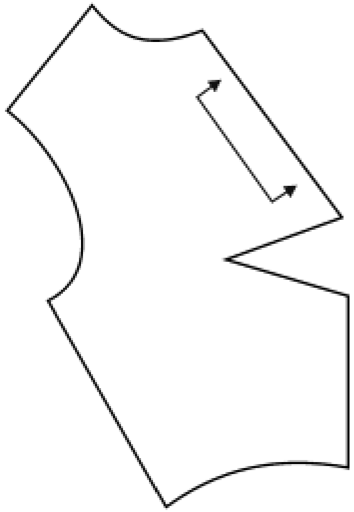

Step -3

डिजाइन

एकल डार्ट ब्लॉक

कदम–1

कदम–2

कदम–3

3. कंधे के डार्ट से बाँह के छेद (आर्महोल) के बगल की सिलाई

बुनियादी चोली ब्लॉक के दो डार्ट लें। नई डार्ट स्थिति बनाकर, पुराने डार्ट बंद करें। अलग शीट पर पैटर्न को अंकित करें। कंधे के डार्ट से बगल के बाँह के छेद (आर्म होल) की सीवन तक।

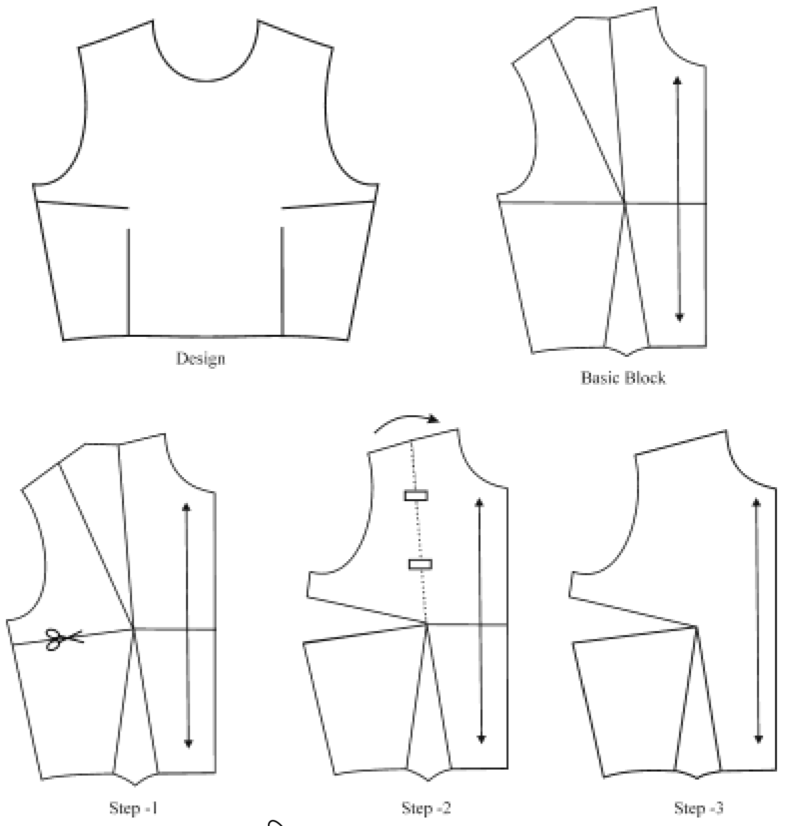

डिजाइन

बुनियादी ब्लॉक

कदम–1

कदम–2

कदम–3

पर्यवेक्षण

आपको डार्ट के हेरफेर से विकसित नमूने की फिटिंग की जाँच करनी होगी, और मलमल पर फिट की जांच करना आवश्यक हैं। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. डार्ट हेरफेर क्यों महत्वपूर्ण है?
2. काटने और प्रसार विधि का उपयोग करते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?
3. क्या परिधान बुनियादी ब्लॉक की तरह अच्छी तरह से फिट है, अगर नहीं तो इसका क्या कारण हो सकता है?

व्यावहारिक – 3: सलवार

उद्देश्य

एक सलवार का पैटर्न विकसित करना

सिद्धांत

सलवार को बुनियादी ज्यामितीय आकृतियों से बनाया जाता है, जिसमें **कपड़े** की चौड़ाई का उपयोग किया जाता है जिससे कपड़े का अपव्यय न हो। इसके अलावा सलवार के डिजाइन में समझदारी से पैटर्न रखने और कपड़े की विविधताओं की विभिन्न चौड़ाई का उपयोग करना संभव है, जैसे कि पटियाला सलवार की डिजाइन में अधिक चौड़ाई के कपड़े का उपयोग होता है, साइड पैनल या कली 45 इंच की चौड़ाई वाले कपड़े पर काटी जाती है, एक पेशावरी सलवार पटियाला सलवार की दोहरी चौड़ाई के साथ काटी जाती है।

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया
बेल्ट के साथ सलवार
आवश्यक माप

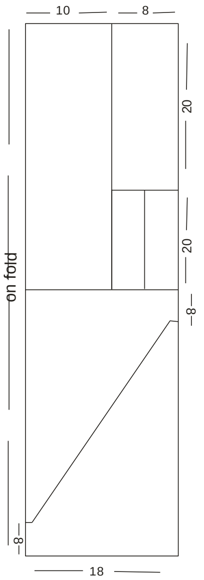

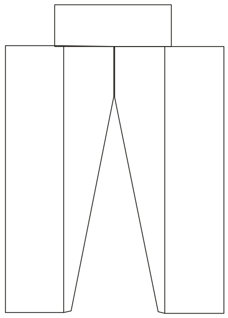

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	सलवार की लंबाई	40''	माप के अनुसार
2	कूल्हे की गोलाई	36''	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	नीचे की गोलाई	12''	आवश्यकता अनुसार

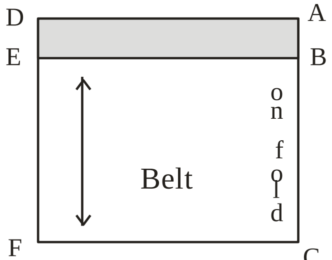

बेल्ट के लिए
मोड़ पर एसी रेखा बनाएं जहाँ एबी 2 इंच हो।
बीसी कूल्हे की गोलाई का छठा भाग.1इंच होगा।

(या बेल्ट की आवश्यक लंबाई यानि 6'' –8'')
चित्र के अनुसार डी से वर्ग बनाएं और सी से जोड़ें,
ई और एफ के साथ चिह्नित करें।

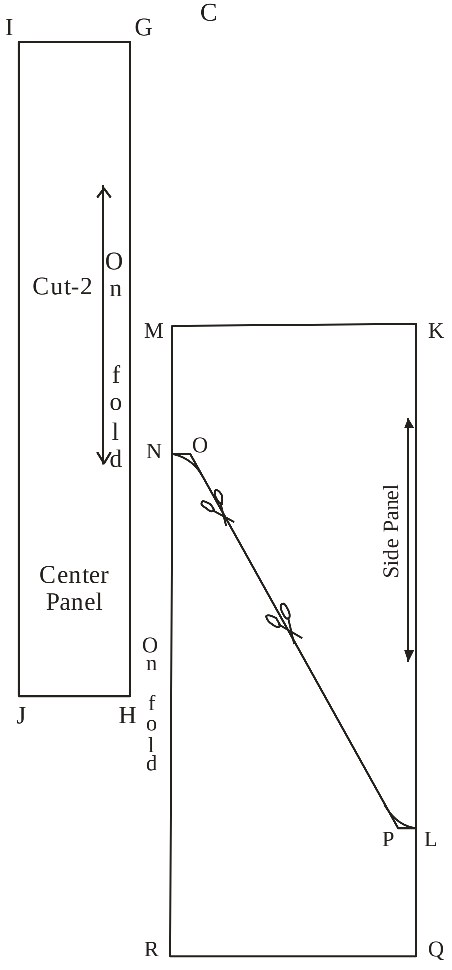

सलवार के केंद्रीय पैनल के लिए

मोड़ पर जीएच खींचें, जहाँ जीएच =पूरी लंबाई –बीसी़ 3/4''
''जीआई= नीचे की किनारी का 1/2''.3/4''
समान करें और एक आयत जीएचआईजे बनाएं
यह सलवार का केंद्रीय पैनल होगा। इनमें से दो काटें

सलवार के साइड पैनल के लिए
केएल = जीएच खींचे
केएम = कूल्हे की गोलाई का 1/2'' या कपड़े की चौड़ाई का 1/2''
मोड़ पर एमएन चिह्नित करें, लंबाई–बीसी का एक तिहाई
एनओ = 3/4''
एलपी = 3/4''
ओ पी को मिलाएं और चित्र के अनुसार वक्र बनाएं
केएल को क्यू तक बढ़ाएं
जहां एलक्यू = एमएन
क्यूआर = केएम
एनआर को मोड़ पर रखते हुए एनआर को एक सीधी रेखा से जोड़ें
एमएनओपीएल काटें और एमएनआर पर काट कर चार पैनलों में विभाजित करें
डी ई

बेल्ट
ए
जी
कटाव–2
ओ
केंद्रीय पैनल
के

चित्र के अनुसार सलवार को जोड़े

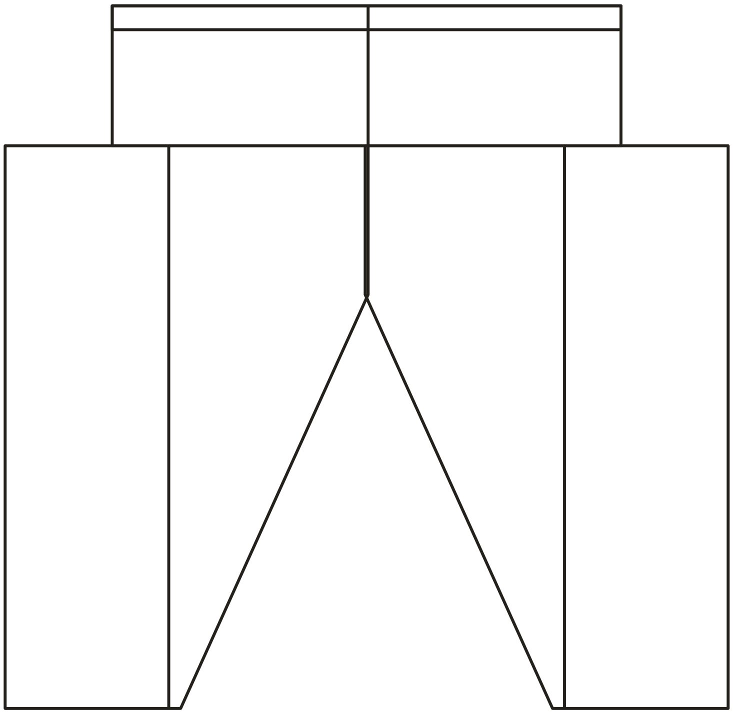

पारंपरिक विधि से एक सलवार के लिए 2.5 मीटर कपड़े की आवश्यकता होती है।

पर्यवेक्षण
आपके लिए विकसित सलवार के फिट की जांच आवश्यक है, मलमल पर फिट की जांच करें। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न
1. सलवार के एक अच्छे फिट के लिएकौन सी वस्तुएं आवश्यक हैं?
2. एक सलवार बनाते साय किन बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जैसा आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसका क्या कारण हो सकता है?

व्यावहारिक – 4 चूड़ीदार पायजामा

उद्देश्य
एक पायजामा का पैटर्न विकसित करना

सिद्धांत

पारंपरिक रूप से चूड़ीदार पायजामा एक बहुत ही रोचक ढंग से काटा जाता है, कपड़े को मोड़ कर सिला जाता है और एक थैले का आकार बनाया जाता है जहां पूरा कपड़ा एक दाने पर झुका हो इस प्रकार चूड़ीदार बहुत अच्छी तरह से फिट हो सकता है और फिर भी पहनने वाले को हिलने–डुलने में आराम देता है। इस विधि में साढ़े पाँच फुट की औसत ऊंचाई, की एक वयस्क महिला के लिए, 36 इंच की सामान्य चौड़ाई के केवल 1.75 मीटर कपड़े की आवश्यकता होती है।

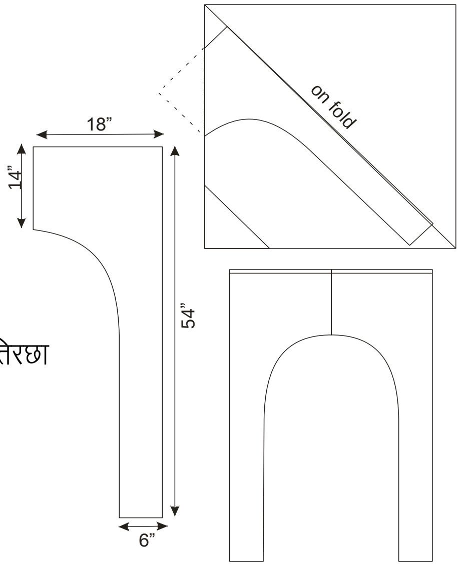

पायजामे के आधुनिक संस्करण को आधी लंबाई में कपड़े के दो तहों से काटा जाता है और फिर इसे तिरछा तह करके काटा जाता है।

आवश्यकता

पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया

चूड़ीदार पायजामा का पैटर्न

क्र.सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	चूड़ीदार की लंबाई –	50 3/4''	कमर से नीचे की ओर टखने तक की लंबाई मापें और 7''–10'' जोड़ें
2	कूल्हों की गोलाई	36''	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	टखने की गोलाई	12	एड़ी पर माप
4	घुटने की गोलाई	15	माप के अनुसार

बेल्ट के लिए

मोड़ पर एक रेखा खींचें, जहां एबी 2'' है

बीसी = कूल्हे की गोलाई का1/6 + 1

(या बेल्ट की आवश्यक लंबाई यानी 6''–8'')

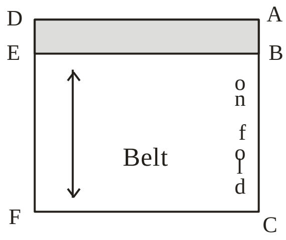

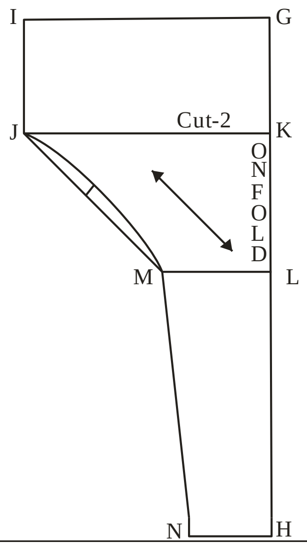

एक वर्गाकार रेखा एडी = कूल्हे की गोलाई का 1/2 + 21/2''

डी से नीचे एक वर्ग बनाएं और रेखा को सी के साथ मिलाएं

ई और एफ को चित्र के रूप में चिह्नित करें

चूड़ीदार के लिए

एक रेखा जीएच खींचे = चूड़ीदार की लंबाई से बीसी घटाएं, मोड़ पर

जीआई = 1/3 या कूल्हे की गोलाई

आईजे = लंबाई का 1/3 –बीसी

जीके = आईजे

जीएल = चूड़ीदार की लंबाई का 1/2 –1''

यह घुटने का स्तर है

एल से एक रेखा खींचें

एलएम = 1/2 घुटना 3/4''

एचएन = 1/2 एड़ी पर मापी गई टखनेकी गोलाई1/2''

जेएम को एक सीधी रेखा से मिलाएं और इसे अंदर की ओर 1 1/2'' से वक्र बनाएं

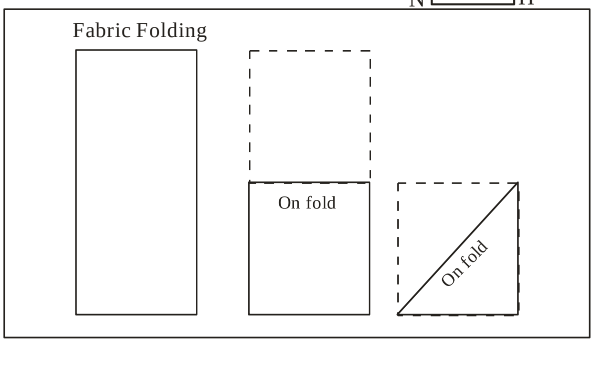

एमएन को एक सीधी रेखा से मिलाएं
कपड़े को तह करना और पैटर्न बनाना
चूड़ीदार हमेशा झुकाव पर काटा जाता है।
2 1/2 मीटर कपड़ा लें और इसे आधी लंबाई में मोड़ें, फिर इसे तिरछा मोड़ें।
पैटर्न को चित्र के रूप में रखें और चूड़ीदार को जोड़ें ।

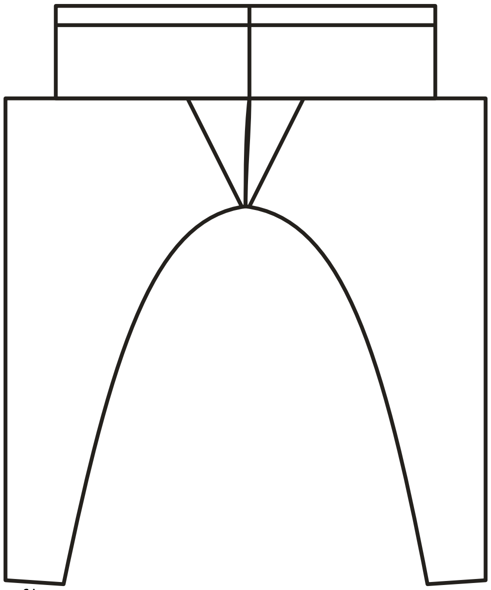

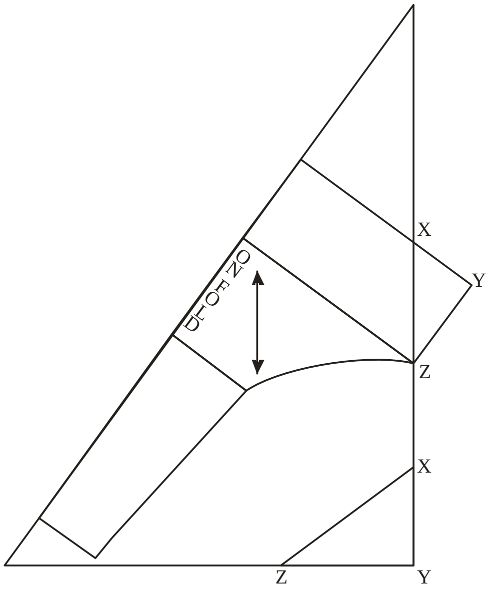

पर्यवेक्षण
आपके लिए विकसित पायजामे के फिट की जांच आवश्यक है, मलमल पर फिट की जांच करें। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न
1. चूड़ीदार पायजामे के एक अच्छे फिट के लिए कौन सी वस्तुएं आवश्यक हैं?
2. परिधान बनाते **समय** किन बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जैसा आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसका क्या कारण हो सकता है?

व्यावहारिक – 5 साड़ी ब्लाउज

उद्देश्य

एक साड़ी ब्लाउज का पैटर्न विकसित करना

सिद्धांत

साड़ी के साथ पहने जाने वाले ऊपरी परिधान को साड़ी ब्लाउज कहा जाता है। इसकी अनूठी विशेषता है कि यह शरीर पर एक दूसरी त्वचा की तरह फिट बैठता है। जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह साड़ी के ही रंग के एक बुनियादी रूप में हो सकता है। यह अलग रंग, विपरीत रंग का हो सकता है और यहां तक कि एक बयान बनाने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है।

आवश्यक वस्तुएं

पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया

साड़ी ब्लाउज

आवश्यक कपड़ा –1 लंबाई.1 आस्तीन की लंबाई. 5''(90 सेमी चौड़ाई का कपड़ा)

क्र.सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	ब्लाउज की लंबाई	143/4''	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	34 3/4''	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	कमर	27 3/4''	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कंधा	14''	माप के अनुसार
5.	आस्तीन की लंबाई	10 1/2"	माप के अनुसार
6.	आस्तीन की गोलाई	9 1/4"	फीते और शरीर के बीच एक अंगुली के साथ
7.	वक्ष का स्तर	9½ "	माप के अनुसार
8.	क्रॉस बैक (पीठ)	14 1/4"	माप के अनुसार
9.	वक्ष का स्तर	9 1/2"	माप के अनुसार
10	दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी	7 1/2"	माप के अनुसार

ब्लाउज के आगे और पीछे के हिस्से के लिए

ब्लाउज की लंबाई के बराबर एक रेखा एबी खींचें।

बिंदु 'ए' से सी तक वर्ग बनाएं
एसी का निशान लगाएं जो पीछे के आध् भाग के बराबर हो
एबी रेखा पर, एडी का निशान लगाएं एडी = वक्ष का 1/4–1'' (36'' के वक्ष के आकार के लिए) और वक्ष का1/4 –11/2" (36'' से अधिक के वक्ष के आकार के लिए)
यह बाँह के छेद (आर्म होल) का स्तर है और इस रेखा को बाँह के छेद (आर्म होल) की रेखा कहा जाता है।
बाँह के छेद (आर्म होल) की रेखा पर।
डीई चिह्नित करें– वक्ष का 1/4. =3/4'' सामने के लिए (सामने का भाग बड़ा है क्योंकि यह वक्ष की पुष्टता के लिए स्थान बनाता है)।
डीएफ चिह्नित करें – वक्ष का 1/4 + 1/2" पीछे के लिए (वक्ष न होने की वजह से पीछे का भाग छोटा है).
बीजी चिह्नित करें – कमर का1/4 + 11/2" (कमर के डार्ट और आराम के लिए)।
ब्लाउज की बगल की सीवन के लिए ईजी और बीजी को मिलाएं।
जे चिह्नित करें, जहां एजे = सामने के गर्दन की गहराई के लिए वक्ष का 1/12

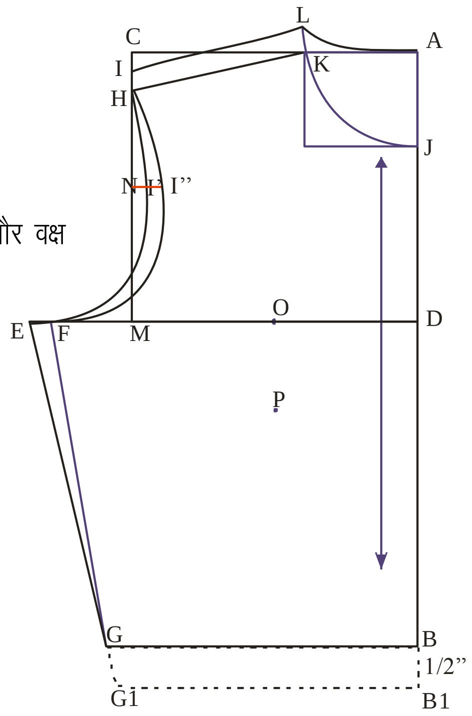

1. साधारण ब्लाउज

एके=एजे जहां एके गले की गहराई है
गले के लिए केजे को मिलाएं (यह बुनियादी जुएल गला है, गले की शैलियों और अलग अनुपातों की विभिन्नताओं के लिए **अध्याय** के अगले **आधे** भाग को देखें)
के से केएल चिह्नित करें = 3/4'' ऊपर, पीछे के गले के लिए। पीछे के गले के लिए चित्र के अनुसार एलए को जोड़ें।
सी से बाँह के छेद (आर्म होल) के स्तर तक एक वर्ग बनाएं। इस रेखा पर इसे एम के रूप में चिह्नित करें।
सीएच=1'' कंधे की ढलान के लिए, सामने के कंधे के लिए केएच को जोड़ें।
सीएल = 1/2'' पीछे से कंधे के ढलान के लिए, पीछे से कंधे के लिए एलआई को जोड़ें।
(ध्यान दें कि कंधे के आगे और पीछे की गहराई अलग– अलग है, इसे एक शरीर और पोशाक फार्म पर सत्यापित करें)
एचएमएन के मध्य बिंदु का पता लगाएं और सामने के बाँह के छेद (आर्म होल) के लिए 3/4 इंच अंदर जाएं तथा पीछे के बाँह के छेद (आर्म होल) (एन') के लिए ¼" और दिखाए गए रूप में वक्र बनाएं। (आगे का वक्र गहरा है और पीछे का वक्र सीधा है)
ओ डीएम का मध्य बिंदु है (अगर आपने एक व्यक्ति पर सही ढंग से शीर्ष का माप लिया है, आप दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी को ओडी के रूप में चिह्नित कर सकते हैं।)
ओपी= वक्ष का 1/12 – 1/2''शीर्ष स्तर के लिए।
आप शरीर को भी माप सकते हैं और इस पुस्तक के ''माप लेने के समय ध्यान में रखी जाने वाली बातें'' के अंतर्गत समझाए गए तरीके से बिंदु पी को चिह्नित कर सकते हैं।
शीर्ष बिंदु पी से, चित्र के रूप में सामने के केंद्र, कमर और बगल की सीवन से शीर्ष से 1 ¼ " की दूरी तक डार्ट्स का निशान लगाएं।
शीर्ष बिंदु पी से, चित्र के रूप में सामने के केंद्र, कमर और बगल की सीवन से शीर्ष से 1 ¼ " की दूरी तक डार्ट्स का निशान लगाएं।
बाँह के छेद (आर्म होल) का डार्ट कम से कम 1 ½" दूर होना चाहिए।
बाँह के छेद (आर्म होल) की चौड़ाई, बगल की सीवन और सामने के केंद्र के डार्ट प्रत्येक की चौड़ाई ½" और कमर के डार्ट की चौड़ाई 1½" है।

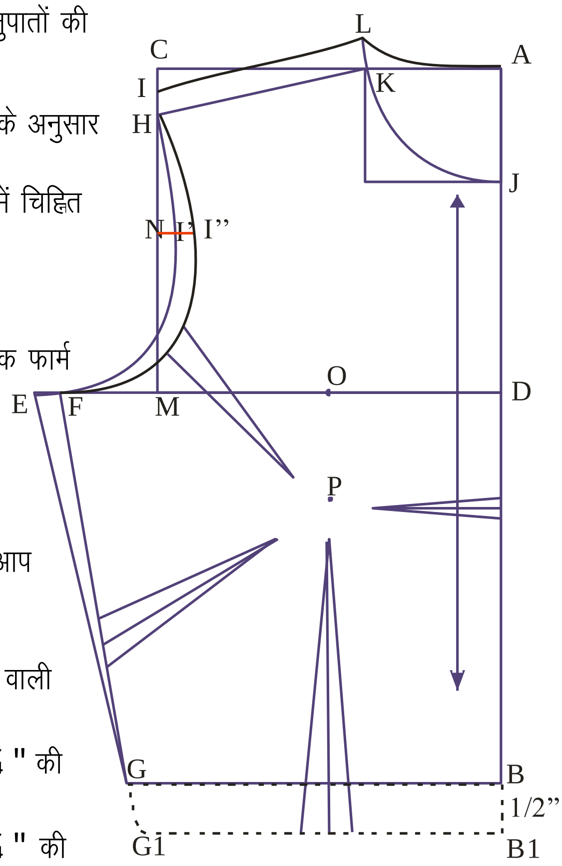

पीछे की कमर का डार्ट सामने से 1 ¼" लंबा है
यह सामने की कमर के समान स्तर पर चिह्नित किया गया है।
सामने के केंद्र और बगल की सीवन में डार्ट्स को समायोजित करने के लिए ब्लाउज के सामने की लंबाई ½"बढ़ाएँ।
दुबारा अंकित करें और पैटर्न के दोनों टुकड़ों को पीछे के पैटर्न के लिए एबीजीएफएन'आईएलए के रूप में और सामने के पैटर्न के लिए केजेबी'जी'ईएन'' एचके के रूप में अलग करें।

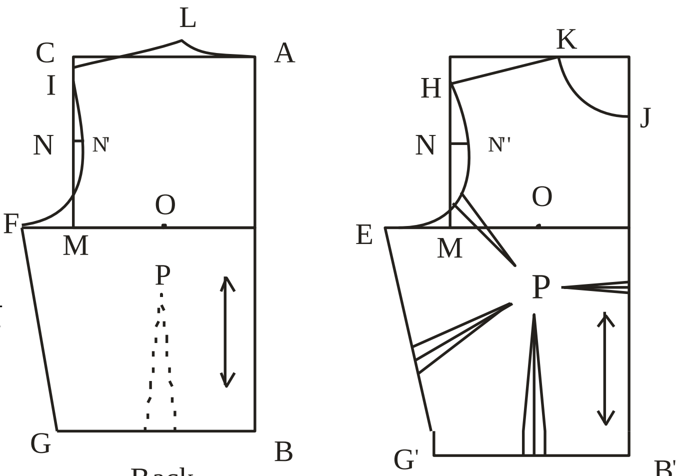

Back Front

ब्लाउज का परिष्करण
आम तौर पर साड़ी ब्लाउज के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कपड़ा 2X2 रुबिया है, इस कपड़े में कुछ खिंचाव निहित है। अगर ब्लाउज अस्तर के साथ रेशमी कपड़े पर या मोटे सूती कपड़े पर काटा जा **रहा** हो, तो वक्ष और कमर के स्तर पर पर्याप्त बढ़त जोड़ी जानी चाहिए। साड़ी ब्लाउज में विभिन्न प्रकार के गले बनाना संभव है। साड़ी ब्लाउज में खोलने का एक भाग होता है जो ब्लाउज के सामने या पीठ पर हो सकता है। महिलाओं के इस कपड़े में खोलने वाला हिस्से का दाहिना भाग बाएं भाग पर अतिव्याप्त (ओवरलैप) होता है। पहनावे का खुलने वाला बायां हिस्सा ¾ इंच तक बड़ा होता है और दाहिना हिस्सा पूरी तरह से अंदर मुड़ा रहता है।

प्लेकेट के टुकड़े के लिए कपड़े को इस प्रकार काटें, बाईं ओर के लिए एबीसीडी, जिसमें एडी तैयार प्लेकेट 3/4''है
दाहिने हाथ की ओर के लिए, ईएफजीएच जहां ईएफ = एबी और ईएच = 1^{3}/4'' (अर्थात् 3/4''+ 1/2'' का सीवन बढ़त दोनों तरफ) ¾'' के एक तैयार प्लेकेट को मोड़ कर पूरा करें।
ब्लाउज के किनारे की रेखा आम तौर पर 1'' की तैयार चौड़ाई की एक झूठी किनारी के साथ समाप्त होती है।

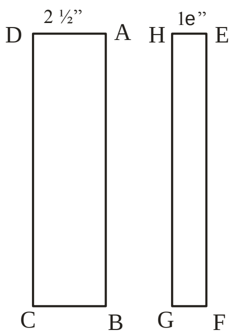

Blouse Placket

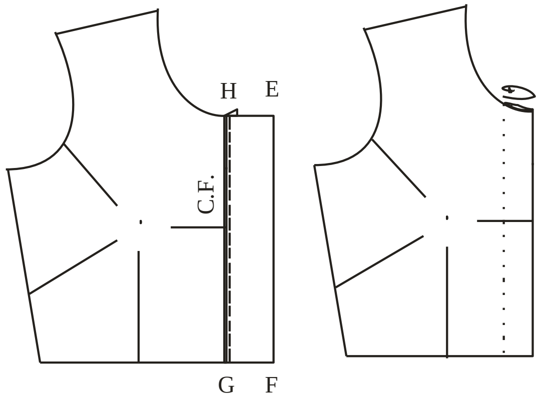

Top Placket - Right Hand Side

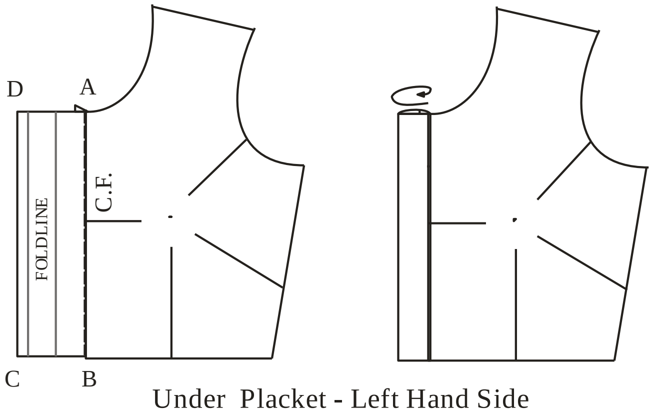

Under Placket - Left Hand Side

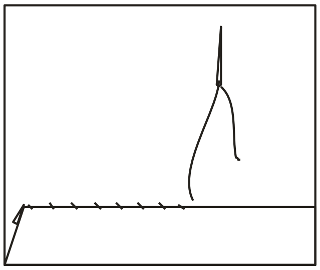

Inside of blouse

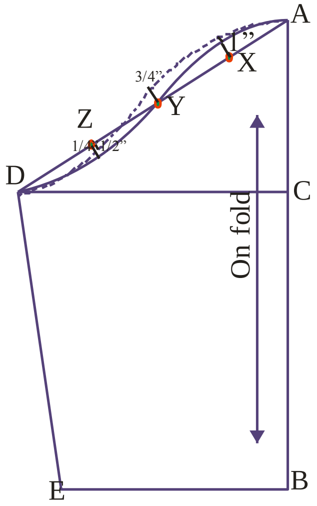

ब्लाउज प्लेकेट शीर्ष प्लेकेट – दाहिने हाथ की ओर

नीचे का प्लेकेट –बाएं हाथ की ओर ब्लाउज के अंदर

एक साड़ी ब्लाउज की आस्तीन

एक रेखा एबी खींचें जहां एबी आस्तीन की लंबाई है और मोड़ पर है

एसी टोपी की ऊंचाई है अर्थात् 31/2'' सीडी = ½" डोलों की परिधि+1/2''

बीई = बाँह की गोलाई का ½+¼

हाथ के नीचे की सीवन के लिए डीई को मिलाएं।

एडी को एक सीधी रेखा से मिलाएं और इसे चार बराबर भागों एक्स वाई जेड में विभाजित करें।

चित्र में दिखे गए रूप में एक्स से एक्स'' पर 1/2'' ऊपर जाएं –¾'' वाई से वाई'' पर –1/2'' और जेड से जेड पर 1/4'' नीचे जाएं ।

सामने के वक्र के लिए एएक्सवाईजेड'डी को और पीछे के वक्र के लिए एवाई, जेड''डी को मिलाएं।

साड़ी ब्लाउज की टोपी की ऊंचाई कम रखी जाती है, ताकि आस्तीन के लिए अधिकतम उठान प्रदान किया जा सके, अधिकतम आंदोलन के लिए अनुमति देने के लिए भारत में महिलाएं व्यावहारिक रूप से साड़ी में रहती हैं।

चित्र के रूप में ब्लाउज को जोड़ें।

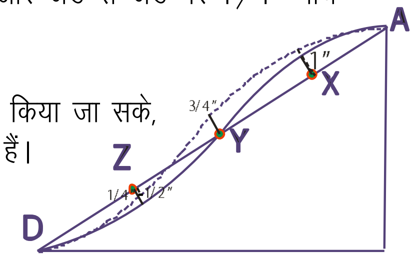

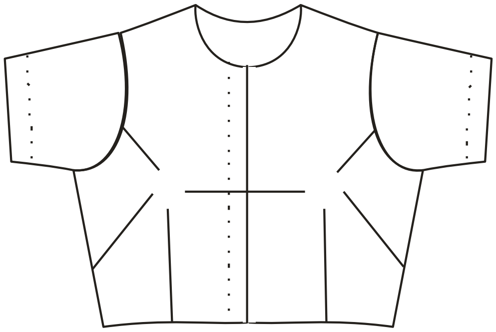

पर्यवेक्षण

आपके लिए तैयार साड़ी ब्लाउज की फिटिंग को जांचना और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक साड़ी ब्लाउज की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. ब्लाउज की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यवहारिक – 6:बिना आस्तीन के (साड़ी) ब्लाउज

उद्देश्य: बिना आस्तीन के (साड़ी) ब्लाउज का स्वरूप बनाना

सिद्धांत: बिना आस्तीन का ब्लाउज एक (साड़ी) ब्लाउज की ही एक अलग शैली है

आवश्यक वस्तुएं: पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया: बिना आस्तीन का ब्लाउज

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप

1	ब्लाउज की लंबाई	$14^{3}/4$"	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	$34^{3}/4$"	फीते और शरीर के बीच दो उंगलियां डालकर
3	**कमर**	$27\ ^{3}/4$"	फीते और शरीर के बीच दो उंगलियां डालकर
4	कंधा	14"	माप के अनुसार
5	वक्ष का स्तर	$9\ ^{1}/_{2}$"	माप के अनुसार
6	क्रॉस बैक	$14^{1}/_{2}$"	माप के अनुसार
7	वक्ष का स्तर	$9\ ^{1}/_{2}$"	माप के अनुसार
8	दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी	$9\ ^{1}/_{2}$"	माप के अनुसार

एक बिना आस्तीन के ब्लाउज में, आस्तीन के छेद (आर्महोल) को बदलकर साड़ी ब्लाउज के बुनियादी स्वरूप को संशोधित किया जा सकता है।

आस्तीन के छेद (आर्महोल) के स्तर यानी ई और एफ पर 1/2'' इंच ऊपर जाएं और **दिखाए गए** चित्र **के** अनुसार वक्र को फिर से खींचें।

आस्तीन के छेद (आर्महोल) को गले की रेखा की तरह पाइपिंग या फेसिंग के साथ पूरा करें।

Sleeveless Blouse

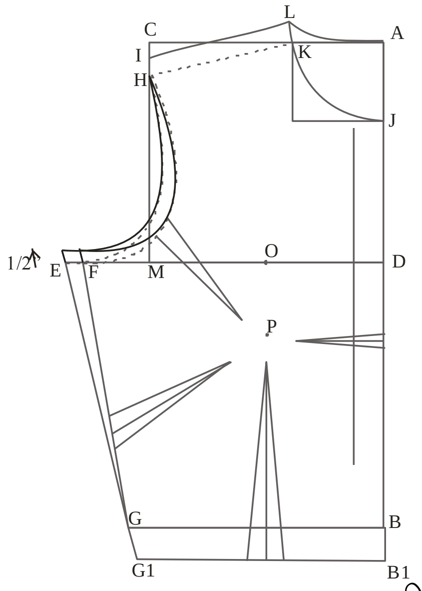

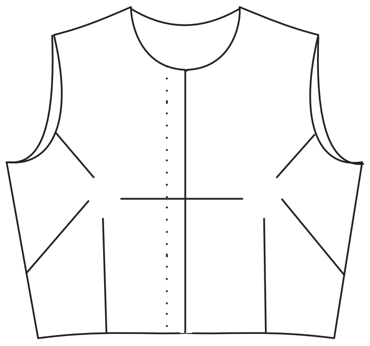

बिना आस्तीन का ब्लाउज

पर्यवेक्षण

आपको बनाए हुए ब्लाउज की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि कोई आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक बिना आस्तीन के ब्लाउज की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. ब्लाउज की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यावहारिक – 7: चोली ब्लाउज

उद्देश्य
एक चोली ब्लाउज का स्वरूप विकसित करना

सिद्धांत
चोली ब्लाउज एक ऊपरी परिधान है जो शरीर पर दूसरी त्वचा की तरह फिट बैठता है और मूल परिधान को सहायता प्रदान करता है। परंपरागत रूप से महिलाएं चोली ब्लाउज के साथ कोई अधोवस्त्र नहीं पहनतीं और फिर भी उसे पहनने में आराम महसूस करती हैं। पारंपरिक पैटर्न में चोली या कप को झुकाव पर **काटा** जाता है जिसे विभिन्न आकार के वक्षों पर फिट करने के लिए खिंचाव दिया जाता है) और वक्ष को आराम देने के लिए सामने के केंद्र पर सिकुड़नें होती हैं। इसमें समर्थन देने के लिए वक्ष के नीचे एक पट्टी होती है जिसे लंबाई में दानों पर काटा (जो खिंचती नहीं है) जाता है।

एक चोली ब्लाउज के आधुनिक संस्करण में एक चोली टुकड़ा और एक कमरबंद होता है, लेकिन यह अपेक्षित सहायता प्रदान नहीं करता इसलिए इसके नीचे पहनने वाले वस्त्र **को** उपयोग बंद नहीं किया जाता है।

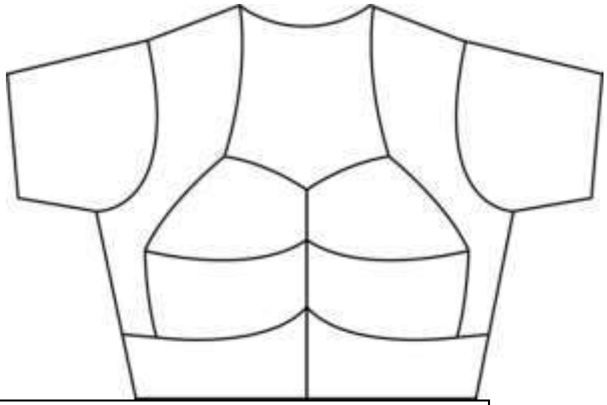

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया
एक चोली ब्लाउज का स्वरूप

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	ब्लाउज की लंबाई	**14 ¾ "**	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	**34 ¾ "**	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	**कमर**	**27 ¾ "**	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कंधा	**14"**	माप के अनुसार
5	आस्तीन की लंबाई	**10 ½”**	माप के अनुसार
6	आस्तीन की गोलाई	**9 ¼ ”**	फीते और शरीर के बीच एके अंगुली के साथ
7	वक्ष का स्तर	**9 $^{1}/_{2}$"**	माप के अनुसार
8	क्रॉस बैक	**14$^{1}/_{2}$"**	माप के अनुसार
9	दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी	**7$^{1}/_{2}$"**	माप के अनुसार

चोली ब्लाउज की सामने की चोली के लिए बुनियादी साड़ी ब्लाउज के स्वरूप को बिना डार्ट्स के अंकित करें, जिस तरह से चित्र में दिखाया गया है और सामने के हिस्से को 1/2'' छोटा करें (क्योंकि यह डार्ट्स के लिए अतिरिक्त लिया गया था)।

चित्र में दिये गए संकेतों के अनुसार बिंदुओं को चिह्नित करें।

डी ई से एक सीधी रेखा जी खींचें और बाँह के छेद (आर्म होल) पर एच निशान लगाएं कमर की रेखा बीसी पर डीई और आई ।
बी से जे पर 2'' ऊपर जाएं और चित्र के अनुसार बगल की सीवन पर जे' तक एक रेखा खींचें ।

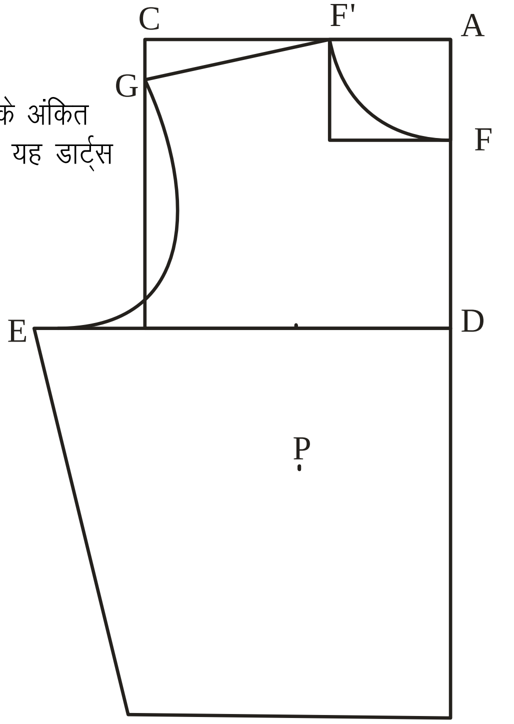

इस रेखा पर एल का निशान लगाएं
बिंदु जे से जेके पर ऊपर जाएं जेके = 3/4''
चित्र के अनुसार एक वक्र रेखा से के को जे से मिलाएं
एल बिंदु से अंदर जाएं और एल एम –1 1/4'' का निशान लगाएं
पी से एक रेखा खींचें, इसे एनओ से चिन्हित करें।
एन और क्यू के दोनों तरफ 3/4 को एनएन'' और ओओ'' के रूप में चिन्हित करें।
एक वक्र रेखा से एनश्पीओ और एन''पीओ को मिलाएं।
बगल की सीवन के लिए एक सीधी रेखा से एनष को एम के साथ जोड़ें।
एलक्यू = क्यू से एक वर्ग 1 1/2'' बनाएं
क्यूक्यूश्जेश्एल को रद्द करें (यह चोली के टुकड़े की बगल की सीवन पर डार्ट के लिए अतिरिक्त है)
जेश्केबीसी को अलग काटें, यह कमरबंद है, जिसका चोली ब्लाउज में समर्थन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।
एफ अर्थात् सामने के गले के बिंदु से, गले के गहराई के बिंदु को आर पर चिह्नित करें, पक्ष पर जरूरत के अनुसार स्वीट हार्ट गले के लिए या वक्ष की गोलाई के नीचे 1/8।
एस स्वीट हार्ट गले के लिए गले के सामने के केंद्र पर अपेक्षित गहराई है।
आर बगल की सीवन या व्यक्तिगत आवश्यकता के अनुसार केंद्र के सामने की ओर शिफ्ट कर सकता है।
एन'आरएस और एफआर को आवश्यक रूप में जोड़ें।
चित्र में दिखाए गए रूप में पैटर्न के टुकड़ों को अलग करें। चोली ब्लाउज की पीठ और आस्तीन बुनियादी साड़ी ब्लाउज के समान है

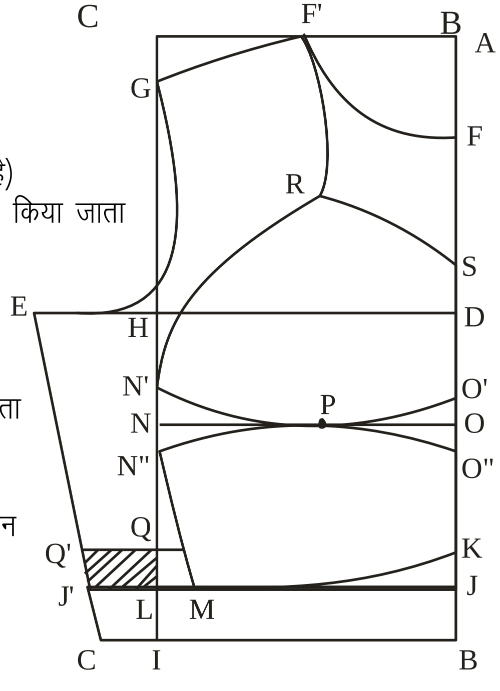

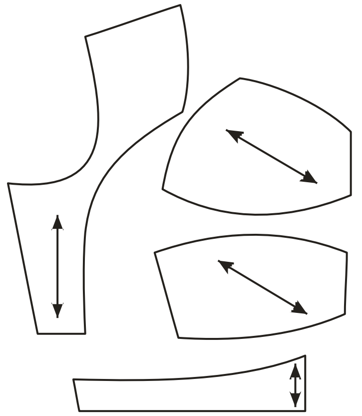

पर्यवेक्षण
आपके लिए तैयार चोली ब्लाउज की फिटिंग को जांचना और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न
1. एक चोली ब्लाउज की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. ब्लाउज की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?

3.क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से समर्थन देता है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यावहारिक – 8: गला (नेकलाइन)

उद्देश्य
गले के विभिन्न स्वरूप विकसित करनो।

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किटे।

प्रक्रिया
8.1 वी–गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)

पीठ और ब्लॉक को चित्र में दिखाए गए रूप में बिंदीदार रेखा के साथ अंकित करें
सामने की केंद्रीय रेखा को ए तक बढ़ाएं

चित्र में दिखाए गए रूप में ए से बाहर और नीचे रेखाएं खींचें, , ताकि यह कंधे और गले की रेखा को उनके जोड़ बी पर स्पर्श करे
बी से, बीसी को चिह्नित करें, बीसी = 7''नीचे या आवश्यक रूप में तिरछे।

बीसी गले की नई वी रेखा है, इसे एक मामूली वक्र के साथ जोड़ें।

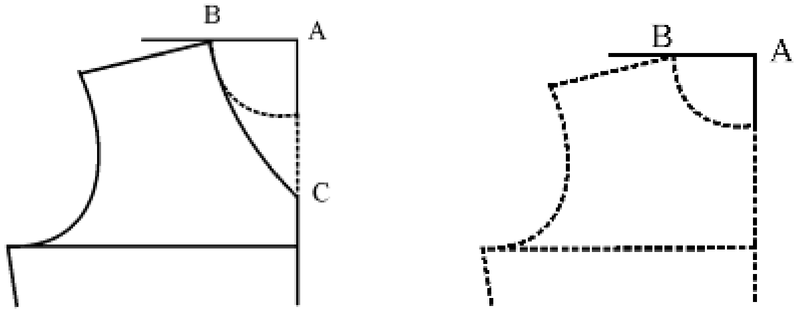

8.2 चौड़े वी–गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)
अगर किसी को चौड़ा गला चाहिए तो बीबी' =1'' या वांछित रूप में निशान लगाएं और आगे के गले के लिए बी'सी को एक मामूली वक्र के साथ जोड़ें।
अगर आप एक गहरा गला चाहते हैं तो बीबी' =1''या वांछित रूप में निशान लगाएं और पीछे के नए गले के रूप में बी'सी खींचें।
गले को पाइपिंग या फेसिंग के साथ परिष्कृत किया जा सकता है।

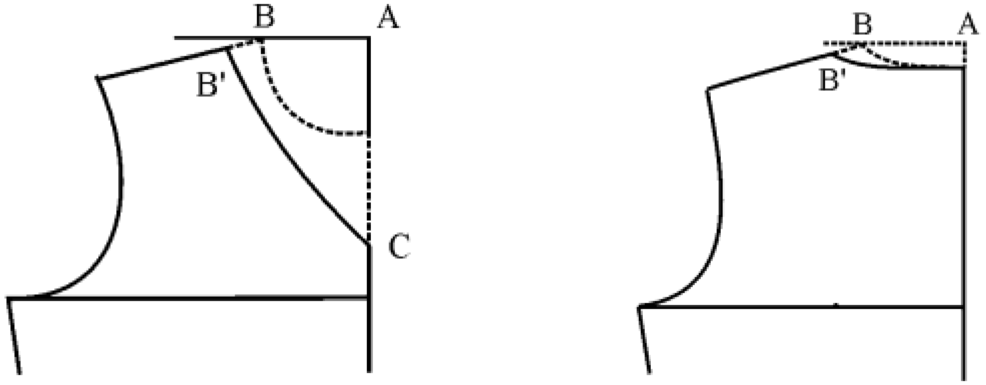

8.3 यू–गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)
चित्र में दिखाए गए रूप में ब्लॉक के गले को बिंदीदार रेखा के साथ अंकित करें।
एक वी गले की तरह एबी बिंदु चिह्नित करें।

गर्दन की गहराई के लिए बी से सामने के केंद्र पर आवश्यक रूप में नीचे तिरछे माप लें और सी के रूप में चिह्नित करें
यह सुनिश्चित करने के लिए कि गला एक बिंदु पर समाप्त न हो सी बिंदु से ¼ " का वर्ग बनाएं।
बिंदु बी से नीचे ¼ " का वर्ग बनाएं। यू आकार के गले के लिए चित्र में दिखाए गए रूप में बीसी को मिलाएं।
गले को वांछित रूप में पूरा करें।

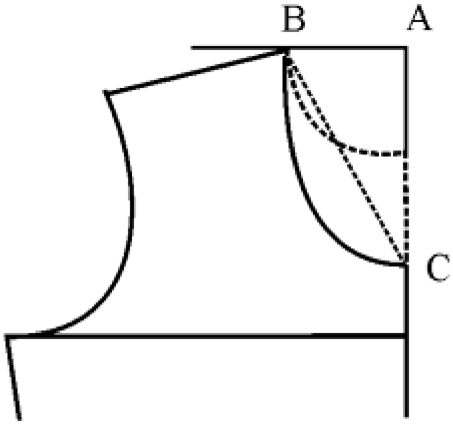

8.4 गोल गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)

गोल गला यू गले की विभिन्नता है। यह कंधे पर चौड़ा और पीठ पर गहरे कटाव वाला होता है।
चित्र में दिखाए गए रूप में ब्लाउज के सामने या पीछे के गले को अंकित करें
वी गले की तरह एबी बिंदुओं को चिह्नित करें।
गले के सामने की रेखा के लिए, बी से गर्दन की गहराई को जरूरत के अनुसार मापें और सी के रूप में चिह्नित करें।
बिंदु बी से 2'' या बी' के लिए वांछित रूप में बाहर जाएं।
पीछे के गले के लिए, ए से गर्दन की वांछित गहराई के लिए सी का लिशान लगाएं। बी बी' सामने के जैसा होगा।
बी से ¼ " नीचे वर्ग बनाएं और सी से ¼ " अंदर वर्ग बनाएं
चित्र में दिखाए गए रूप में पीछे और सामने के गले के लिए बी'सी को मिलाएं। गले को वांछित रूप में पूरा करें।

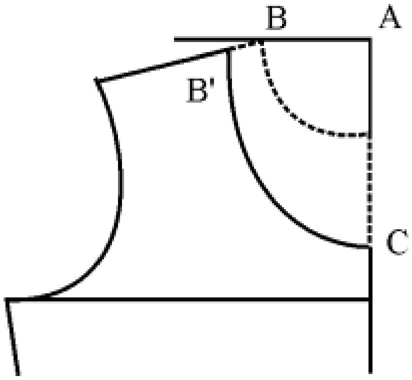

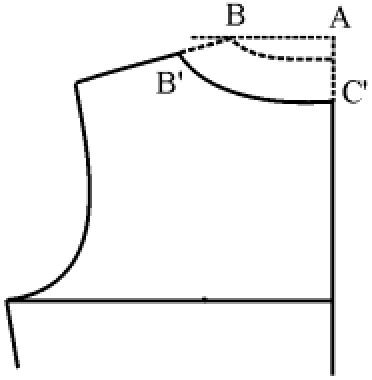

8.5 चौकोर गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)

चित्र में दिखाए गए रूप में बिंदीदार रेखा के साथ ब्लाउज का गला अंकित करें।
वी गले की तरह एबी बिंदु चिह्नित करें।
गर्दन के बगल की आवश्यक गहराई के लिए बी से डी के रूप में या $5^1/2''$ का वर्ग बनाएं। सामने के केंद्र पर डी से सी वर्ग बनाएं।
गले को वांछित रूप में पूरा करें।
गले को गोल गले की तरह चौड़ा किया जा सकता है।
अगर किसी को लगता है कि गला बहुत चौड़ा है, तो सीडी के रूप में कम करें।
सीडी गले की वांछित चौड़ाई के 1/2 के रूप में ली जानी चाहिए।

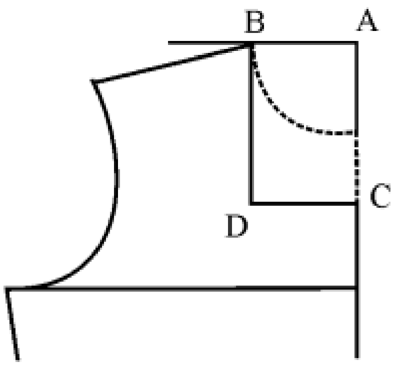

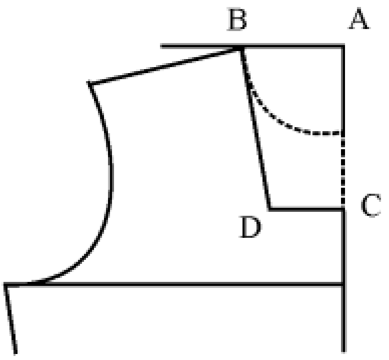

8.6 गिलास जैसे गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)

चित्र में दिखाए गए रूप में बिंदीदार रेखा के साथ ब्लाउज का गला अंकित करें।
वी गले की तरह एबी बिंदु चिह्नित करें।
सी से डी तक 1'' के या वांछित रूप में वर्ग बनाएं।
ग्लास के आकार के गले के लिए बीडी और डीसी को एक सीधी रेखा से जोड़ें।
गले को वांछित रूप में पूरा करें।

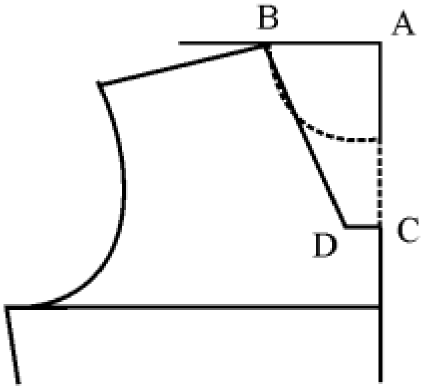

8.7 स्वीट हार्ट गले के लिए स्वरूप (पैटर्न)

चित्र में दिखाए गए रूप में बिंदीदार रेखा के साथ ब्लाउज का गला अंकित करें।
वी गले की तरह एबी बिंदु चिह्नित करें।
गले के बगल की आवश्यक गहराई के लिए या 5'' का बी बिंदु से डी तक वर्ग बनाएं।
सामने के केंद्र पर ई का निशान लगाएं, जहां सीई = 31/2'' या वांछित रूप में।
बुनियादी स्वीट हार्ट गले के लिए साथ बी और डी को सीधी रेखाओं से जोड़ें।
स्वीट हार्ट गले के बदलाव
दिखाए गए रूप में डी के दोनों तरफ लगभग 1'' पर एक रेखा खींचें।
एक घुमावदार बदलाव के लिए घुमावदार लाइनों के साथ बीडी'और डी'ई को जोड़ें।

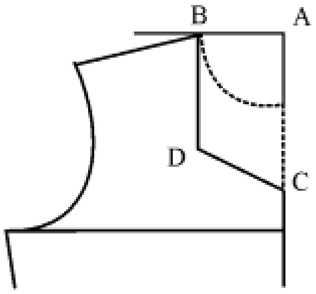

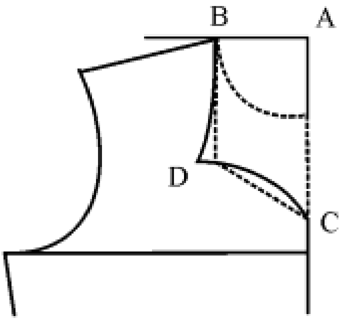

पर्यवेक्षण

आपके लिए विकसित किए गए कम से कम तीन गलों को जांचना और मलमल पर उसकी जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक गले की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. गले की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?

व्यावहारिक – 9: कमीज

उद्देश्य

कमीज के स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना

सिद्धांत

सूट के ऊपरी आधे हिस्से को कमीज कहा जाता है, यह सलवार पर पहना जाने वाला एक लंबा टॉप है। पारंपरिक कमीज साड़ी ब्लाउज का एक लंबा संस्करण है। हालांकि, वैश्विक फैशन के रुझान और आधुनिक महिलाओं की जरूरतों के प्रभाव के साथ कमीज ने 21 वीं सदी में 60 के दशक में कम लंबाई के तंग फिटिंग से 90 के दशक के लंबे ढीले तम्बू से एक व्यक्तिपरक लंबाई तक कई रूप बदले हैं। यह वैश्विक रुझानों के अनुसार अपना रूप बदलती है, इस सदी की शुरुआत के बाद से पिछले कुछ वर्षों से यह विभिन्न अवतारों में नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय रैंप पर भी दिखाई दी है

आवश्यक वस्तुएं

पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	कमीज की लंबाई	$14^3/_4$"	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	$34^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	**कमर**	$27^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कूल्हे की गोलाई	36"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
5	कंधा	14"	माप के अनुसार
6	आस्तीन की लंबाई	$10^1/_2$"	माप के अनुसार
7	आस्तीन की गोलाई	$9\ ^1/_4$"	फीते और शरीर के बीच एक अंगुली के साथ
8	वक्ष का स्तर	$9\ ^1/_2$"	माप के अनुसार
9	क्रॉस बैक	$14^1/_2$"	माप के अनुसार
10	दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी	$7^1/_2$"	माप के अनुसार
11	कमर से कंधे तक की रेखा	16"	माप के अनुसार

कमीज के आगे और पीछे के भाग के लिए

मोड़ पर एक रेखा एबी खींचें जहां ए. बी. कमीज की लंबाई है।

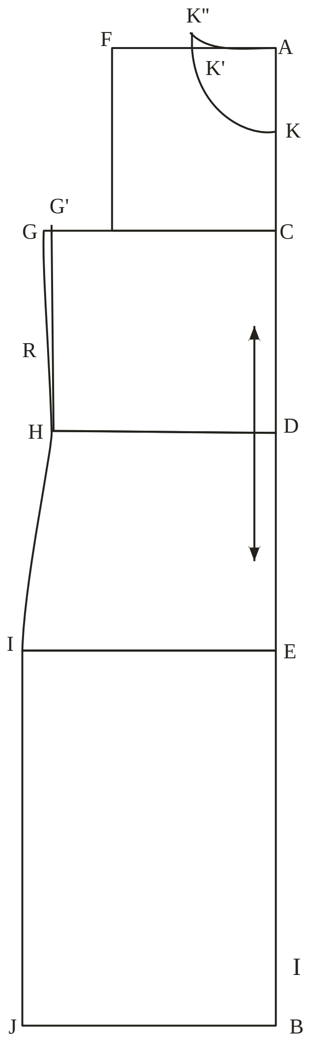

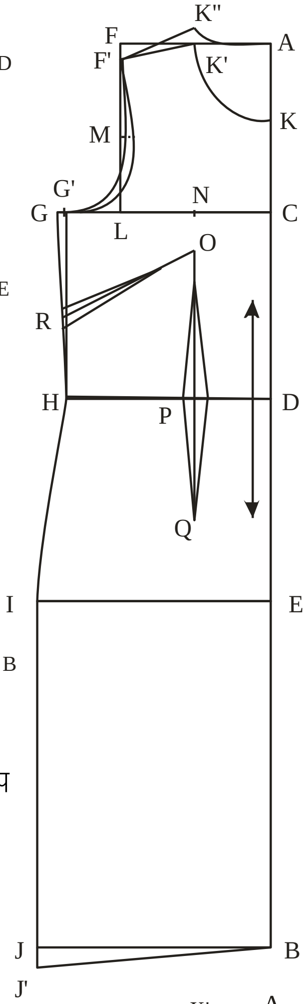

एसी = वक्ष का ¼–1′′
एडी = कंधे से कमर की माप
डीई =7′′ नीचे

ए, बी, सी, डी, ई से **वर्गाकार** रेखाएं खींचें

एएफ = ½ पीछे का भाग
सीजी = वक्ष का 1/4+1′′ सामने के लिए
डीएच = कमर का ¼+ 21/2
ईआई = कूल्हे का ¼+ 1
बीजे = ईआई
जीएचआईजे और जी′एचआईजे को चित्र में दिखाए गए रूप में मिलें
एके = वक्ष का 1/12
एके′ = एके
के′के′′= 7/8′′
मूल गले के लिए के′′ ए को जोड़ें
सामने के मूल गले के लिए के′केको जोड़ें, यह जुयेल गला है
मूल गला बनाने के बाद गले में भिन्नता बनाई जा सकती है
एफएफ′′= 1′′
सामने के कंधे के लिए एफ′के′ को जोड़ें
पीछे के कंधे के लिए एफ′के′ को जोड़ें
बाँह के छेद (आर्म होल) की रेखा पर एफ से एल तक एक रेखा खींचें
एम एफएल का मध्य बिंदु है
एम पर सामने के बाँह के छेद (आर्म होल) से ¼′′ का वक्र बनाएं
शीर्ष स्तर के लिए, सीएल का मध्य बिंदु तलाश करें और उसे एन से चिह्नित करें।
एन वर्ग से नीचे वक्ष का 1/12 –¼′′ और ओ से चिह्नित करें।
ओ से पी और क्यू तक नीचे एक वर्गाकार रेखा खींचें, जहां पी कमर पर है और पीक्यू 4′′ है
कमर पर ओक्यू रेखा के दोनो तरफ 1/2′′ की दूरी पर 1′′ चौड़े डार्ट का निशान बनाएं। चित्र में दिखाए गए रूप में डार्ट को ओ से $1^{1}/_{2}$′′ नीचे समाप्त करें।
इस डार्ट को पीठ पर भी चिह्नित किया जा रहा है।

सामने एक बगल की सीवन के डार्ट के लिए, बाँह के छेद (आर्म होल) से 5′′– 6′′ नीचे जाएं और इसे आर के रूप में चिह्नित करें। आरओ को एक सीधी रेखा से जोड़ें। ओ 11/2′′ दूर से एक डार्ट चिह्नित करें।
बगल की सीवन के डार्ट को समायोजित करने के लिए केवल सामने की ओर जे पर सामने की किनारी को ½′′ गिराएं।
जे′बी को एक सीधी रेखा से जोड़ें।

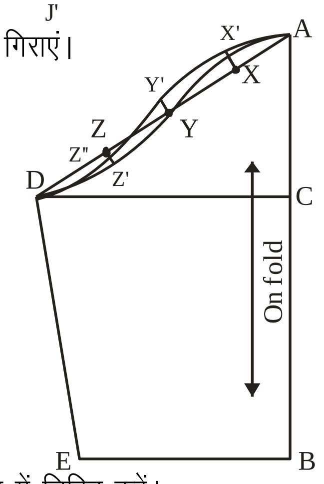

आस्तीन

एबी रेखा को चौकोर करें= आस्तीन की लंबाई, मोड़ पर।
एसी =3′′
सीडी = 1/2′′ आस्तीन का गोल छेद+1/2′′

बीई = ½′′ आस्तीन का गोल सिरा+1/2′′

डीई और एडी को एक सीधी रेखा से जोड़ें। एडी को चार बराबर हिस्सों में बांटें और उन्हें एक्स वाई जेड के रूप में चिह्नित करें।
एक्स पर ½′′ऊपर और वाई 3/4′′ऊपर तथा जेड पर ½′′नीचे. 1/4′′ नीचे जाएं।
सामने के वक्र के लिए एएक्स′वाईजेडडी और पीछे के वक्र के लिए एवाई′जेड′′डी को जोड़ें।
चित्र के अनुसार कमीज को जोड़ें।

कमीज के गले में एक साड़ी ब्लाउज के समान तरीके से बदलाव संभव है।

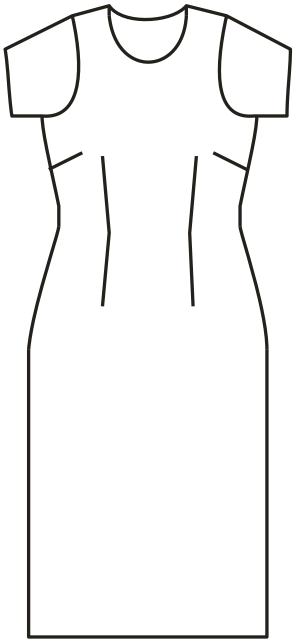

पर्यवेक्षण
आपको बनाई हुई कमीज की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न
1. एक कमीज की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. कमीज की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

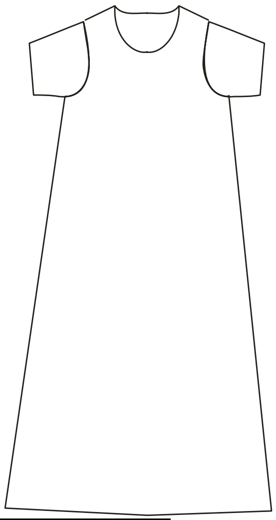

व्यावहारिक –10: ए–लाइन कमीज

उद्देश्य
एक ए–लाइन कमीज के स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना
आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

प्रक्रिया
ए–लाइन कमीज

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	कमीज की लंबाई	$14^3/_4$"	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	$34^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	**कमर** की गोलाई	$27^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कूल्हे की गोलाई	36"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ

5	कंधा	14"	माप के अनुसार
6	आस्तीन की लंबाई	$10^1/_2$"	माप के अनुसार
7	आस्तीन की गोलाई	$9\ ^1/_4$"	फीते और शरीर के बीच एक अंगुली के साथ
8	वक्ष का स्तर	$9\ ^1/_2$"	माप के अनुसार
9	क्रॉस बैक	$14^1/_2$"	माप के अनुसार
10	दो शीर्ष बिंदुओं के बीच की दूरी	$7^1/_2$"	माप के अनुसार
11	कमर से कंधे तक की रेखा	16"	माप के अनुसार

चित्र के अनुसार डार्ट्स के बिना बुनियादी कमीज को अंकित करें

किनारी से 3′′ या आवश्यक रूप में बढ़ाएँ
बाँह के छेद (आर्म होल) स्तर को सीधे जोड़ें हों।
बगल की सीवन पर **½ "** ऊपर जाएं और चित्र के अनुसार आकार दें

बगल के कटाव के लिए 10′′ वांछित रूप में ऊपर जाएं
आस्तीन बुनियादी कमीज जैसी होगी।
कमीज के गले में एक साड़ी ब्लाउज के समान तरीके से बदलाव संभव है।

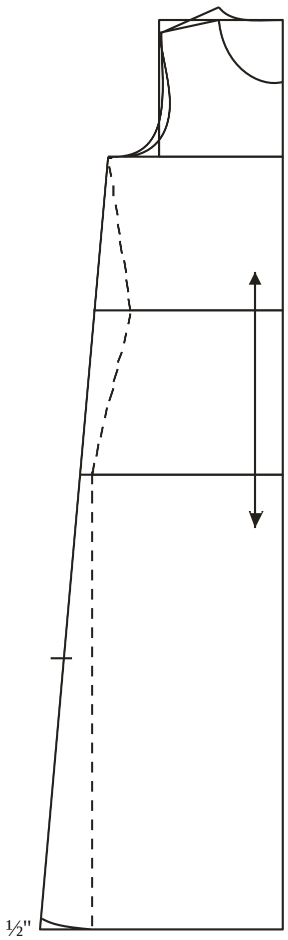

पर्यवेक्षण

आपको बनाई हुई कमीज की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक कमीज की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. कमीज की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

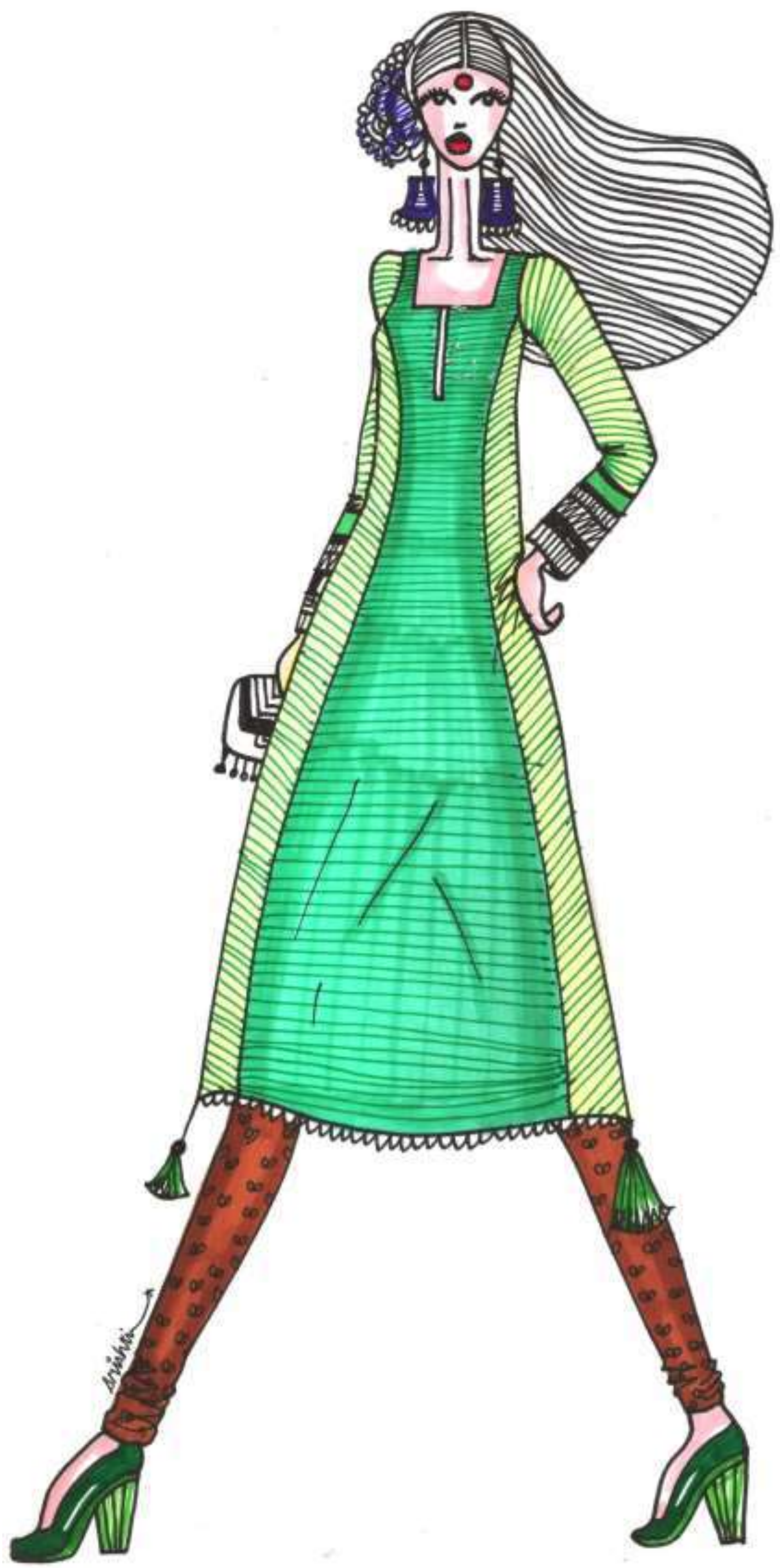

व्यावहारिक –11: कलीदार कुर्ता

उद्देश्य

एक कलीदार कुर्ते का स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना

सिद्धांत

कलीदार कुर्ता एक आरामदायक परिधान और एक दिलचस्प पैटर्न है। पैटर्न ज्यामितीय आकृतियों से बना है। केवल छाती/वक्ष, कुर्ते की लंबाई और आस्तीन लंबाई का मापन आवश्यक है। पारंपरिक कुर्ते को मोड़ पर केंद्र पैनल के साथ काटा गया है। कुर्ते की कलियों या

साइड पैनलों को सलवार के साइड पैनलों के समान तरीके से काटा जाता है। आस्तीनों में एक सीधा बाँह का छेद (आर्म होल) होता है और गतिविधियों में आसानी के लिए पारंपरिक रूप से आस्तीन और कली के बीच एक वर्ग जुड़ा होता है।

कलीदार **कुर्ते** के डिजाइनों में भोपाली कुर्ता, जामा, अंगरखा आदि शामिल हैं, जो इन दिनों अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं और उन सभी को कलीदार कुर्ता के बुनियादी सिद्धांत पर काटा जाता है, अगर पैटर्न को काटने वाला कलीदार नमूने की बारीकियों को समझता है तो उनके बदलावों को काटना आसान होगा।

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट

रीतु बेरी द्वारा कलीदार कुर्ते की एक भिन्नता

प्रक्रिया
आवश्यक माप

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	कमीज की लंबाई	$14^3/_4$"	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	$34^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	**कमर** की गोलाई	$27^3/_4$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कूल्हे की गोलाई	36"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
5	कंधा	14"	माप के अनुसार
6	आस्तीन की लंबाई	18"	माप के अनुसार
7	आस्तीन की गोलाई	$9\ ^1/_4$"	फीते और शरीर के बीच एक अंगुली के साथ
8	क्रॉस बैक	$14^1/_2$"	माप के अनुसार
9	कमर से कंधे तक की रेखा	16"	माप के अनुसार

कुर्ते के सामने के पैनल के लिए
मोड़ पर एक रेखा एबी खींचें और यह कुर्ते की लंबाई है
एसी भी मोड़ पर पीछे के भाग के 1/2 के समान है।
सीडी से नीचे वर्ग बनाएं, जहां सीडी =एबी है।
बीडी को मिलाएं
एई छाती का 1/12 है।
एएफ गले की गहराई अर्थात् छाती का 1/12''+ 1'' (एक चीनी कॉलर जोड़े जाने के मामले छाती से केवल 1/2'' नीचे जाएं)
एजी = 1''नीचे
चित्र में दर्शाए अनुसार कुर्ते के गले की रेखा खींचें, आगे और पीछे दोनों के लिए
एफएफ सामने के प्लेकेट का खुला भाग है कि कुल लंबाई का 1/ 6 या वांछित रूप में।
सीसी= 3/4'' कुर्ते के केंद्रीय पैनल पर कंधे ढलान के लिए नीचे।

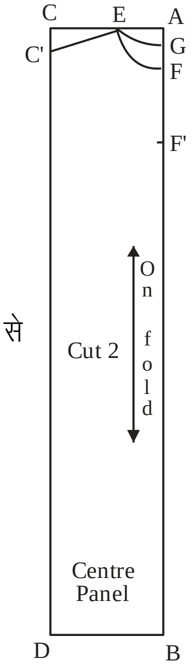

पीठ के लिए ईसी'डीबीजीई और सामने के लिए ईसी'डीबीएफई काटें।
प्लेकेट के लिए सामने के केंद्रीय पैनल पर एफएफ' चिह्नित करें।

कुर्ते की आस्तीन के लिए
एचआई = मोड़ पर आस्तीन की लंबाई
एचजे = आस्तीन की चौड़ाई के लिए वक्ष का 1/4 –1''
आईएल = एचजे से 2'' घटाएं
जे एल को एक सीधी रेखा से मिलाएं

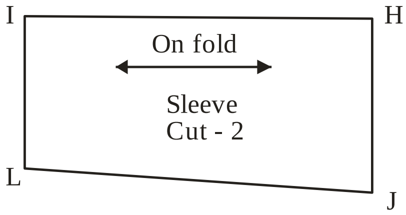

इनमें से दो को काटें

कुर्ते की कलियों के लिए
मोड़ पर एमएन खींचें, जहां एमएन कुर्ते की लंबाई के बराबर हो
आस्तीन की चौड़ाई घटाएं यानी एचजे (आस्तीन)
एम से चौकोर करें
एमओ = वक्ष का 1/6+1''
ओपी = वक्ष का 1/12 + ½
पी से वर्ग बनाएं
पीक्यू = एमएन
क्यू से एन तक वर्ग बनाएं
इस रेखा पर, क्यूआर = एमक्यू अंकित करें
ओआर से ओ और आर पर ½" नीचे और ऊपर जाएं तथा चित्र के अनुसार वक्र खींचें।
यह स्वरूप (पैटर्न) चार कलियाँ देता है दो सामने के लिए और दो पीठ के लिए।
मोड़ पर
आस्तीन कट–2

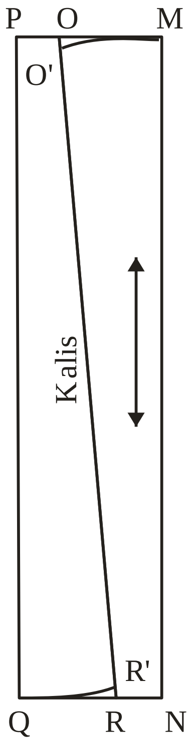

कुर्ते की कली के लिए
एक वर्ग एसटीयूवी बनाएं जहां
एसटी = वक्ष का 1/12 + 1"
इनमें से 2 को काटें।
चित्र के अनुसार कलीदार कुर्ता को जोड़ें

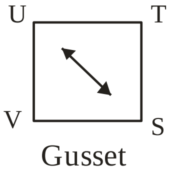

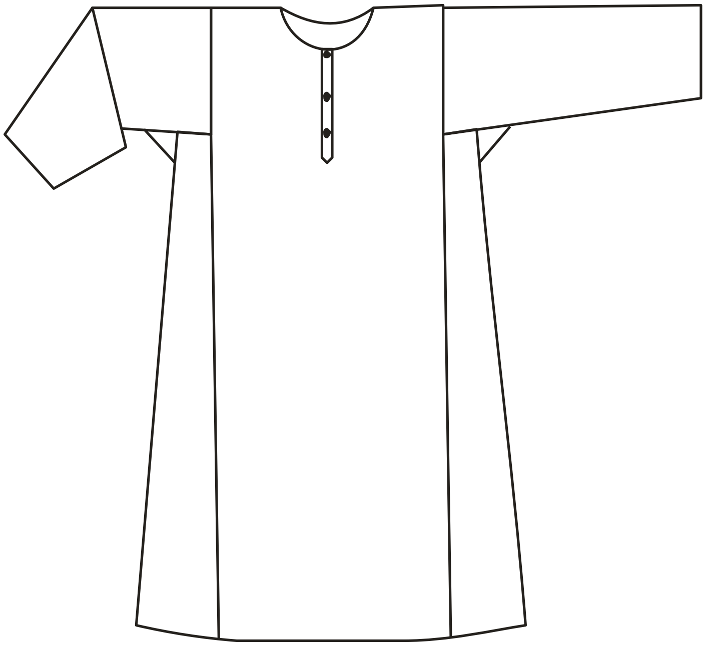

Kalidar Kurta

कलीदार कुर्ता

पर्यवेक्षण

आपको बनाए हुए कुर्ते की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक कुर्ते की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. कुर्ते की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यावहारिक–12 : दो कली कुर्ता

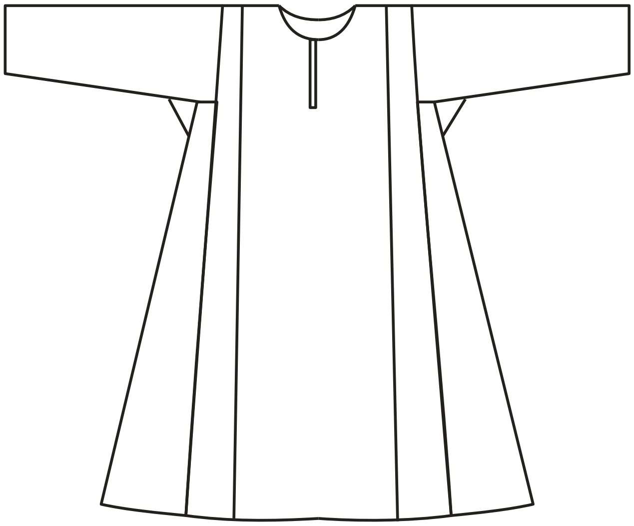

उद्देश्य

एक दो कली वाले कुर्ते का स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना

सिद्धांत

एक कली कंधे से आरंभ होती है

आवश्यक वस्तुएं

पैटर्न पेपर , मलमल और टूल किट

रीतु बेरी द्वारा कलीदार कुर्ते का एक बदलाव

प्रक्रिया

आवश्यक माप

क्रम सं.	आवश्यक माप	नमूना	आपकी माप
1	कमीज की लंबाई	$14^{3}/_{4}$"	माप के अनुसार
2	वक्ष की गोलाई	$34^{3}/_{4}$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
3	**कमर** की गोलाई	$27^{3}/_{4}$"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ
4	कूल्हे की गोलाई	36"	फीते और शरीर के बीच दो अंगुलियों के साथ

5	कंधा	14"	माप के अनुसार
6	आस्तीन की लंबाई	18"	माप के अनुसार
7	आस्तीन की गोलाई	9 1/4"	फीते और शरीर के बीच एक अंगुली के साथ
8	क्रॉस बैक	14 1/2"	माप के अनुसार
9	कमर से कंधे तक की रेखा	16"	माप के अनुसार

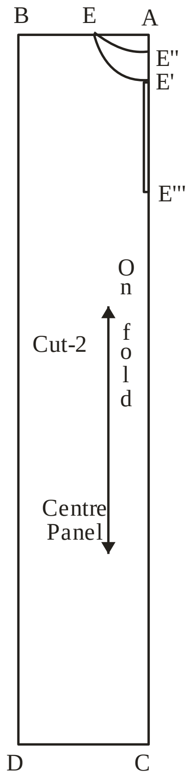

कुर्ते के केंद्रीय पैनल के लिए

ब्लॉक एबीसीडी बनाएं जहां
एबी = 1/2 पीछे का भाग –2''
ए = मोड़ पर कुर्ते की लंबाई है

एई = वक्ष का 1/12
एई' = एई, एई'' = 1/2''
ईई'' को पीछे के गले और ईई'' को सामने के गले के लिए मिलाएं
प्लेकेट के खुले भाग के लिए ई'इ'' = 8'' या इच्छानुसार चिह्नित करें

कुर्ते की पहली कली के लिए

एक ब्लॉक एफजीएचआई चिह्नित करें जहां,
एफएच = एसी कुर्ते की लंबाई है,
मोड़ पर एफजी =7''
जीजी'' = एचएच' = 5''
जी'एच' को एक सीधी रेखा से मिलाएं,
यह पहली कली है

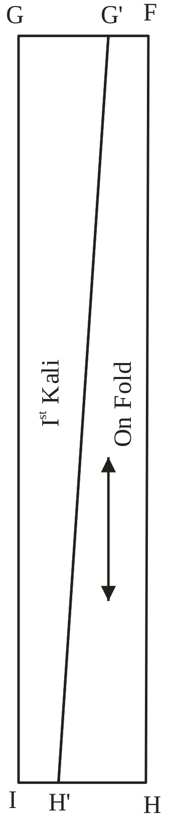

कुर्ते की दूसरी कली के लिए

एक ब्लॉक जेकेएलएस बनाएं जेके कुर्ते की लंबाई से आस्तीन की चौड़ाई का घटाव (वक्ष क1 /4–1 इंच) है

जेएल= 7'',
एलएल'= केके= 2''
एल'के' को एक सीधी रेखा से मिलाएं
यह दूसरी कली है

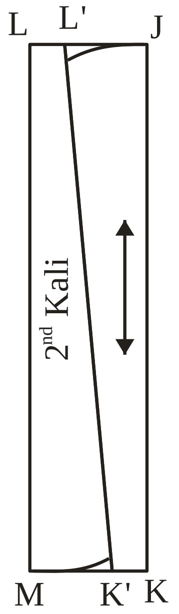

कुर्ते की आस्तीन के लिए
एक ब्लॉक एनओपीक्यू बनाएं
जहां एनपी आस्तीन की लंबाई है और यह मोड़ पर है।
एनओ = वक्ष का 1/4 – 1 इंच आस्तीन की चौड़ाई है
पीक्यू = एनओ –2 इंच या जैसा आवश्यक हो
यह कुर्ते की आस्तीन है

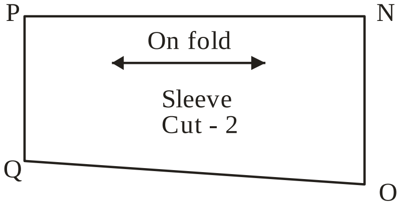

मोड़ पर
आस्तीन कटाव–2

कली

कुर्ते की कली के लिए
यहाँ आरएसटीयू ब्लॉक बनाएं जहां
आरएस=टीआर= वक्ष का 1/12
कलीदार कुर्ते की कली है।
कुर्ते की दो कलियों को जोड़ें।

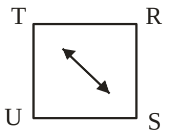

Gusset

पर्यवेक्षण
आपको बनाए हुए कुर्ते की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।
मौखिक प्रश्न
1. एक कुर्ते की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. कुर्ते की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यावहारिक –13: आस्तीन

उद्देश्य

एक बुनियादी आस्तीन **का** स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना

सिद्धांत

महिलाओं के परिधान के बुनियादी आस्तीन का पैटर्न विकसित करने के लिए दी गई माप तालिका का उपयोग करें। एक कागज लें, जिसकी लंबाई आस्तीन की वांछित लंबाई के साथ 3 इंच अतिरिक्त हो और चौड़ाई डोलों के आधे के साथ 2इंच अतिरिक्त हो, इसे लंबाई में मोड़ें और मोड़ को अपनी ओर रख कर इसे कागज पर रखें।

आवश्यक वस्तुएं

पैटर्न पेपर , मलमल और टूल किट

प्रक्रिया

बढ़त के छोर से 1 इंच दूर एक गाइड लाइन बनाएं और इसे ए का नाम दें

ए से बी = टोपी की ऊँचाई

ए से सी = पूरी लंबाई

बी से डी = 1/2 बाइसेप्स की परिधि

बी से ई = 1/2 बीसी–11/2''

ई से एफ = 1/2 कुहनी की परिधि (जिसमें आराम के लिए न्यूनतम 1/2 शामिल है)

सी से निकली एक लाइन को बढ़ाकर डी को एफ से मिलाएं।

डी से जी तक बढ़ाएं

कागज को लंबाई में तह करके बी डी और ए जी रेखा के मध्य बिंदु का पता लगाएं।

इस रेखा पर एच से आई चिह्नित करें = 1/2 टोपी की ऊँचाई. = इंच

ए से ए1 चिह्नित करें = ¼ इंच और डी से डी[1]=1 इंच

ए1 से आई और आई से डी1 को बिंदीदार रेखा से जोड़ें।

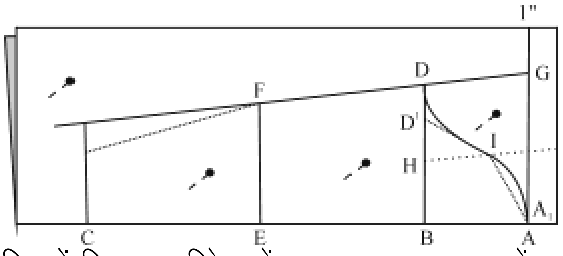

चित्र में दिए गए परिप्रेक्ष्य में गाइड लाइन रख कर फ्रेंच वक्र की मदद से बाँह के छेद (आर्म होल) का वक्र बनाएं।

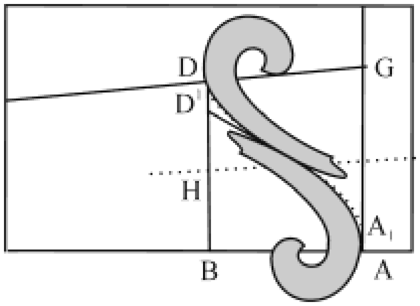

कागज के दूसरे पक्ष पर सामने की आस्तीनों के लिए सभी रेखाओं को अंकित (ट्रेस) करें।

कागज को खोलें।

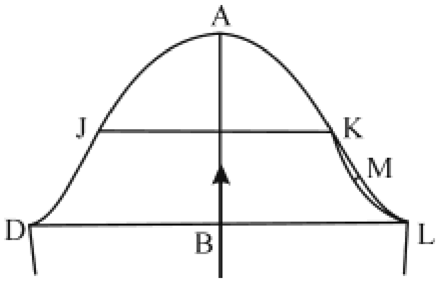

कागज को तह करके ए से बी के मध्य बिंदु का पता लगाएं और जेके रेखा खींचें।
केएल लाइन के मध्य बिंदु एम को खोजें और एम पर (इंच अंदर जाएं।
चित्र में दिए गए रूप में सामने के वक्र को फिर से बनाएं।
नॉचेज को चिह्नित करें
सामने के लिए एक नॉच चिह्नित करें = 1/2 इंच के बिंदु के नीचें
पीछे के लिए दो नॉच चिह्नित करें, एक जे के 1/2 इंच नीचे और अगला पहले नॉच से) इंच दूर।

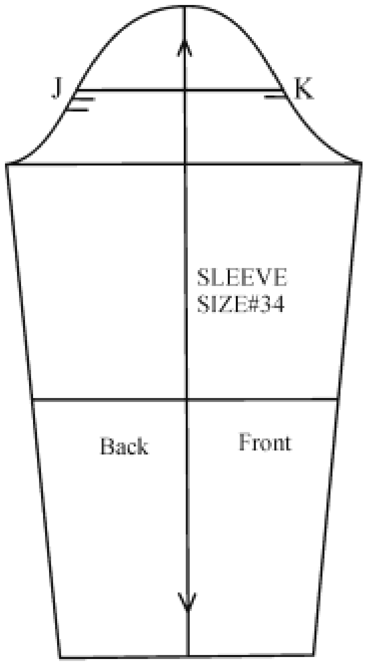

FINISHED PATTERN

आस्तीन को जोड़ना
नमूने को मलमल पर अंकित (ट्रेस) करें
•ध्यान से और सही तरीके से आस्तीन और बाँह के छेद (आर्म होल) के सभी चिह्नों को मलमल पर स्थानांतरित करें
•निर्माण के दौरान दबाने की उचित तकनीकों का प्रयोग करें।
•जब भी संभव हो, इसे परिधान से संलग्न करने से पहले आस्तीन के निचले छोर को पूरा करें।

निर्माण के कदम
•आस्तीन की टोपी पर सिलाई की रेखा से 1/8 इंच की दूरी पर सिलाई की दो पंक्तियां डालें। दो पंक्तियों के बीच की दूरी 1/4 इंच होगी। ध्यान रखें कि सिलाई का आकार सामान्य से अधिक होना चाहिए। दोनों सिलाइयों के आरंभ और अंत में लंबे धागे छोड़ें।
•सीधे पक्ष को सीधे पक्ष के सामने रखें और आस्तीन की बगल में सिलाई करें।
•धागा खींचें और आस्तीन को चोली के अंदर बाँह के छेद (आर्म होल) में डालें। धागे को खींचने और छोड़ने के द्वारा आस्तीन टोपी के आकार को समायोजित करें। सही स्थिति में रखने के लिए पिन लगाएं।
• आस्तीन को बाँह के छेद (आर्म होल) से सिलें।

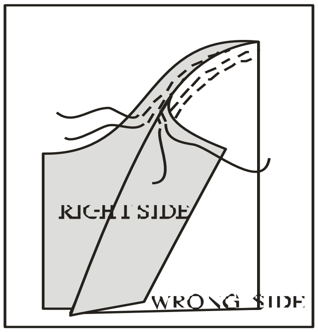

STEP 1

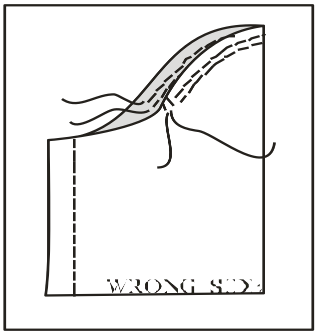

STEP 2

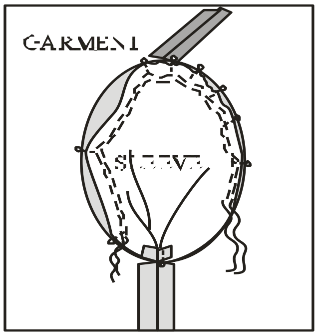

STEP 3

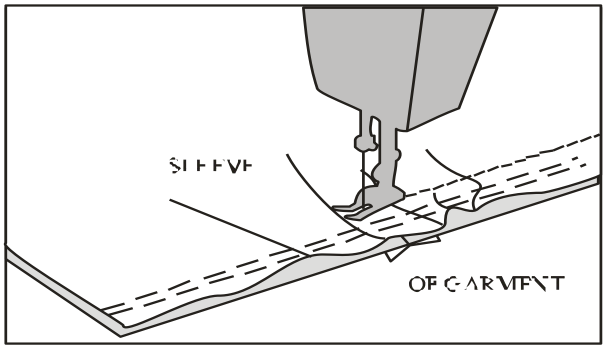

STEP 4

कदम –1 सीधा पक्ष – उलटा पक्ष
कदम –2 उलटा पक्ष
कदम –3 उलटा पक्ष
पोशाक– आस्तीन का उलटा पक्ष

*आस्तीन आकार **#**34*

पिछला भाग
सामने का भाग

तैयार नमूना

उलटे तरफ से आस्तीन

पोशाक के कंधे की सिलाई
कदम–4

पर्यवेक्षण

आपको बनाए हुए कुर्ते की फिटिंग की जाँच करनी चाहिए और मलमल पर फिटिंग की जांच करना आवश्यक है। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न
1. एक कुर्ते की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी चीजें आवश्यक हैं?
2. कुर्ते की फिटिंग की जाँच करते समय किन बातें का ध्यान रखा जाना चाहिए?
3. क्या परिधान उतनी अच्छी तरह से फिट है जितना आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

व्यावहारिक– 14: कॉलर

उद्देश्य
एक कॉलर का स्वरूप (पैटर्न) विकसित करना

सिद्धांत
कॉलर गले पर जोड़ी गई विशेषता है और वे चेहरे को एक आधार प्रदान करते हैं। यह परिधान के सबसे महत्वपूर्ण विवरणों में से एक है और यह अधिकतम ध्यान आकर्षित करता है। कॉलर तीन प्रकार के होते हैं– स्टैंड कॉलर, समतल (फ्लैट) कॉलर और रोल कॉलर।

चीनी या मैंडेरियन कॉलरों जैसे स्टैंड कॉलर गले के आसपास खड़े रहते हैं। ये पैटर्न की गर्दन की बढ़त को मापने के बाद काटे जाते हैं। पीटर पैन जैसे समतल (फ्लैट) कॉलर कंधे पर लगभग समतल रहते हैं, और बुनियादी चोली (बॉडिस) के गर्दन के किनारे के आसपास अनुरेखण द्वारा काटे जाते हैं। रोल कॉलर स्टैंड और गिरे (फॉल) कॉलरों का ही एक बदला हुआ रूप है, जिसमें टर्टल नेक जैसे कॉलर गले के आसपास खड़ा रहता है और चेहरे को आधार देने के लिए की मुड़ता है।

आवश्यक वस्तुएं
पैटर्न पेपर, मलमल और टूल किट
प्रक्रिया

14.1 मैंडेरियन कॉलर
आवश्यक मापः
पीछे का गला – गर्दन के किनारे पर पीछे के केंद्र से कंधे तक मापें।
आगे का गला – गर्दन के किनारे पर आगे के केंद्र से कंधे तक मापें।
ए–बी = 11/2'' कॉलर स्टैंड है।
बी–सी = पीछे का गला
सी–डी = आगे का गला
डी–ई= **½"**
ई से सी तक एक घुमावदार रेखा खींचें
सम कोण पर वक्र रेखा ई तक 1/4 इंच वर्गाकार रेखा। इसे एफ के रूप में चिह्नित करें
गर्दन के किनारे से ए से एफ तक एक समानांतर रेखा खींचें।

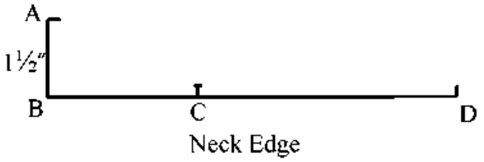

Fig. 1

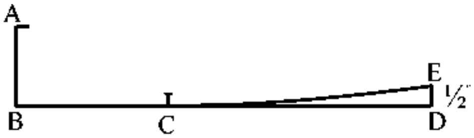

Fig. 2

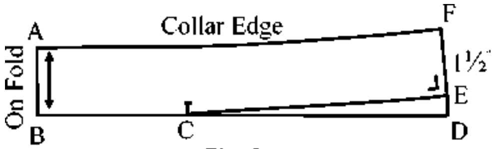

Fig. 3

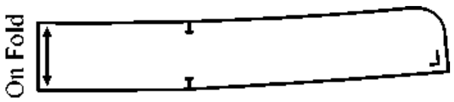

Rounded Edge Collar

ए
1/2''
बी
सी डी
गले का किनारा
चित्र 1
चित्र 2

कॉलर का किनारा
मोड़ पर
चित्र 3
कॉलर का गोल किया हुआ किनारा
मोड़ पर

14.2 पीटर पैन कॉलर

पैटर्न वापस अंकित करें। आगे के नमूने को अंकित प्रतिलिपि पर गले को छुते हुए और 1 /4 इंच के एक घुमाव के लिए कंधे के नोक से 2 इंच की अतिव्याप्ति (ओवरलैपिंग) पर रखें।

वांछित घुमाव के आधार पर इस अतिव्याप्ति (ओवरलैपिंग) में भिन्नता हो सकती है। चित्र में दर्शाये गए रूप में वांछित राशि को पीठ और गर्दन के आगे के हिस्से पर नीचे करें।

गले को दुबारा अंकित करें और केंद्र लाइनों के भाग के साथ फिर से इसकी नकल करें। ए बी = कॉलर की वांछित चौड़ाई।
चित्र में दर्शाये गए रूप में पीछे के केंद्र से शुरू कर सामने के केंद्र तक एक रेखा खींचें। सामने के भाग को वांछित आकार दें।

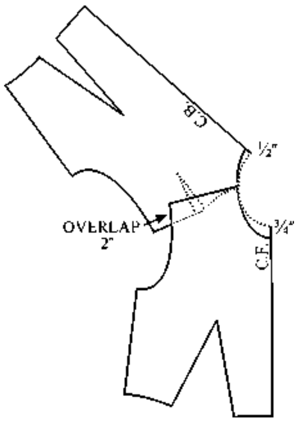

Fig.1

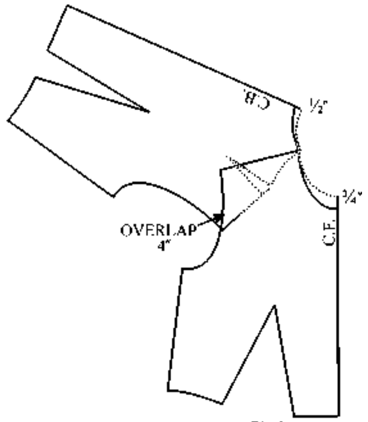

Fig.2

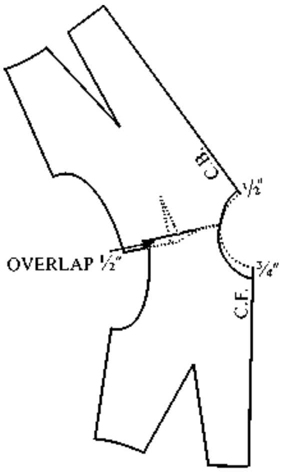

Fig.3

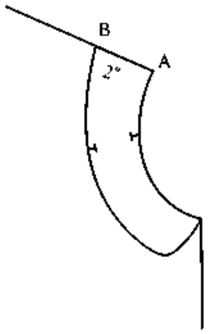

Fig. 4

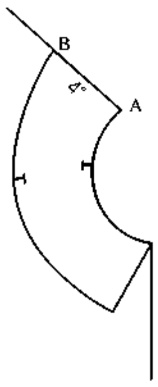

Fig. 5

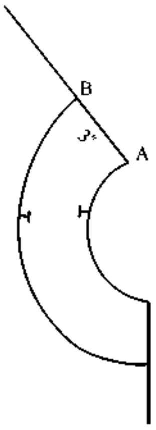

Fig. 6

अतिव्यापकता (ओवरलैप)

चित्र 1, चित्र 2, चित्र 3 चित्र .4 *चित्र .5* *चित्र .6*

ऊपर के चित्र सामने के केंद्र पर कॉलरों की विभिन्न चौड़ाई और किनारों को दर्शाते हैं।

पर्यवेक्षण

आपको कॉलरों के विकसित पैटर्न के फिटिंग की जाँच करनी होगी, उन्हें बुनियादी चोली के गर्दन के किनारे से जोड़ दें और मलमल पर फिटिंग की जाँच करें। यदि आवश्यक हो, तो परिवर्तन करें।

मौखिक प्रश्न

1. एक कॉलर की अच्छी फिटिंग के लिए कौन सी वस्तुएं आवश्यक हैं?
2. एक मैंडेरियन कॉलर की फिटिंग की जांच करते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?
3. क्या पीटर पैन कॉलर उस तरह से फिट हो रहा है जैसा आप चाहते थे, अगर नहीं तो इसके क्या कारण हो सकते हैं?

अनुसंलग्नक –1

टूल किट

♦ऑल पिनः **अच्छी, लम्बी,** जंग रोधी पिन।

♦कार्बन पेपरः एक तरफ सफेद या रंगीन मोम लेपित कागज, अंकन को कपड़े या कागज पर स्थानांतरित करने के लिए प्रयोग किया जाता है ।

♦पोशाक का आकारः एक एक घूमने वाले, हल्के समायोज्य स्टैंड और दबाने के कंधे और स्लॉपरों पर स्थापित कपास की गद्दियों से युक्त और कैनवास से ढका हुआ, मानव धड़ की एक मानकीकृत अनुकृति। माप लेने, पैटर्न विकसित करने, परिधान के नमूने की फिटिंग, वस्त्रों में बदलाव करने, परिधान के लिए स्टाइल रेखाओं को स्थापित करने के लिए ।

♦ग्रेडिंग स्केलः ग्रिड के साथ 2 "x 18" पारदर्शी सीधे प्लास्टिक का

♦एल स्क्वायरः सम कोण पर अलग–अलग लंबाई, आमतौर पर 12 इंच और 24 इंच के समान किए गए कोनों वाला प्लास्टिक या धातु का रूलर। सीधी लाइनों, संदर्भ बिदुओं और रेखाओं को बनाने के लिए।

♦चुंबकः एक उच्च कार्बन इस्पात मिश्र धातु में लोहा और इस्पात को आकर्षित करने का गुण होता है, ये किसी भी आकार के हो सकते हैं।

♦मापने का टेपः धातु की नोंक वाला संकीर्ण, मजबूती से बुने हुए कपड़े या प्लास्टिक का आमतौर पर 60 इंच लंबा (150 सेमी) इंच और सेंटीमीटर दोनों के साथ चिह्नित के दोहरा फीता ।

♦मलमलः फिटिंग की जाँच और पैटर्न विकसित करने के लिए प्रक्षालित या अप्रक्षालित **धागों** से बना सादी बुनाई का एक कपड़ा।

♦अखबारी कागजः रफ ड्राफ्ट के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

♦कागज की कैंची/कैंचीः 8 इंच से 12 इंच के आकार में, दो तेज सीधे ब्लेड के साथ काटने का एक उपकरण।

♦पैटर्न पेपरः मजबूत सफेद कागज विविध वजन और चौड़ाई में उपलब्ध है।

♦पेंसिलः मलमल, पैटर्न या स्लॉपर को विकसित करने में रेखाओं को चिह्नित करने के लिए।

♦पिन कुशनः विभिन्न आकृति और आकार में छोटा मजबूत भरा हुआ तकिया।

♦पुश पिनः बिदुओं को घुमाने और स्थानांतरित करने और पैटर्न के टुकड़े और कपड़े को मेज पर स्थिर रखने के लिए ड्रम के आकार का ½ इंच लंबा पिन ।

♦स्केलः धातु या प्लास्टिक का 12''/24'' लंबा रूलर।

♦दर्जी की कैंचीः कपड़े और मलमल को काटने के लिए 12 से 16 इंच के आकार में दो विस्तृत ब्लेड के साथ एक काटने का यंत्र।

♦भूरे रंग का मोटा कागजः तैयार पैटर्न के लिए मजबूत भूरे रंग का कागज। प्रारंभिक पैटर्न, मसौदा तैयार करने और अंतिम पैटर्न के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

♦अनुरेखण पहिया (ट्रेसिंग ह्वील)ः पैटर्न के चिह्नों को कागज से मलमल पर स्थानांतरित करने के लिए एक हत्थे के एक छोर पर चढ़ाया हुआ छोटे दाँतो या सुई बिंदु पहिया के साथ एक उपकरण।

♦पारदर्शी टेपः एक तरफ चिपकने वाली सतह के साथ साफ प्लास्टिक की संकीर्ण निरंतर धारियों के रोल में उपलब्ध है। कागज के टुकड़े को पकड़ने और फटे हुए भाग को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अनुसंलग्नक –II

चोली और स्कर्ट के लिए मानक पोशाक आकार माप तालिका
(इंचों में)

आकार	**32**	**34**	**36**	**38**	**40**	**42**	**44**
आगे की लंबाई	17 1/4	17 1/2	17 3/4	18	$18^{1/4}$	$18^{1/2}$	18 3/4
वक्ष की चौड़ाई (आर्म प्लेट के 1 इंच नीचे आराम के लिए) इंच सहित)	9 ½	10	$10^{1/2}$	11	$11^{1/2}$	12	$12^{1}/^{2}$
सामने के केंद्र की लंबाई	*14 3/8*	$14^{1/2}$	$14^{5/8}$	143/4	$14^{7}/8$	15	$15^{1/8}$
शीर्ष	$3^{5}/8$	$3^{3}/^{4}$	$3^{7}/^{8}$	4	$4^{1}/8$	$4^{1/4}$	$4^{3/8}$
बाँह के नीचे की सिलाई	$7^{7}/8$	8	$8^{1}/8$	$8^{1}/4$	$8^{3}/8$	$8^{1}/2$	$8^{5}/^{8}$
कमर के सामने का हिस्सा (आराम के लिए (इंच सहित)	$_{6}3/8$	$6^{3/4}$	$7^{1}/8$	$7^{1}/2$	$7^{7}/8$	$8^{1}/4$	$8^{5/8}$
कमर से कंधा (आराम के लिए = इंच सहित)	$14^{3}/^{4}$.	$14^{7/8}$	15	$15^{1/8}$	$151/^{4}$	$15^{3/8}$	$15^{1}/2$
कंधे की लंबाई	$4^{7}/8$	5	$5^{1}/8$	$5^{1/4}$	$5^{3/8}$	$5^{1/2}$	$5^{5/8}$
आगे के केंद्र से प्रिंसेज लाइन तक	$2^{5}/8$	$2^{3}/4$	*27/8*	*3*	$3^{1/8}$	$3^{4}/4$	$3^{3}/8$
पीछे की चौड़ाई (आर्म प्लेट के 1 इंच नीचे आराम के लिए) इंच सहित)	$8^{1/2}$	9	$9^{1/2}$	10	$10^{1/2}$	11	$11^{1/2}$
पीछे के केंद्र की लंबाई	$16^{1/2}$.	$16^{3/4}$	17	$17^{1}/^{4}$	$17^{1}/^{2}$	$17^{3/4}$	18

कमर के पीछे की रेखा (आराम के लिए (इंच सहित)	$5^{5}/8$	6	$6^{3}/8$	$6^{3}/4$	$7^{1}/8$	$7^{1}/2$	$7^{7}/8$
कंधे की चौड़ाई (ब्लेड)	$6^{7}/8$	7	$7^{1}/8$	$7^{1}/4$	$7^{3}/8$	$7^{1}/2$	$7^{5}/8$
पीछे के केंद्र से प्रिंसेज लाइन तक	$2^{1}/2$	$2^{5}/8$	$2^{3}/4$	$2^{7/8}$	3	$3^{1}/8$	$3^{1}/4$
कूल्हे के आगे की रेखा (कमर से 7" नीचे) (आराम के लिए (इंच सहित)	$9^{1}/8$	$9^{3}/8$	$9^{5}/8$	$9^{7}/8$	$10^{1}/8$	$10^{3}/8$	$10^{5}/8$

कूल्हे के पीछे की रेखा (कमर से 7" नीचे) (आराम के लिए (इंच सहित)	$9^{1}/8$	$9^{3}/8$	$9^{5}/8$	$9^{7}/8$	$10^{1}/8$	$10^{5}/8$	$6^{1}/8$
टोपी की ऊचाई	6	6	$9^{1}/^{2}$	$9^{3}/^{4}$	$6^{1}/4$	$6^{1}/8$	$10^{3/4}$
छेटी आस्तीन की लंबाई	9	91/4	24	$24^{\ 1/2}$	10	$10^{1/2}$	25
आस्तीन की लंबाई	23	$23^{1}/^{2}$			$24^{1/4}$	25	

अनुसंलग्नक –III

फिटिंग की जाँच (टेस्ट फिटिंग)

फिटिंग की जाँच में निम्नलिखित कदम शामिल हैः

♦ मलमल को आमतौर पर परीक्षण सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

♦ वास्तविक सिलाई के बिना तैयार परिधान का प्रभाव प्राप्त करने के लिए सबसे तेज तरीका सिलाई की सभी रेखाओं में ओवरलैप और पिन लगाना है। पिन लगाना वही परिणाम और जानकारी देता है, जो एक व्यक्ति मशीन पर गए बिना प्राप्त करना चाहता है। पिन लगाना और उसे खोल कर फिर से पिन लगाना सिलाई को खोलने और फिर से सिलाई करने की तुलना में बहुत आसान है।

♦ पिनों को, सीवन की सही रेखा में सही कोण पर लगाया जाना चाहिए, जैसे कि इस विधि में सिलाई पर कम तनाव या खिंचाव है, और यह सरकती नहीं है।

♦ मलमल पर फिटिंग की जांच करें और पूरी तरह से संतुष्ट होने तक सुधार कर सकते हैं।

♦ आवश्यक सुधारों को चिह्नित करें और परिधान के अंतिम पैटर्न के लिए उन्हें पेपर पैटर्न पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

अनुसंलग्नक –

गले के लिए आवश्यक माप

किसी भी प्रकार का गला बनाने के लिए गर्दन के केंद्र बिंदु से सामने के केंद्र की तिरछे रूप से गर्दन की गहराई की माप लेना आवश्यक है। (गले का माप ए)

वर्गाकार, ग्लॉस गले, स्वीट हार्ट गले की लंबाई के लिए एक सीधी रेखा में और गले की चौड़ाई के लिए सामने के केंद्र से उस बिंदु तक मापा जाता है।(गले का माप बी)

गले की माप ए
गले की माप बी

गला बनाते समय ध्यान में रखे जाने वाले बिंदु
1. अगर एक गले को सामने से चौड़ा किया जाता है, तो पीछे भी ऐसा किया जाना जरूरी है।
4. एक ही समय में सामने और पीछे दोनों के लिए गहरा गला बनाने से बचने की कोशिश करें। अगर कोई गले क आगे और पीछे दोनों तरफ से गहरा रखने का फैसला करता है तो ऐसी स्थिति में सामने के केंद्र पर आसानी के लिए 1 /2 इंच की बढ़त रखी जानी चाहिए।
5. जो माप तिरछे लिए जाते हैं उन्हें नमूने पर तिरछे रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए और सीधे ली जाने वाली माप को सीधे चिह्नित किया जाना चाहिए।

4.घुमावदार गले के लिए, सामने और पीछे के केंद्र पर दोनों तरफ और कंधे के स्तर पर हमेशा 1 /4 इंच की बढ़त रखें।

गले की रेखाओं का परिष्करण (फिनिशिंग) करें।

पाइपिंग कपड़े की एक झुकाव युक्त 1¼ इंच चौड़ी पट्टी है और इसे खींचने के बाद गले की सिलाई की रेखा पर जोड़ा जाता है। पाइपिंग को तुरपाई या मशीन की सिलाई से पूरा किया जाता है। यह तैयार कपड़े के सामने की तरफ लगभग (से 1 /8 इंच चौड़ी होती है। यह ब्लाउज और अन्य भारतीय कपड़ों के लिए परिष्करण का एक लोकप्रिय प्रकार है।

फेसिंग दो प्रकार की होती है –झुकाव युक्त फेसिंग और आकार युक्त फेसिंग
झुकाव युक्त फेसिंग पाइपिंग की तरह कपड़े की एक पट्टी है, लेकिन इसे बिना खींचे गले से जोड़ा जाता है। एक उलटी तरफ पूरी तरह से समाप्त हो जाती है।

आकार युक्त फेसिंगः आकार युक्त फेसिंग को गले के आकार के अनुसार काटा जाता है और सामने की तरफ जोड़ा जाता है तथा इसके बाद पूरी तरह से अंदर घुमा दिया जाता है। प्रत्येक डिजाइन के लिए फेसिंग की चौड़ाई में भिन्नता होती है लेकिन आम तौर पर 1 1 /2 इंच चौड़ी होती है।